हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 07.04.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 253 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

राजधानी रांची समेत पूरे देश में रामनवमी की धूम, हर ओर जय श्रीराम

प्रभु श्री राम के आदर्शों को हम सभी अपने जीवन में आत्मसात करें : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रामनवमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपनी पत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री दंपति ने पहले मुख्यमंत्री आवास स्थित मंदिर में विधिवत पूजा कर राज्य के सर्वांगीण विकास, सुख, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इसके बाद दोनों तपोवन मंदिर भी पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान राम की पूजा कर जनता की भलाई और प्रदेश की उन्नति के लिए कामना की। रामनवमी के इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि भगवान राम का आदर्श और त्याग हम सभी को प्रेरणा देता है। पूरे प्रदेश में रामनवमी का उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी श्रद्धा, भक्ति, उत्साह, उमंग और खुशी के साथ हम रामनवमी महापर्व मना रहे हैं। यह भगवान श्री राम के प्रति हमारी असीम श्रद्धा एवं आस्था का परिचायक है। इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर प्रांगण में श्री राम जानकी की पूजा- अर्चना करते हैं। हम मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें, रामनवमी महापर्व यही संदेश देता है। इस अवसर पर श्री राम जानकी तपोवन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत ओमप्रकाश शरण एवं सदस्य प्रणय कुमार, केंद्रीय समिति श्री महावीर मंडल, रांची के अध्यक्ष जय सिंह यादव, श्री राम -जानकी तपोवन मंदिर ट्रस्ट तथा श्री महावीर मंडल, केंद्रीय समिति के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

रामनवमी पर रामलला का हुआ सूर्य तिलक

एजेंसी

अयोध्या : रामनवमी के अवसर पर रविवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के माथे पर 'सूर्य तिलक' चमक रहा था। सूर्य तिलक ठीक दोपहर के समय हुआ जब सूर्य की किरणें रामलला की मूर्ति के माथे पर सटीक रूप से पड़ीं और एक दिव्य तिलक का निर्माण हुआ। वीडियो में पुजारी सूर्य तिलक के दौरान रामलला की पूजा करते नजर आ रहे हैं। इससे पहले दिन में उत्तर प्रदेश के अयोध्या और संभल में मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी।

अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों की बड़ी संख्या को प्रबंधित करने के लिए ड्रोन निगरानी और क्षेत्रीय व्यवस्था के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी थी।

एएनआई से बात करते हुए अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजकरण नैयर ने कहा, रामनवमी के अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं। हमने क्षेत्रों को अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित किया है। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा उद्देश्यों के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है।

हाल ही में हुए घटनाक्रम में एडिशनल एसपी मधुबन सिंह ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर की व्यवस्था पर कहा, रामनवमी के अवसर पर लोग बड़ी संख्या में पूजा-अर्चना करने आते हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। पार्किंग की भी उचित व्यवस्था की गई है।

संभल में भी मंदिरों और आस-पास के इलाकों में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे और अधिकारी निगरानी प्रणालियों के जरिए स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे थे।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामनवमी की शुभकामनाएं दीं और देशवासियों के जीवन में नये उत्साह की कामना की। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, सभी देशवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान श्री राम के जन्मोत्सव का यह पावन और पवित्र अवसर आप सभी के जीवन में नई चेतना और नया उत्साह लेकर आए तथा सशक्त, समृद्ध और समर्थ भारत के संकल्प को निरंतर नई ऊर्जा प्रदान करे। जय श्री राम!

एक नजर

राष्ट्रपति दो यूरोपीय देशों की यात्रा पर रवाना

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को पुर्तगाल और स्लोवाकिया के दौरे पर रवाना हो गईं। वे 7-10 अप्रैल तक दोनों देशों की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। इस दौरान राष्ट्रपति अपने समकक्षों के साथ वार्ता करेंगी और भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय राष्ट्रपति की 25 वर्षों से भी अधिक समय में इन देशों की पहली राजकीय यात्रा है। उनकी इन यात्राओं से दो महत्वपूर्ण यूरोपीय संघ के भागीदारों के साथ भारत के बहुमुखी संबंध को अधिक विस्तार मिलेगा। राष्ट्रपति मुर्मू 7-8 अप्रैल तक पुर्तगाल की यात्रा पर रहेंगी। वह पुर्तगाल के अपने समकक्ष मासेली रेबेलो डी सूसा से मिलेंगी और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वह पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको से भी मिलेंगी। भारतीय राष्ट्रपति की यह 27 वर्षों बाद पुर्तगाल यात्रा है। भारत और पुर्तगाल राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में पंबन पुल का किया उद्घाटन

केन्द्र तमिलनाडु के विकास को समर्पित, लेकिन कुछ लोगों को रोने की है आदत : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि बीते एक दशक में केन्द्र सरकार ने तमिलनाडु के विकास के लिए 2014 की तुलना में तीन गुना ज्यादा धन आवंटित किया है। वे मानते हैं कि विकसित भारत के सफर में तमिलनाडु का बहुत बड़ा रोल है। तमिलनाडु का सामर्थ्य जितना ज्यादा बढ़ेगा, भारत का विकास उतनी तेज होगा।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इसके बावजूद कुछ लोगों को बिना कारण रोते रहने की आदत है। वे रोते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि तमिलनाडु के नेताओं से प्राप्त पत्रों में तमिल में हस्ताक्षर नहीं होते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले रेल प्रोजेक्ट के लिए हर साल सिर्फ 900 करोड़ रुपये ही मिलते थे। इस वर्ष तमिलनाडु का रेल बजट 6

हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है और भारत सरकार यहां के 77 रेलवे स्टेशन को मॉडर्न भी बना रही है। इसमें रामेश्वरम का रेलवे स्टेशन भी शामिल है। आयुष्मान भारत योजना के तहत तमिलनाडु में 1 करोड़ से अधिक लोगों का उपचार किया गया है। इससे लोगों को 8 हजार करोड़ की बचत हुई है। तमिलनाडु में 1,400 से अधिक जन औषधि केंद्र हैं। इससे तमिलनाडु के लोग अनुमानित 700 करोड़ रुपये की बचत करते हैं। हाल के वर्षों में तमिलनाडु में 11 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के दौरे पर हैं। रामनवमी के अवसर पर दोपहर में उन्होंने भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल - नए पंबन रेल पुल का उद्घाटन किया। उन्होंने सड़क पुल से एक ट्रेन और एक जहाज को हरी झंडी दिखाई और पुल के संचालन को देखा। इसके बाद उन्होंने रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा की। उन्होंने रामेश्वरम में 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मछुआरों की सुरक्षा और भलाई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत सरकार के समर्पित प्रयासों से पिछले एक दशक में 3,700 से अधिक मछुआरों को श्रीलंका से सफलतापूर्वक वापस ले लिया गया है। 600 से अधिक मछुआरों को पिछले वर्ष में ही मुक्त कराया गया है। कुछ मछुआरों को मृत्युदंड दिया गया, लेकिन हमने देश में उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए। प्रधानमंत्री ने इस दौरान देश के चहुंमुखी विकास का जिक्र किया और कहा कि आज देश में बहुत तेजी से बड़ी परियोजनाओं पर काम हो रहा है। बीते 10 वर्षों में हमने रेल, रोड, एयरपोर्ट, पानी, पोर्ट, बिजली, गैस पाइप लाइन ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट करीब 6 गुना बढ़ाया है। उन्होंने उत्तर, पूर्व और पश्चिम तथा दक्षिण के मेगा प्रोजेक्ट का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज में से एक 'चिनाब ब्रिज' बना है। मुंबई में देश का सबसे लंबा सी ब्रिज 'अटल सेतु' बना है। असम के 'बोगीबील ब्रिज' और यहां दुनिया के गिने-चुने वर्टिकल लिफ्ट ब्रिज में से एक 'पंबन ब्रिज' का निर्माण पूरा हुआ है।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर उन्होंने मंच से पार्टी कार्यकताओं के परिश्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के जिस लक्ष्य को लेकर हम चल रहे हैं, उसमें भाजपा के हर एक कार्यकर्ता का परिश्रम है। आज देश के लोग भाजपा सरकारों का गुड गर्वनेंस देख रहे हैं, राष्ट्रहित में लिए जा रहे निर्णय देख रहे हैं और हर हिंदुस्तानी का सीना चौड़ा हो रहा है।

राहुल गांधी का बिहार दौरा आज से

एजेंसी

पटना : बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु रविवार कोपटना पहुंचे। अल्लावरु लोकसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 7 अप्रैल यानी आज से शुरू होने वाले बिहार के दौरे को लेकर यहां आये हैं। राहुल गांधी बेगूसराय में नौकरी दो पलायन रोको यात्रा और बाद पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा वे पार्टी के नेताओं से मुलाकात भी करेंगे।

पटना एयरपोर्ट पर कांग्रेस के बिहार प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी।प्रभारी ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 7 अप्रैल को बिहार के एकदिवसीय दौरे पर रहेंगे। अल्लावरु ने कहा कि कल राहुल गांधी बिहार आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी सुबह पटना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वे चार्टर हेलीकॉप्टर से बेगूसराय के लिए रवाना होंगे। बेगूसराय में वे युवा कांग्रेस के अभियान 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा में भाग लेंगे और इसे संबोधित करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी पटना लौटेंगे और श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में वे संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने को लेकर अपनी बात रखेंगे। विपक्ष के नेता राहुल गांधी का यह वर्ष 2025 में तीसरा बिहार दौरा होगा।

इन कार्यक्रमों के बाद राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम भी जाएंगे, जहां वे वरिष्ठ नेताओं और संगठन पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यहां वे 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करेंगे और इंडिया गठबंधन में सीटों के तालमेल को लेकर पार्टी नेताओं से राय भी लेंगे। राहुल गांधी बिहार कांग्रेस की चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने और जमीनी कार्यकताओं से फीडबैक लेने के लिए पार्टी मुख्यालय में कुछ समय बिताएंगे।

एक नजर

रामनवमी पर चहुंओर सुनी गई जय श्रीराम की गूंज

कोडरमा : भगवान राम की भक्ति, जय श्रीराम के नारे और शौर्य का प्रदर्शन, कुछ ऐसा ही विहंगम दृश्य रविवार को कोडरमा जिले की सड़कों पर दिखा। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मोत्सव का महापर्व रामनवमी की शान से पूरा जिला जय श्री राम के जयकारे से गूंज उठा। रामनवमी के भजनों से एक एक गली और चौक चौराहे गूंज रहा था। डंके की आवाज राम भक्तों का जोश बढ़ा रहा था। तो दूसरी तरफ बड़े बड़े महावीरी ध्वज थामे भक्तों की भीड़ जय श्री राम के जयकारे के साथ शौर्य का प्रदर्शन कर रहे थे। हर ओर महावीरी ध्वज ही लहरा रहे थे। रामभक्तों का यह जोश और उत्साह सालों बाद सड़कों पर फिर देखने को मिला। पारंपरिक अस्त्र शस्त्र के प्रदर्शन के साथ लाठियों का अद्भुत खेल दिखाते युवा खिलाड़ियों के जुनून को हिंदू संगठन के कार्यकर्ता उत्साह बढ़ा रहे थे। सुबह से ही हे बजरंगबली, दुखियों का दुखड़ा दूर करो, संकट मोचन कहलाओ तुम, जैसे भजन और डंके की आवाज ने राम भक्तों की नींद तोड़ा। दिन में लाठियों के साथ पारंपरिक अस्त्र शस्त्रों के साथ खिलाड़ी अपना शक्ति प्रदर्शन दिखाने सड़क पर निकले। हर एक राम भक्त भगवान राम की भक्ति में डूबा दिखा। कोडरमा, झुमरीतिलैया, सतगावां, मरकच्चो, चंदवारा, जयनगर और डोमचांच सहित अन्य जगहों पर शौर्य पराक्रम का प्रदर्शन भी हुआ। इस दौरान सुरक्षा को लेकर कोडरमा में एसडीओ रिया सिंह, एसड़ीपीओ अनिल कुमार, डीएसपी स्वयं पेट्रोलिंग करते दिखे। कोडरमा में थाना प्रभारी अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ तैनात थे। अलग-अलग इलाके से करीब 30 से अधिक अखाड़ा समितियों के नेतृत्व में खिलाड़ियों की भीड़ लाठी और अस्त्र शस्त्र लिए कई चौक चौराहे में जुटे।

तीसरी आंख से जिले के चप्पे - चप्पे की हो रही निगरानी

बोकारो : रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। सुबह से ही स्वयं डीसी विजया जाधव एवं एसपी मनोज स्वर्गियारी स्वयं मोर्चा संभाले हुए हैं। द्वय पदाधिकारियों ने सुबह से ही कंपोजिट कंट्रोल रूम का जायजा लेकर, जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर लगे सीटीवी और उसका लाइव प्रसारण को देखा। प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों से हर गतिविधि की निगरानी करने का निर्देश दिया। डीसी एसपी ने रविवार शाम चास एवं बीएससिटी के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर विधि व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही, कई स्थानों पर अखाड़ा समिति को ससमय जुलूस निकालने की अपील किया। डीसी - एसपी ने नया मोड़, माराफाड़ी के रितुडीह, सिवनडीह स्थित मिनी कंट्रोल भी पहुंचे। वहां कुछ समय बैठ प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों से कितने जुलूस निकले और कितने राम मंदिर की ओर प्रस्थान किए इसकी जानकारी ली। फिर द्वय पदाधिकारी ने नया मोड़ होते हुए हरला थाना के बसंती मोड़, सेक्टर फोर, पत्थरकट्टा, राम मंदिर, चास धर्मशाला मोड़, चीरा - चास आदि क्षेत्रों का दौरा किया। पदाधिकारियों ने सीसीटीवी (तीसरी आंख) के माध्यम से चास, जरीडीह, नावाडीह,चंद्रपुरा, बेरमो, पेटरवार, कसमार,गोमिया, चंदनकियारी क्षेत्रों का जायजा लिया। जिला प्रशासन ने सभी संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरा इंस्टाल कराया है। जिसकी निगरानी कंपोजिट कंट्रोल रूम से नियमित की जा रही है। साथ ही कई स्थानों पर ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की जा रही है। मौके पर डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

रामनवमी में उमड़ी राम भक्तों की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हरली पूजा समिति द्वारा रामनवमी मेलाटांड़ में मेला का आयोजन किया गया। हजारों लोग महावीरी झंडा के साथ पहुंचे और झंडा का मिलान किया। हर तरफ जय श्रीराम, जय हनुमान की जय घोष हो रहा था। कई गांवों से अखाड़े के द्वारा एक से बढ़कर एक कई आकर्षक झांकी व जुलूस निकाली गई सभी अखाड़े के लोग बेहतर करने का प्रयास किया । मेलाटांड़ में गंगा दोहर, बिश्रामपुर, शिवाडीह, अंबाजीत, मोतरा, गोंदलपुरा मधैयाढाब खरांटी एवं अन्य गांव की रामनवमी जुलूस एवं झांकी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल और विधायक रोशन लाल चौधरी दोनों लाठी खेलकर लोगों के बीच उत्साह भरा। हरली ग्राम पूजा समिति के अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो की अध्यक्षता में सांसद मनीष जायसवाल के हाथों मेलाटांड़ में मेले का उद्घाटन किया गया। इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक रोशन लाल चौधरी ने कई गांव से आए अखाड़े के प्रमुख लोगों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वही हरली पूजा समिति द्वारा झांकी एवं जुलूस में बेहतर करने वाले के बीच देर रात पुरस्कार वितरण किया गया। जिसमें विभिन्न गांव से झांकी व महावीरी झंडा के साथ लोग मेला में शामिल हुए, परेवातरी, झीकझोर, उरेज, पतरा, सोहादी, आंगो, चेलंगदाग, लुकैया, कोयलंग, अम्बाटोला, सतवहिया, इत्यादि दर्जनों गांवों के लोग भाग लिए। बेहतर करने वाले झांकी एवं जुलूस को सम्मानित किया गया।

शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी पूजा हुआ संपन्न

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के अंतर्गत ग्राम चेपाखुर्द जुगरा व आराहारा रामभक्तो के द्वारा रामनवमी पूजा शांति तरीके से मनाया गया,मेला से पूर्व ग्राम चेपाखुर्द में अष्टमी के रात झांकी व जुलूस निकाला गया जिसमें गांव के लोगों के द्वारा रात भर भक्ति में झूमते नजर आए। वही डाडी कला थाना के थाना प्रभारी पिंटू कुमार के द्वारा रात भर जुलूस में अपनी मुस्तैदी बनाए रखे जिससे कि जुलूस शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। वही अष्टमी के रात जुलूस समापन के बाद नवमी की जुगरा में चेपाखुर्द, जुगरा व अराहारा के लोगो के द्वारा दिन में मेले का आयोजन किया गया जहां तीनों गांव के राम भक्तों ने मेले का आनंद उठाया। वही मेले में भी डाडी कला थाना के थाना प्रभारी पिंटू कुमार, संजय सिंह,सतीश उरांव, पार्थ मंडल, अमर कुमार, खीरोद महतो, पदुम साव, अजय यादव, नवलेश यादव, कुलदीप कुमार, राजा करमाली, शंभू साव, शंकर राम,राजेश रजक, भास्कर महतो, विक्की करमाली, उमेश कुमारा, राजेश राम, तारकेश्वर महतो, जगलाल साव, छोटेलाल, रंजित यादव, लालचंद महतो करमाली, राजकुमार साव, दामोदर महतो, व सैकड़ों महिला पुरुष रामभक्त उपस्थित थे।

भगवान श्रीराम केवल एक आराध्य नहीं, बल्कि एक आदर्श हैं : मनोज यादव

बरही : रामनवमी पर्व की नवमी तिथि को बरही में भव्य झांकी का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ो रामभक्तों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। इस शुभ अवसर पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव मुख्य रूप से शामिल हुए और श्रद्धालुओं का हौसला बढ़ाया। विधायक मनोज कुमार यादव झांकी में शामिल हुए और जय श्री राम के गगनभेदी नारों के साथ रामभक्तों का उत्साहवर्धन किया। हाथ में भगवा ध्वज लिए वे पूरे बरही चौक का भ्रमण करते नजर आए और गदा लेकर रामभक्तों के साथ खेलते हुए भगवान राम की मयार्दा और शौर्य का प्रतीक बनकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष भगवान केशरी ने विधायक मनोज यादव का पट्टा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

रामनवमी पर आर्ष कन्या गुरुकुल की भव्य शौर्य यात्रा में शामिल हुए कांग्रेस नेता विनोद कुशवाहा

हजारीबाग : रामनवमी के पावन अवसर पर रविवार को हजारीबाग में आर्ष कन्या गुरुकुल द्वारा निकाली गई रामनवमी शौर्य यात्रा ने नगर को अध्यात्म, संस्कृति और परंपरा के रंग में रंग दिया। पारंपरिक वेशभूषा, वैदिक मंत्रोच्चार और आकर्षक झांकियों से सजी इस शोभायात्रा ने जब नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरना शुरू किया, तो श्रद्धालुओं का जनसैलाब सड़कों पर उमड़ पड़ा। हर कोना रामभक्ति और सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत नजर आया। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा भी अपने साथियों के साथ यात्रा में सम्मिलित हुए। उन्होंने गुरुकुल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में धार्मिक चेतना के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों का भी प्रसार होता है।

रामनवमी पर्व के मद्देनजर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में निकाला गया फ्लैग मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : रामनवमी पर्व के मद्देनजर विधि व्यवस्था संधारण एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए उपायुक्त नैंसी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में शहरी क्षेत्र में रूट का सत्यापन करते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान सभी प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी समेत पुलिस बल के जवानों ने रामनवमी जुलूस मार्गों पर फ्लैग मार्च किया। रामनवमी पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल के जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने जुलूस मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में सड़क किनारे पड़े भवन निर्माण सामग्री, सड़कों की स्थिति एवं विभिन्न स्थानों पर जुलूस के समय लगने वाले बैरिकेटिंग, अस्थाई शौचालय, बिजली, पेयजल, मेडिकल, अग्निशमन, एंबुलेंस आदि का अवलोकन कर सबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि रामनवमी पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो इसके लिए हजारीबाग जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रही है। असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। विधि व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कारवाई की जाएगी। जुलूस मार्गो से सटे निजी मकानों के छतों और खाली पड़े ग्राउंड की तस्वीर कैद की जा रही है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे के मदद से भी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निदेशों को माइकिंग कर जरूरी एहतियात संबंधी जानकारी लोगों को दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जगह जगह पर आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर और क्या करें, क्या न करें से सबंधित बैनर, पोस्टर लगाकर भी लोगो को जागरूक किया जा रहा है।

स्वर्णकार समाज ने हनुमान मंदिर में चढ़ाया तीन किलो चांदी का झंडा

बड़कागांव : बड़कागांव दैनिक बाजार स्थित हनुमान मंदिर में स्वर्णकार समाज द्वारा 3 किलो चांदी का झंडा चढ़ावा किया गया। उक्त चांदी के झंडे में समाज के एक-एक घर से प्रतिवर्ष थोड़ा-थोड़ा चांदी लेकर झंडे का आकार बढ़ाया जाता है। यह कार्य विगत 9 वर्षों से किया जा रहा है। शुरूआती वर्ष में झंडे का वजन 450 ग्राम था। वर्षों में चांदी जोड़ कर ढाई किलो किया गया। झंडा में प्रतिवर्ष चांदी जोड़ कर बढ़ाया जाता है। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से चैती दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सोनी, सचिव सरोज सोनी, गौतम वर्मा, पूर्व पंसस राजीव रंजन, दुर्गा सोनी, चंदन कुमार सोनी, भुवनेश्वर सोनी, के अलावा अन्य शामिल थे।

दंगल प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक विरासत के संरक्षण का संदेश देना है : प्रशांत प्रधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : रामनवमी के पावन अवसर पर हजारीबाग के बड़ा अखाड़ा प्रांगण में रामनवमी संरक्षण समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रविवार को संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन का समापन समिति के अध्यक्ष प्रशांत कुमार प्रधान संरक्षक राजकुमार यादव कार्यकारी अध्यक्ष निशांत प्रधान एवं अन्य समिति पदाधिकारि व सदस्यों की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने मंच पर उपस्थित होकर देशभर से आए पहलवानों का उत्साहवर्धन किया और उनके खेल भावना की सराहना की। रामनवमी संरक्षण समिति वर्षों से इस परंपरागत आयोजन को सफलतापूर्वक संचालित करती आ रही है। समिति द्वारा हर वर्ष अष्टमी और नवमी के दिन कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से नामचीन पहलवान हिस्सा लेते हैं। इस वर्ष भी अष्टमी के दिन प्रतियोगिता के पहले चरण का आयोजन किया गया, जिसमें कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इन मुकाबलों में विजयी रहे प्रतिभागी रविवार को फाइनल में भिड़े। फाइनल मुकाबले में नेपाल, लखनऊ, राजस्थान और झारखंड से आए पहलवानों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। अखाड़े में उतरे पहलवानों ने अपने दमखम और तकनीक का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों की तालियों की गूंज चारों ओर सुनाई दी। आयोजकों के अनुसार इस प्रकार के आयोजनों से न सिर्फ पारंपरिक खेलों को बढ़ावा मिलता है, बल्कि युवाओं में खेल के प्रति रुचि भी बढ़ती है। प्रतियोगिता के अंत में फाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज करने वाले पहलवानों को प्रोत्साहन राशि और पुरस्कार प्रदान किए गए। विजेता पहलवानों को समिति की ओर से शील्ड, नगद राशि और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष निशांत प्रधान ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि पारंपरिक खेलों को संरक्षित किया जाए और नई पीढ़ी को इससे जोड़ने का प्रयास किया जाए। यह प्रतियोगिता न सिर्फ खेल भावना को बढ़ावा देती है, बल्कि भाईचारे और संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करती है। स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों की भारी भीड़ इस आयोजन का गवाह बनी। सभी ने समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से हजारीबाग की सांस्कृतिक पहचान और मजबूत होती है। समापन समारोह में कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने समिति के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की। मौके पर रामनवमी संरक्षण समिति के अध्यक्ष प्रशांत प्रधान ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर आयोजित यह कुश्ती दंगल प्रतियोगिता न केवल खेल का माध्यम बनी, बल्कि सामाजिक एकता और पारंपरिक विरासत के संरक्षण का संदेश भी देती नजर आई।

संक्षिप्त खबरें

रामनवमी के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान बाधित मार्गों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था लागू

बरही : रामनवमी के अवसर पर निकलने वाले भव्य जुलूस और झांकियों के कारण बरही चौक और आसपास के क्षेत्रों में यातायात प्रभावित हो सकता है। इसे देखते हुए प्रशासन ने विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार करते हुए कई प्रमुख मार्गों पर रूट डायवर्जन की व्यवस्था लागू कर दी है। यह योजना मुख्य रूप से धनबाद रोड, धमना मोड़ और बरही ओवरब्रिज क्षेत्र के लिए बनाई गई है। प्रशासन ने आम जनता और यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पूर्व ट्रैफिक पुलिस से जानकारी प्राप्त करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। बरही में आवागमन के लिए प्रमुख रूट डायवर्जन की विलोतिया मोड़ (धनबाद रोड) बाधित होने पर धनबाद/कोलकाता से कोडरमा/पटना जाने वाले वाहन : बरही बायपास से होकर वाहन बरही ओवरब्रिज के पास एनएच-20 (पूर्व एनएच-33) की बाएं लेन में उतरेंगे, फिर पेट्रोल पंप कट से दाईं लेन में जाकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ेंगे। धनबाद/कोलकाता से हजारीबाग/रांची की ओर जाने वाले वाहन : ये वाहन भी बायपास से होकर ओवरब्रिज की बाई लेन से गुजरते हुए बरही चौक पार करेंगे और आगे अपने गंतव्य की ओर बढ़ेंगे।

2. धनबाद रोड के जाम की स्थिति में : कोडरमा/पटना से धनबाद/कोलकाता की ओर जाने वाले वाहन : ये वाहन ओवरब्रिज होते हुए बरही बायपास के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। हजारीबाग/रांची से धनबाद/कोलकाता की ओर जाने वाले वाहन : ये वाहन तिलैया रोड से आगे जाकर कोबरा कट से मुड़ेंगे और ओवरब्रिज के जरिए बायपास से आगे बढ़ेंगे।

3. धमना मोड़ (रसोईया धमना बायपास) की ओर से : धनबाद/कोलकाता जाने वाले वाहन : ये वाहन सर्विस रोड का उपयोग कर बायपास के माध्यम से अपने गंतव्य की ओर बढ़ सकते हैं। प्रशासन ने अपील की है कि रामनवमी के दौरान किसी भी मार्ग में अवरोध की स्थिति में लोग ट्रैफिक पुलिस से अद्यतन जानकारी जरूर लें। प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपनी सुविधा के अनुसार वैकल्पिक मार्गों का चयन करें, जिससे किसी को कोई असुविधा न हो। मार्गदर्शक नक्शा भी जारी किया प्रशासन ने इस ट्रैफिक प्लान के साथ एक मार्गदर्शक नक्शा भी जारी किया है, जिससे आम लोगों को वैकल्पिक मार्गों को समझने में आसानी होगी। यह विशेष यातायात योजना रामनवमी के अवसर पर संभावित भीड़ और धार्मिक आयोजनों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है।

रामनवमी पर विशेष : मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों की आज के युग में प्रासंगिकता

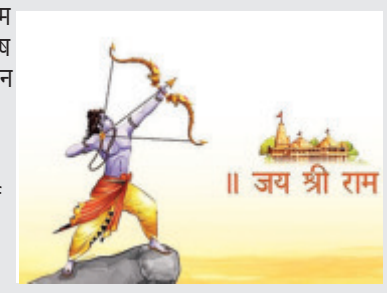

बरही : भगवान श्रीराम न केवल एक महापुरुष थे, बल्कि आदर्श जीवन और उत्तम चरित्र के प्रतीक भी हैं। रामनवमी के पावन अवसर पर जब संपूर्ण राष्ट्र प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव को श्रद्धा और उल्लास के साथ मना रहा है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम उनके जीवन के मूल संदेशों को गहराई से आत्मसात करें और समझें कि कैसे उनके आदर्श आज के समाज में भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने त्रेता युग में थे। श्रीराम का संपूर्ण जीवन तप, त्याग, कर्तव्य, सेवा और सत्य के प्रति निष्ठा का परिचायक रहा है। जब वे वनवास से लौटे, तो केवल अयोध्या के राजा बनकर नहीं लौटे, बल्कि मयार्दा पुरुषोत्तम की उपाधि लेकर लौटे। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर मयार्दाओं का पालन कर यह दिखाया कि सत्ता, शक्ति और सम्मान प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है आत्मसंयम, न्यायप्रियता और सबके प्रति समभाव।आज जब समाज अनेक विकृतियों और मूल्यों के ह्रास से जूझ रहा है, तब श्रीराम के आदर्शों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। समाज के हर वर्ग, चाहे वह शासक हो या शासित, युवा हो या वृद्ध, महिला हो या पुरुष, सभी को श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। वे केवल एक योद्धा नहीं थे, बल्कि एक संवेदनशील पुत्र, आदर्श पति, न्यायप्रिय राजा और लोकहितकारी व्यक्तित्व थे। उन्होंने माता-पिता की आज्ञा को सर्वोपरि माना, भ्रातृप्रेम को निभाया, प्रजा की भावनाओं का सम्मान किया और अपनी नीतियों में सदा न्याय को प्राथमिकता दी। रामराज्य की परिकल्पना केवल एक धार्मिक आदर्श नहीं, बल्कि एक सामाजिक और नैतिक व्यवस्था का दर्शन है, जहां सबको समान अवसर, सुरक्षा, सम्मान और न्याय मिलता है। आज के दौर में जब समाज वर्ग, जाति, धर्म, और भाषा के नाम पर बंटता जा रहा है, तब श्रीराम की नीति सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय को अपनाने की आवश्यकता है। रामनवमी हमें स्मरण कराती है कि त्याग, तपस्या और मयार्दा के मार्ग पर चलकर ही सच्चे सुख और शांति की प्राप्ति संभव है। हमें न केवल श्रीराम की पूजा करनी चाहिए, बल्कि उनके विचारों और आचरण को अपने जीवन में भी उतारना चाहिए।अंत में यही कहा जा सकता है कि श्रीराम केवल एक देवता नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शन देने वाले प्रेरणास्त्रोत हैं। रामनवमी पर हम सभी को यह संकल्प लेने कि जरूरत है कि हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें और एक समरस, शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना में अपना योगदान दें।

नवरात्र में रंगे सांसद, पूजा के बाद नौ कन्याओं का पखारा पांव, लिया आशीर्वाद

हजारीबाग : आदिशक्ति मां दुर्गा के उपासना में चैत्र नवरात्र के महानवमी के अवसर पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल नवरात्र के रंग में पूरी तरह रंगे दिखे। उन्होंने रविवार को नवरात्र के महानवमी के अवसर पर अपने विशेश्वर दयाल पथ अवस्थित आवासीय परिसर में पिछले नौ दिनों से कलश स्थापना कर हो रहें पूजा- अर्चना के समापन में संपूर्ण परिवार पूजन- हवन में शामिल हुए। हजारीबाग शहर के हुडहुडू निवासी पंडित अरविंद पांडेय ने सांसद मनीष जायसवाल के आवास पर नवरात्र का संपूर्ण पाठ संपन्न कराया। चैत्र नवरात्र के महानवमी की पूजन हवन के पश्चात सांसद मनीष जायसवाल ने अपने संपूर्ण परिवार के साथ मिलकर नौ कन्या का पांव पाखरा, तिलक- चंदन लगाया, सामूहिक भोज कराया और उनका पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त किया और देश के विकास की कामना की। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल के पिता ब्रजकिशोर जायसवाल, माता विद्या जायसवाल, उनकी धर्मपत्नी निशा जायसवाल, पुत्र करण जायसवाल, पुत्रवधू अवंतिका जायसवाल, पुत्री रिया जायसवाल सहित उनके समर्थक अशोक जायसवाल, संजय यादव, कुश पाण्डेय, अभय कुमार, सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

एक नजर

बीजेपी के स्थापना दिवस पर बाबूलाल मरांडी ने कार्यकर्ताओं को दी शुभकामनाएं

रांची : भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने पार्टी कार्यकताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने ट्वीट कर पार्टी की वैचारिक नींव और अब तक की उपलब्धियों को याद किया। मरांडी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी सहित उन सभी महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राष्ट्रभक्ति की भावना से भाजपा की आधारशिला रखी और करोड़ों कार्यकताओं को एकजुट कर एक सशक्त संगठन खड़ा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाते हुए गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, और उन्हें जमीन तक पहुंचाया। मरांडी ने राम मंदिर आंदोलन, अनुच्छेद 370 की समाप्ति और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण जैसे मुद्दों पर पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने संदेश में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रहा है।

महात्मा गांधी की सौन्दयीर्कृत प्रतिमा का हुआ अनावरण

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं मेन रोड व्यवसायी संघ की देखरेख में काली मंदिर चौक, मेन रोड स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सौन्दयीर्कृत प्रतिमा का अनावरण रविवार को किया गया। सौन्दयीर्कृत प्रतिमा का अनावरण चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने करते हुए सभी व्यापारी समाज को रामनवमी की बधाई दी। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर चेम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने स्वच्छता ही सेवा की बात कहते हुए बापू के बताये गए मार्ग पर चलने के लिए सदस्यों को प्रेरित किया। बापू की इस प्रतिमा को सौन्दयीर्कृत कराने में सहयोग के लिए उन्होंने कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, अरुण भरतिया, अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल और मेन रोड व्यवसायी संघ के पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर चैम्बर उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा, मुकेश अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, संजय अखौरी, रोहित पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा, सदस्य किशन अग्रवाल, आनंद जालान, अरुण भरतिया, विकास झाझरिया, मेन रोड व्यवसायी संघ के बिनोद टेकरीवाल, प्रेम मित्तल सहित संघ के कई सदस्य शामिल थे। सभी ने झारखण्ड चेम्बर और मेन रोड व्यवसायी संघ के इस संयुक्त प्रयास की प्रशंसा की।

झारखंड में जुलूस और समारोह में डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध : हाईकोर्ट

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा 16 जुलाई 2024 को पारित आदेश के आलोक में राज्य सरकार को निर्देशित किया गया है कि अब पूरे राज्य में डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा। इस संबंध में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची के विधि व्यवस्था शाखा की ओर से 5 अप्रैल 2025 को आम सूचना जारी की गई है। आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी भी प्रकार के जुलूस या समारोह में डीजे बजाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश का उल्लंघन करने पर यह अदालत की अवमानना माना जाएगा। यह निर्देश झारखंड उच्च न्यायालय में चल रहे एक जनहित याचिका की सुनवाई के बाद दिया गया है।

रांची में जय श्री राम की गूंज से पूरा शहर हुआ राममय, अखाड़ों से निकली भव्य शोभा यात्रा

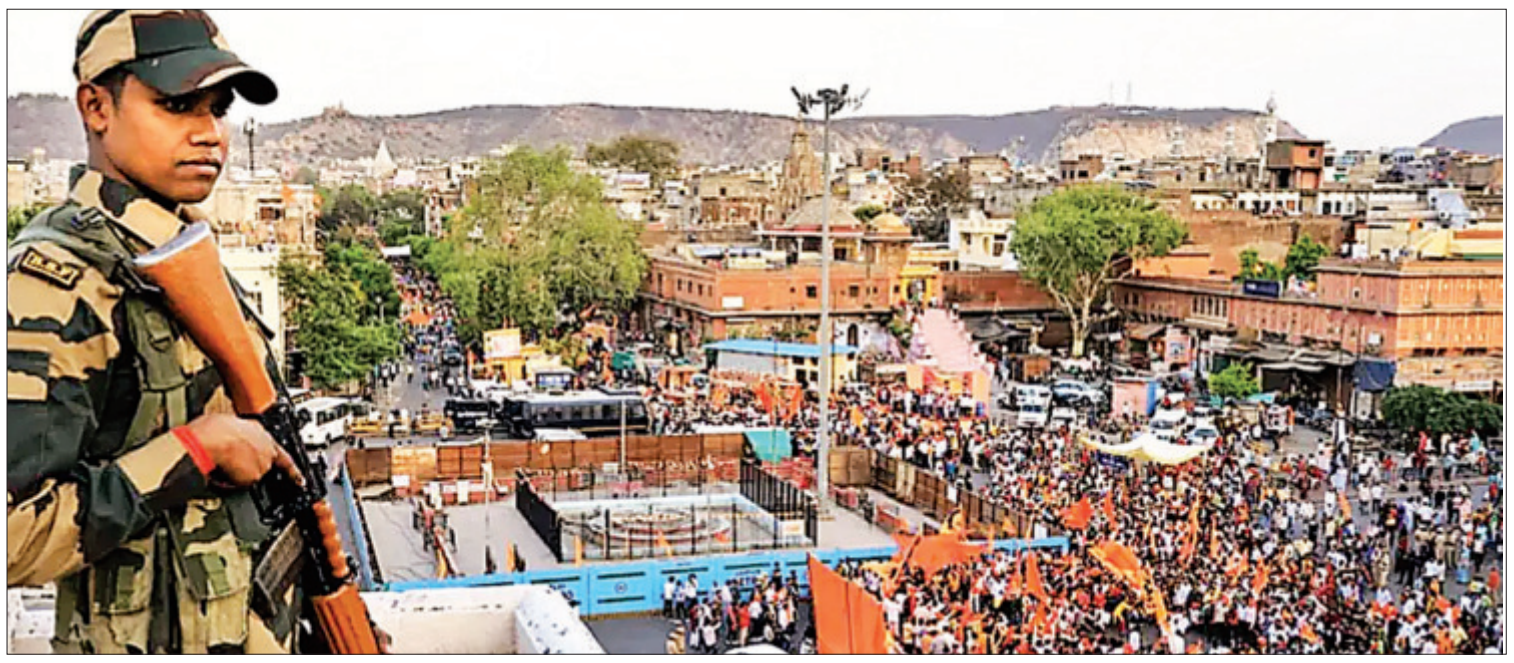

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची रामनवमी के अवसर पर पूरी तरह राममय हो गई है। जय श्रीराम के नारों से शहर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। महावीर मंडल के नेतृत्व में सैकड़ों रामभक्तों ने भव्य शोभायात्रा में भाग लिया। रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर हर शोभायात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इस दौरान राम जी की निकली सवारी, देश का बच्चा-बच्चा जय श्रीराम बोलेगा जैसे जयघोषों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। राजधानी के अलग-अलग इलाकों से होते हुए जुलूस निकल रहा है, जहां शोभायात्रा में शामिल राम भक्त अपने तलवार, गदा, फरसा, भाला से हैरतअंगेज करतबों से लोगों का मन मोह ले रहे हैं। शोभायात्रा में शामिल हर रामभक्त परंपरागत हथियारों से लैस हैं। राजधानी के सभी अखाड़े से निकली शोभायात्रा अल्बर्ट एक्का चौक हो कर तपोवन मंदिर जाकर लौटती है। लाल, पीला, नीला, हरा समेत रंग बिरंगे झंडे से पूरी राजधानी पट सी गयी है। तपोवन मंदिर में पहुंचकर महाबीर मंडल के सदस्य झंडे को पूजा कराकर वापस लौट रहे है। मेन रोड समेत हर प्रमुख सड़कों पर मेला सा दृश्य है। कई जगह तो बकायदा मेले जैसी दुकानें सजायी गयी हैं, जहां सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से पहुंचे श्रद्धालु मेले का मजा ले रहे हैं। आयोजक महाबीर मंडलों के पदधारियों का माला पहना कर स्वागत करने में जुटे हैं। सबसे उच्चे झंडे वाले महाबीर मंडल को भी सम्मानित किया जाएगा। दर्शक कतारबद्ध होकर झंडे को निहार रहे थे। प्रमुख सड़कों के किनारे सामाजिक संस्थाओं द्वारा पेयजल, चना, गुड़, शरबत देकर शोभा यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया जा रहा है। अंजुमन प्लाजा, डेली मार्केट के मुस्लिम समुदाय महाबीर मंडलों का स्वागत कर रहे हैं और श्रद्धालुओं के बीच शर्बत, चना बांट खुशियां बांट रहे हैं।

सुरक्षा के थे पुख्ता इंतजाम

रामनवमी को लेकर राजधानी रांची में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा को लेकर 12 डीएसपी के अलावा 40 इंस्पेक्टर, 300 दारोगा और 3500 जवानों को तैनात किया गया था।

शहर के 20 थाना क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की जा रही थी।

सुरक्षा की दृष्टि से 40 जगहों पर क्यूआरटी को तैनात किया गया था। क्यूआरटी के अलावा सीआरपीएफ की भी दो कंपनी को तैनात किया गया था। शहर में 400 से ज्यादा जगहों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जा रही थी। डीसी मंजूनाथ भजंत्री, डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता, डीएसपी प्रकाश सोय सहित अन्य डीएसपी और थाना प्रभारी लगातार निगरानी रख रहे है। एसएसपी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। साथ ही तैनात अधिकारियों को निर्देश भी दे रहे हैं।

रामनवमी पर महिलाओं को सरकार का तोहफा तीन महीने की राशि एक साथ पहुंची खाते में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की हेमन्त सरकार ने मंईया सम्मान योजना के तहत रांची जिले की लाभुक महिलाओं को रामनवमी से पहले एक बड़ी राहत दी है। इस बार सरकार ने 1,23,111 लाभुकों के खातों में जनवरी, फरवरी और मार्च माह की कुल 7500 रुपये की राशि ट्रांसफर की है। ये लाभुक वे थे, जिनके बैंक अकाउंट आधार से लिंक नहीं होने के कारण होली के पहले उन्हें किस्त नहीं मिल पाई थी। होली के पहले 3,08,282 लाभुकों के खातों में राशि ट्रांसफर की गई थी, लेकिन इन लाभुकों के खाते आधार से लिंक न होने के कारण उन्हें लाभ नहीं मिल सका था। रांची जिले की कुल 4,31,393 महिलाएं और किशोरियां अब राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी झारखंड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं, इस बात की जानकारी रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने दी। अब अप्रैल से आधार लिंक खाता अनिवार्य रांची जिले के सभी लाभुकों को सरकार ने निर्देश दिया है कि वे अपना बैंक खाता आधार से लिंक करवा लें। इसके बाद अप्रैल से योजना के तहत 2,500 रुपये प्रति माह की किस्त उनके खातों में भेजी जाएगी। इसके साथ ही जिले के सभी बीडीओ और सीओ को सत्यापन फॉर्म उपलब्ध कराने और नियमानुसार सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी क्षेत्र में अंचल अधिकारियों को सीडीपीओ और समाज कल्याण शाखा के साथ समन्वय स्थापित कर सत्यापन प्रक्रिया को पूरा करने को कहा गया है। साइबर अपराधियों से सतर्क रहने की सलाह सरकार ने सभी लाभुकों को साइबर अपराधियों से सतर्क रहने की भी सलाह दी है। उन्हें बताया गया है कि वे अपने बैंक डिटेल्स और अन्य जरूरी दस्तावेजों को साझा करते समय पूरी सावधानी बरतें।गौरतलब है कि 3 अप्रैल से तीन माह की किस्त जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। होली के पहले एक साथ तीन माह की किस्त जारी होने का असर सरहुल शोभा यात्रा के दौरान देखने को मिला, जब महिलाएं खूब खरीददारी कर रही थीं।

रामनवमी जुलूस की अनुमित नहीं मिलने पर चम्पाई सोरेन ने सरकार पर साधा निशाना

रांची : रामनवमी आयोजन समिति, पाकुड़ को प्रशासन ने जुलूस निकालने की अनुमति नहीं दी। यह आयोजन 6 अप्रैल को पाकुड़ के ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न गांवों की भागीदारी के साथ प्रस्तावित था। अनुमित नहीं मिलने पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। सोरेन ने एक ट्वीट कर कहा, अगर सरकार को लगता है कि वे रामनवमी शोभायात्रा को सुरक्षा तक नहीं दे सकते, तो फिर क्या कहें? मैंने पहले भी कहा था कि पाकुड़ में आदिवासी/हिन्दू समाज अल्पसंख्यक हो चुका है, जबकि एक समुदाय विशेष की आबादी दो-तिहाई के करीब है। तो क्या सरकार यह बताना चाहती है कि जहां कहीं भी हिन्दू अल्पसंख्यक होंगे।

हिंदू विरोधी तत्वों के दबाव में है राज्य सरकार : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पाकुड़ जिला प्रशासन ने रामनवमी आयोजन समिति, पाकुड़ को रामनवमी जुलूस निकालने की अनुमति नहीं दी। यह आयोजन 6 अप्रैल को पाकुड़ के ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न गांवों की भागीदारी के साथ प्रस्तावित था। अनुमित नहीं दिये जाने पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकारी नीयत पर सवाल उठाये हैं। मरांडी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है, पाकुड़ जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को रामनवमी का जुलूस निकालने से रोकने के लिए आधी रात को जारी किया गया आदेश हिंदू आस्था पर सीधा प्रहार है। पाकुड़ में जब ताजिये निकल सकते हैं, तो फिर रामनवमी का जुलूस क्यों नहीं? सरकार ने आज रामनवमी पर रोक लगाई है, कल दीपावली और दुर्गा पूजा पर भी इसी तरह तुगलकी फरमान जारी होंगे। मरांडी ने आगे कहा, हिंदू विरोधी तत्वों के दबाव में प्रशासनिक व्यवस्था का झुक जाना, लोकतंत्र के लिए खतरा है। झारखंड में ये कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि एक चलन बनता जा रहा है, जहां हिंदू पर्वों को कानून-व्यवस्था के नाम पर बाधित किया जा रहा है, जबकि विशेष समुदाय को हर सुविधा दी जाती है। ऐसा लगता है कि हेमंत सरकार ने कट्टरपंथियों के दबाव में पाकुड़ को अघोषित रूप से ग्रेटर बांग्लादेश बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि रामनवमी पर्व 2025 के अवसर पर आयोजित होने वाली शोभा यात्रा को लेकर रामनवमी आयोजन समिति, जिला-पाकुड़ द्वारा दिए गए आवेदन पर प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह आयोजन 6 अप्रैल को पाकुड़ के ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न गांवों की भागीदारी के साथ प्रस्तावित था। बताया गया है कि रामनवमी आयोजन समिति के प्रसन्ना मिश्रा द्वारा 4 अप्रैल को दिए गए आवेदन में कोलाजोड़ा, समसेरा, शहरकोल, गोकुलपुर, नगरनवी, झिकरहार्टी, पिरलीपुर, बहिरग्राम और चेंगाडांगा समेत अन्य गांवों के लोगों की उपस्थिति में पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र, धार्मिक ध्वज एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के साथ शोभा यात्रा निकालने की जानकारी दी गई थी। साथ ही कार्यक्रम में सहयोग एवं सुरक्षा व्यवस्था की मांग भी की गई थी। प्रशासन की ओर से आवेदन पर थाना प्रभारी, पाकुड़ नगर से जांच प्रतिवेदन मांगा गया था, जो निर्धारित समय पर प्राप्त नहीं हो सका। इसके अलावा आवेदन में जुलूस में भाग लेने वालों की वास्तविक संख्या का उल्लेख नहीं था और न ही शोभा यात्रा के लिए आवश्यक लाइसेंस से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। इन सभी कारणों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने विधि-व्यवस्था के मदेनजर शोभा यात्रा की अनुमति नहीं दी।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने रामनवमी की सभी को दी बधाई

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी को रामनवमी की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रामनवमी के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का आदर्श जीवन हमें धर्म, सत्य, करुणा और मयार्दा के पथ पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रभु श्रीराम की कृपा से हमारा समाज सद्भाव, शांति और समृद्धि की ओर अग्रसर हो, यही कामना है। रामनवमी की सभी को बधाई और शुभकामनाएं। वहीं, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रामनवमी के पावन पर्व की सभी को हार्दिक बधाई औए शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम का विशाल जीवन हमें प्रेम, मयार्दा, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, उदारता और त्याग का अप्रितम संदेश देता है। प्रभु श्री राम के महान आदर्श युगों-युगों तक मानवजाति को प्रेरणा की अविरल धारा से सिंचित करते रहेंगे। आज का यह शुभ अवसर सभी के जीवन में खुशियां लाए, आप सभी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहें, यही कामना करता हूं। जय सिया राम। जय जय सिया राम। जोहार।

सीएम हेमन्त सोरेन ने जगरनाथ महतो को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज झारखंड आंदोलन के प्रखर सेनानी और लोकप्रिय नेता स्व. टाइगर जगरनाथ महतो की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक ट्वीट कर दादा जगरनाथ महतो को नमन करते हुए लिखा, झारखण्ड के जन-जन तथा झारखण्डी अस्मिता के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले महान आंदोलनकारी दादा स्व. टाइगर जगरनाथ महतो जी की पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। स्व. टाइगर जगरनाथ महतो अमर रहें! सीएम सोरेन के इस संदेश ने एक बार फिर उस जुझारू नेता की याद दिला दी, जिन्होंने झारखंड की अस्मिता, भाषा, संस्कृति और अधिकारों की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जगरनाथ महतो को "टाइगर" के नाम से जाना जाता था। अपने तीखे तेवर, जनसरोकारों के प्रति समर्पण और जमीन से जुड़े राजनीति के लिए वे हमेशा जनता के प्रिय नेता बने रहे। बतौर शिक्षा मंत्री भी उन्होंने राज्य में कई जनकल्याणकारी नीतियां लागू कीं। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, स्कूलों का सशक्तिकरण और छात्रवृत्तियों के दायरे को बढ़ाने में उनकी भूमिका अहम रही। जनता के दिलों में आज भी जिंदा हैं 'टाइगर दादा' उनकी निधन से राज्य को अपूरणीय क्षति हुई थी, लेकिन आज भी वे झारखंड के कोने-कोने में प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। सीएम सोरेन सहित पूरे राज्य ने इस मौके पर उन्हें याद किया और उनके योगदान को नमन किया। झारखंड की राजनीतिक और सामाजिक चेतना में टाइगर जगरनाथ महतो की अमिट छाप बनी रहेगी।

झारखंड में मौसम साफ होते ही बढ़ा तापमान, सात से फिर बदलेगा मौसम

रांची : झारखंड में मौसम साफ होते ही तापमान में फिर से बढोत्तरी दर्ज की गई। रांची में 24 घंटे के भीतर ही तापमान में तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं पलामू, बोकारो और जमशेदपुर में तापमान बढ़कर 40 डिग्री तक पहुंच गया। राज्य में सोमवार से मौसम एक फिर करवट लेगा और पश्चिमी विछोभ और निम्न दबाव के कारण सभी जिलों में तेज हवा और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट में सात अप्रैल को उत्तर-पूर्वी भागों में कही-कहीं गर्जन और 30 से 40 किमी की गति से हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी है। आठ अप्रैल को विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं - कहीं पर गर्जन और 40 से 50 किमी की गति से हवा चलने और वज्रपात होने होने की आशंका व्यक्त की है। इसके अलावा मध्यवर्ती और इससे लगे उत्तर-पूर्वी हिस्सों में भी कहीं कहीं पर गर्जन और 30 से 40 किमी की हवा चलने और वज्रपात की आशंका है। नौ अप्रैल को भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अनुसार दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी- मध्य भाग के कुछ जिलों में गर्जन और 40 से 50 किमी की गति से हवा चलने की आशंका व्यक्त की गई है। वहीं दक्षिणी-पश्चिमी, मध्य तथा उत्तर-पूर्वी जिलों में कहीं कहीं गर्जन और 30 से 40 किमी की गति से हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

सभी धर्म व समुदाय का एकता-भाईचारा ही हमारे देश की खूबसूरती : गुलाम मुस्तफा

रांची : हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी ने मुख्य कार्यालय करबला टैंक रोड रांची में स्वागत शिविर लगाकर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने राम भक्तों को माला पहना कर पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा के सभी धर्म समुदाय का एकता भाईचारा ही हमारे देश की सबसे बड़ी खूबसूरती है और यह मोहब्बत प्यार अमन शांति हम लोगों का हमेशा कायम रहना चाहिए। नीचे बाजार गुदरी महावीर मंडल के अध्यक्ष श्री दयानंद प्रसाद जी और आदर्श मंडल के अध्यक्ष राजेश राम जी और शोभा समिति ने भारतीय एकता कमेटी के सामाजिक कार्य की बहुत सराहना की। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा और सचिव रामेश्वर राम को चुनरी ओढाकर और माला पहना कर सम्मानित भी किया स्वागत शिविर में चना, शरबत, तरबूज, माला, चुनरी और गुलाब की पंखुड़ियां से भी स्वागत किया गया। इस शुभ अवसर पर दयानंद प्रसाद गुप्ता नंदू भाई ,जे पी गुप्ता, गोपाल प्रसाद, बंटी कुमार, राजेश राम, अमित अग्रवाल, मोहम्मद एनाम उर्फ गुड्डू, बुलंद अख्तर, मोहम्मद सितारे, मोहम्मद अशरफ, मोहम्मद यूनुस, राजकुमार राम, मनोज राम, किशोर राम, राजू राम और कई लोग उपस्थित थे।

रामनवमी की शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी जुलूस

- जिला प्रशासन ने किए थे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम
- ड्रोन कैमरे से रखी जा रही थी नजर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रामनवमी पर्व को लेकर जिले भर में इस बार हर्षो उल्लास के साथ बहुत ही धूमधाम से मनाया गया और अनेकों स्थानों में रामनवमी की शोभायात्रा भगवान राम के गीतों की धुन पर निकाली गई शहर के सभी हनुमान मंदिर परिसर में वहां के अखाड़ों द्वारा भव्य जुलूस निकाला गया। मयार्दा पुरुषोत्तम राम जी का आज जन्म दिवस है इसको लेकर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के त्योहार पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है यह प्राचीन संस्कृति का अभिन एन प्रतिबिंब है एवं अभिन्न प्रदर्शन है और अभिन्न जीवन पद्धति है और जिस तरीके से आज चैती नवरात्रा भी लोग मना रहे हैं मां भगवती की पूजा भी कर रहे हैं और हनुमान भक्त की तरह रामनवमी भी मना रहे हैं। विभिन्न अखाड़े के झंडे चौक चौराहे से निकलना शुरू हो गया सभी झंडा एवं अखाड़ा धारी व शोभायात्रा में हजारों लोग सम्मिलित होते चले गए देखते ही देखते हजारों की संख्या में सड़कों पर राम भक्तों का जन्म सैलाब उमर पाड़ा जुलूस में सभी राम भक्त पारंपरिक हथियारों से लैस होकर राम धुन पर नाश्ते गाते हुए अपने बोकारो सेक्टर 1 स्थित राम मंदिर की ओर बढ़ते जा रहे थे इसमें सैकड़ो की संख्या में महिला भी अस्त्र-शस्त्र लेकर चल रही थी। चास बोकारो के विभिन्न स्थानों से रेलवे स्टेशन से होते हुए शिवंडी ऋतुडी नया मोड़ सेक्टर 12 हटिया मोड से होते हुए हवाई अड्डा मार्ग सेक्टर 9 के विभिन्न अखाड़ों से होते हुए सेक्टर 4 से होते हुए सभी जुलुस राम मंदिर पहुंचकर मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम को प्रणाम कर विभिन्न आकारों के दलों ने अपना अपना कर्तव्य दिखाए। बड़े छोटे सभी ने एक से बढ़कर एक कर्तव्य दिखा रहे साथ ही हजारों महिलाएं भी शोभायात्रा का अभूतपुर बनी हुई थी

धनबाद कोयलांचल में धूमधाम से रामनवमी मनाया गया

धनबाद : बाघमारा अनुमंडल के कतरास कोयलांचल के सभी क्षेत्रों में रामनवमी धूमधाम व शांति पूर्ण तरीके से मनाया गया। जगह जगह जुलुश में शामिल लोगों को स्वयं सेवी संस्थाओं व क्लब द्वारा शर्बत पिलाने व सम्मानित किया गया।,तेतुलमारी के चंदौर पहाड़ी अखाड़ा समिति द्वारा विशाल जुलूस सह शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में महिला पुरुष, बच्चे, व प्रभु श्रीराम को नाव से पार कराते ,शिव पार्वती, हनुमान, बंदर भालू सहित अन्य शोभा यात्रा जुलूस का आकर्षण का केंद्र रहा,शोभा यात्रा में वेस्ट चंदौर पहाड़ी तेतुलमारी के सभी प्रबुद्ध व युवा को सक्रिय देखे गये। अखाड़ा दल द्वारा खेल का प्रदर्शन किया गया,इस दौरान जय श्रीराम,जय बजरंगबली, जय हनुमान के नारों से क्षेत्र गुंजामय हो उठा। चंदौर पहाड़ी से भूली रोड तेतुलमारी होते हुये सुभाष चौक, तेतुलमारी थाना होते हुये पाण्डेयडीह तक गयी। भूली रोड तेतुलमारी व तेतुलमारी थाना के शर्बत पिलाया गया।तेतुलमारी नीचीतपुर टाऊनसीप में पूरे कालोनी में भव्य जुलुश निकली गई।क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिये चप्पे चप्पे पर जिला प्रशासन तैनात थे।

रामनवमी को लेकर निकाली गयी शोभायात्रा

सतगावां : प्रखंड में रविवार को विश्वहिंद परिषद व बजरंग दल के द्वारा भव्य राम नवमी शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा की शुरूआत बासोडीह के हटिया मैदान में सभी बजरंगियों का एकत्रीकरण किया गया।शोभायात्रा के मुख्य अतिथि जिप सदस्य नीतू कुमारी, प्रमुख ललिता देवी व उप प्रमुख मनोज कुमार निराला,मुखिया अनीता देवी मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस सभी उपस्थित अथितियों का भगवा पट्टा व पगड़ी पहना कर सम्मानित किया। सोभायात्रा हटिया मैदान से निकल कर विभिन्न इलाकों से गुजरी. जगह-जगह लोगों ने इसका स्वागत किया। शोभा यात्रा हटिया मैदान से निकलकर बासोडीह बाजार होते हुए रामडीह तक गयी। जहां से पुनः वापस लौट कर बासोडीह बाजार होकर बरियारडीह ,पचमौह, कलीडीह,आदि का भ्रमण कर हलकुशा स्थित दुर्गा मंदिर में स्थापित मां दुर्गा प्रतिमा स्थल पहुँची। सबसे खास बात यह रही की शोभायात्रा जिस किसी मार्ग से गुजरी वहां का वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से काफी पुलिस फोर्स तैनात किये गये थे।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को चाइल्ड हेल्पलाइन को सौंपा

बोकारो : आरपीएफ द्वारा नियमित चेकिंग के बोकारो स्टेशन में महिला प्रतीक्षालय में एक नाबालिक लड़की को अकेले बैठा पाया। जब उसे नाबालिक से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम उम्र 17 वर्ष और बिहार के समस्तीपुर जिला थाना दलसिंहसराय की रहने वाली है उसने बताया कि उसके पास यात्रा करने का कोई प्राधिकरण टिकट भी नहीं है वह अपने घर में बिना किसी को बताएं घर से भाग गई है मौके पर मौजूद प्रधान आरक्षक अवधेश कुमार, महिला आरक्षक रूनू मंडल ने उसे अपने कस्टडी में लेकर सभी कानूनी औपचारिकताओं का अवलोकन कर उक्त नाबालिग लड़की को सुरक्षित आगे कि कानूनी कार्रवाई हेतु रेलवे चाइल्डलाइन बोकारो को सौंपा गया है।

बालीडीह थाना में अवैध गाय तस्करी का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

बोकारो : बीती रात करीब 9 बजे सूचना प्राप्त हुई की बालीडीह थाना अंतर्गत आरपीएफ बैरक के पास एक पिकअप वाहन मे अवैध रूप से गाय लोड कर वधशाला लेर्जा रहा है। सूचना पर त्वरित करवाई करते हुए आरपीएफ बैरक के पास से एक पिकअप वाहन सन्खया बी आर 3 जी बी 9275 और उस पर लदा 7 गाय और एक बछड़ा को बरामद किया गया। वाहन र्सवार चालक औ एव अन्य वयक्ति पुलीस को देखकर भागने का प्रयास किये जिनमे से एक व्यक्ति को खदेर कर पकड़ा गया। जिसने अपना नाम मो० तौफीक, पिता मो० वाहिद कुरैशी, पता भोजपुर, तहसना भोजपुर ओपी, जिला बक्सर, बिहार को गिरफ्तार गया जिसके द्वारा अपने बयान मे बताया की वे बिहार से गाय लेकर बंगाल वधशाला मे बेचने के लिए ले जाते है। बरामद गाय को स्थानीय व्यक्ति को जिम्मे पर तत्काल देख रेख करने हेतु दिया गया है। शेष अभियुक्तों की गृफ्तारी का प्रयास किया रहा है।

प्रखंड के विभिन्न इलाकों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रामनवमी

जयनगर : रामनवमी त्योहार प्रखंड के विभिन्न इलाकों में हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। रामनवमी पर्व को लेकर लोग सुबह से ही पूजा की तैयारी में दिखाई दिए। वहीं दूसरी ओर पूजा प्रबंध समिति जयनगर के नेतृत्व में श्री रामनवमी शोभा यात्रा अखाड़ा जुलूस निकल गई। रामनवमी अखाड़ा जुलूस दुर्गा मंदिर परिसर में विभिन्न गांव के 18 अखाड़े सहित महावीर झंडा का मिलन हुआ इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्री राम हर हर महादेव गगनभेदी नारों के साथ पूरा जयनगर भक्ति में वातावरण बन गया था। अखाड़े जुलूस में श्रद्धालु ऑन ने लाठी सहित अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन जमकर कर रहे थे इस दौरान सुरक्षा के लेकर जिला प्रशासन से लेकर जयनगर पुलिस प्रसारण में पूरी तरह से मुस्तैद देखें। अखाड़ा जुलूस दुर्गा मंदिर से निकलकर जयनगर -डोमचांच रोड से मस्जिद मोहल्ला होते हुए देवी मंडल आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर थाना परिसर में संपन्न हुआ। अखाड़ा जुलूस में स्थानीय जयनगर के अलावा कटहाडीह, गोदखर, सांथ ,इरगोबाद, ककरचोली, नवादा, लोहाडंडा, कंझीयाडीह, पेठियाबागी सहित अखाड़ा जुलूस एक साथ दुर्गा मंदिर से निकलकर पूरे जयनगर को भ्रमण किया गया। अखाड़ा जुलूस में शिव पार्वती बजरंगबली एवं देवी देवताओं के अलग-अलग झांकी निकल गई । मौके पर अखाड़ा समिति अध्यक्ष ने कहा कि भगवान श्री राम और भक्त हनुमान के अटूट भक्ति का पर्व रामनवमी में सभी लोग अपने जीवन को प्रेरित करें। रामनवमी असत्य पर सत्य की जीत का पर्व है। उन्होंने कहा कि सभी लोग भगवान राम के जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। अखाड़ा जुलूस के मार्ग में जगह-जगह पुलिस बल के साथ दंडाधिकारी की तनाती किया गया था।

बिहिप ने मनाया रामोत्सव

झुमरीतिलैया : विश्व हिंदू परिषद के झुमरी तिलैया नगर इकाई द्वारा कलाली रोड स्थित छोटी हनुमान जी के मन्दिर मे रामोत्सव मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अरबिंद एकघरा ने किया, जबकि संचालन नगर सह मंत्री लाल बहादुर चौधरी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांत समाजिक समरसता सह प्रमुख मनोज चंद्रवंशी ने रामोत्सव , हिंदू नववर्ष और नवरात्रा पर बधाईयां देते हुए सभी उपस्थित कार्यकर्ताओ को कहा कि हम सभी सनातनी को मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र जी भगवान को अपने अराध्य देव मानकर उनके आदर्शो को अपनाते हुए हम सभी को एक साथ चलना होगा ।कार्यक्रम मे विभाग गौ रक्षा प्रमुख अजय कुमार वर्मा,जिला कार्यध्यक्ष ओम प्रकाश राय, नगर मातृशक्ति नगर संजोजिका प्रभा देवी, नगर विशेष संपर्क प्रमुख मनोज राणा, सुनैना देवी, अनिता देवी, पुनम सिंह, बबिता देवी, सरीता देवी, सुमन देवी, मीना देवी, केशरी देवी, सावित्री देवी, उर्मिला देवी, पूजा गुप्ता, बेबी देवी, सुधा देवी, कविता कुमारी, मोनी कुमारी, कुसुम देवी, गीता देवी, बेबी देवी, मुन्नी देवी, निर्मला कुमारी, रुकमिनी देवी, फुलवा देवी आदि मौजूद थे।

एक नजर

तीन दिवसीय महावीर जी आश्रम सिंदूरपेटी में पूजनोत्सव शुरू

चास : प्रखंड के बिजुलिया के सिंदूरपेटी में श्रीश्री महावीर जी आश्रम, श्रीश्री लक्ष्मी नारायण जी एवं तारकेश्वर जी मंदिर में रामनवमी से तीन दिवसीय पूजनोत्सव विधिवत पुजा अर्चना के साथ रविवार को शुरू हो गया। पंडित बिजय, पं० शयाममल उपाध्याय, आदित्यनाथ झा, व गौरीशंकर तिवारी ने विधिवत पुजा अर्चना किया गया। 70 वर्ष पूर्व पूजन की शुरूआत स्व. साधक सविता रंजन पाठक ने की थी। पूजनोत्सव पर बिहार, बंगाल के अलावा अन्य जिलों से श्रद्धालु पहुंचे। श्रदालुओं ने मन्नत पूरी होने पर मंदिर में चढ़ावा चढ़ाया। पुजा, यज्ञ व होम तथा 12 बजे से ध्वाजारोहण , प्रसाद वितरण, ब्रह्मण वालक भोजन किया गया। तारक ब्रह्म नाम आरंभ एवं तारक ब्रह्म अखंड नाम शुरू - किया गया । सिंदुरपेटी आश्रम से बिजुलिया मोड तक ध्वाजारोहण व जुलुस शांति पुर्वक निकाला गया।7 अप्रैल को बाटबिनोर बोकारो से मनोरंजन दास बैष्णव द्वारा श्री श्री राधाकृष्ण लीला कीर्तन की प्रस्तुति किया जायेगा। पुजनोत्सव 8 अप्रैल को श्री राधाकृष्ण कुंजमिलन कीर्तन के साथ संपन्न होगी। आयोजन की सफलता को लेकर संस्थापक के वंशज स्व साधक सविता रंजन पाठक के वंशज सेवादार पूर्व मुखिया समरेन्द्र नाथ पाठक, सकलदेव पाठक, विश्वजीत व पाठक परिवार ग्रामीण जुटे हुए हैं।

दुर्गा मण्डप परिसर में बासंती दुर्गा पूजनोत्सव का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : सार्वजनिक बसंती दुर्गा पूजा समिति तिलैया बस्ती (राजागढ़) में नवरात्र के शुभ अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा मण्डप परिसर में बासंती दुर्गा पूजनोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित चार दिवसीय मेला का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद् अध्यक्ष रामधन यादव तथा विशिष्ठ अतिथि डॉ० कुलदीप यादव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। वही मुख्य अतिथि जिला परिषद् अध्यक्ष रामधन यादव ने कहा की जैसा कि आप सभी को ज्ञात होगा कि हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि

के दिन रामनवमी का त्योहार मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार इसी दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को रामजन्मोत्सव के रूप में मनाते हैं। वही उन्होंने चार दिवसीय मेले का समापन शांतिपूर्ण तरीके से करने की अपील किया। विशिष्ठ अतिथि डॉ० कुलदीप यादव ने कहा की वैसे तो पूरे भारत में भगवान राम का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया जाता है लेकिन खास तौर से श्रीराम की जन्मस्थली भूमि अयोध्या में बेहद हर्षोल्ललास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर तिलैया बस्ती में हमारे पूर्वजों द्वारा पूजा प्रारंभ किया गया था जिसे हम लोगों ने अभी तक बरकरार रखा है एवं आगे भी रखेंगे। इस अवसर पर गांव से लेकर शहर तक एक ही नारा एक ही नाम जय श्रीराम... का नारा गूंजता है। वहीं झंडा चैक पर दर्जनों अखाड़ा समितियों के द्वारा महावीरी पताकों और भव्य झांकी के साथ जुलूस निकाला जाता है एवं जुलूस में परंपरागत हथियारों, लाठी, तलवार, फरसा आदि का शौर्य प्रदर्शन किया गया जाता है।

एप्रिसिएबल ने सत्र का वार्षिक परीक्षा परिणाम किया घोषित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सी.बी.एस.ई.नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त एप्रिसिएबल पब्लिक स्कूल कटिया परसाबाद में शनिवार को सत्र 2024- 25 का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित हुआ । यह परिणाम कक्षा नर्सरी से कक्षा नवीं तक के विद्यार्थियों के लिए था । इस शुभ अवसर पर मुख्य रूप से विद्यालय निदेशक मुंशी यादव मौजूद थे ।मौके पर उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य सकारात्मक भाव से करनी चाहिए व सकारात्मक दिशा में तभी आप सकारात्मक परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं,अभिभावकों से उन्होंने आग्रह पूर्वक कहा कि आप सभी होमवर्क बनवाने में विद्यालय को पूरा-पूरा सहयोग करें, बच्चों के लिए अभिभावक ही सबसे बेहतरीन शिक्षक होते हैं,बच्चों को बेवजह होम ट्यूशन या यहाँ वहाँ दौड़वाकर उनका समय बर्बाद न करें,ट्यूशन के भरोसे वाले

बच्चे कक्षा में पूर्ण ध्यान नहीं देते हैं,क्योंकि उन्हें भरोसा हो जाता है कि वह ट्यूशन क्लास में समझ लेगा । आपको बताते चलूँ कि जिस विद्यालय में आपने अपने बच्चे का नामांकन करवाया है वह प्राइवेट विद्यालय है ,जहाँ बच्चों की पढ़ाई बहुत ही बेहतरीन तरीके से कराई जाती है तो फिर ट्यूशन क्लास क्यों ।ट्यूशन लेने वाले बच्चे -बच्चियाँ मानसिक रूप से बीमार हो जाते हैं ।वरिष्ठ शिक्षिका सुशीला एक्का ने बताया कि हमारा विद्यालय पूर्ण रूपेण अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय है जहां अनुभवी शिक्षकों के द्वारा बेहतरीन शिक्षा मुहैया कराई जाती है, बच्चों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भरने के लिए विद्यालय अपना सर्वस्व लगा रहा है, इसलिए वह स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर,टीवी, खिलौने,कीट्स आदि जैसे आनेकों उपकरणों को उपयोग में लाकर हम अपने विद्यालय को एक कुशल शिक्षालय बना रहे हैं ।उन्होंने यह भी बताया कि हमारे विद्यालय में मंगलवार से नियमित कक्षाएं नए सत्र के लिए संचालित हो रही हैं,इसलिए आप सभी अभिभावकों से विनम्र आग्रह होगा कि ससमय अपने बच्चों को नई कक्षा के लिए किताब प्रदान करें ताकि समय रहते पाठ्यक्रम को समाप्त कर उसे दुहराया जा सके। विद्यालय का परिणाम निम्न प्रकार रहा कक्षा नर्सरी से प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः परिधि कुमारी,रूही फातिमा व आशुतोष यादव रहे ।कक्षा एल.के.जी.से प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः सुप्रिया कुमारी ,आर्यन एक्का व आदर्श लिंडा रहे। यू.के. जी.से प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः अमन राणा,आरुषि गुप्ता व स्वाति कुमारी रहे ।कक्षा पहली में प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः शिवम टूटी अनिशा एक्का व संतोष हस्सा संयुक्त रूप से तथा तृतीय स्थान पर सिया कुमारी रहे ।कक्षा दूसरी में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः शिवानी कुमारी,जिशान आलम व गुलाब्सा प्रवीण तथा शिवम कुमार पासवान रहे। कक्षा तीसरी में प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः माही प्रसाद, सुहानी कुमारी रिषभ सिंह रहे। चौथी कक्षा में प्रथम,द्वितीय व तृतीय क्रमशः राजनंदनी वर्णवाल,अनिवेश यादव व चंदन यादव रहे। पांचवी कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः मोनू यादव, सोना यादव व शक्ति यादव रहे ।छठी कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः परी कुमारी वर्णवाल ,युवराज वर्णवाल व अनामिका एक्का रहे ।सातवीं कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः अनिकेत राय,अर्पण एक्का तथा आदित्य कुमार चौधरी रहे। आठवीं कक्षा में प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः आशीष कुमार राणा,आईशा प्रवीण व सपना कुमारी रहे वहीं नवीं कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः सुधीर कुमार यादव, अजीत कुमार यादव व सकलदेव साव रहे।

एक नजर

तारा टांड़ दुर्गा मंडप में हुई महाआरती में झूमे श्रद्धालु

झुमरी तिलैया : श्री सीताराम भक्त समिति द्वारा बसंती दुर्गा पूजा रोड के दरबार में सप्तमी और अष्टमी को महा आरती का कार्यक्रम 31आरती थालियों से किया गया। सैकड़ो श्रद्धालु आरती के धुन पर झूमते नजर आए। कार्यक्रम संध्या 6:30 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमें दुर्गा जी की आरती, हनुमान जी की आरती, संतोषी मां की आरती, चित्रगुप्त जी की आरती एवं शंकर जी की आरती किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऊँ शिव शक्ति महिला समिति विद्या पुरी का सहयोग मिला। इस महा आरती में ताराटांड, विद्यापुरी, एड्डी बांग्ला, बेलाटांड एवं अन्य मोहल्ले से आए महिलाओं ने भाग लिया। इस महा आरती कार्यक्रम में सरिता सिन्हा, चंद्रलता बरनवाल, सरिता पिलानिया, उमा देवी, मधु, सुलेखा देवी, आभा, सुनीता, सोनी, उर्मिला, सरिता बरनवाल, लक्ष्मी पांडे, जूली पांडे, किरण सिंह, सावित्री पांडे, उर्मिला, सरिता पांडे, सीमा पिलानिया, कंचन बरनवाल, शोभा सिंह, रूबी, सुनैना बरनवाल, अंजू बरनवाल, रेखा देवी, आराधना सिंह, अनीता देवी, रूपम कुमारी, सलोनी कुमारी, संतोषी देवी, ईशा सेठ, एकता, कुमकुम भदानी, दीपा भदानी, स्नेह लता, नेहा सिंह, नीलम देवी, ज्योति देवी, प्रीति कुमारी, ममता कुमारी, बबिता भदानी आदि भक्तों ने पीले वस्त्र में मां को आरती अर्पित किया। मौके पर बसंती दुर्गा पूजा समिति के संस्थापक श्री राजय वर्मा ने दरबार में आए भक्तों का स्वागत किया आभार प्रकट की और ढेर सारी शुभकामनाएं दिए। कार्यक्रम के संयोजक श्री सत्येंद्र नारायण सिंह ने बताया कि अगली हाजिरी दशमी दिनांक 07 अप्रैल सोमवार को लाल वस्त्र में समर्पित किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को आरती में शामिल होने की अपील की साथ ही साथ महा आरती के बाद माता का जागरण का आयोजन किया जाएगा जिसमें माता के भजनों के साथ-साथ अन्य देवी देवताओं का भजन स्थानीय कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। यह कार्यक्रम रात्रि 8:00 बजे से प्रभु इच्छा तक होगा।

रामनवमी पर गोंदली पोखर महावीर मंडल ने विभिन्न कार्यक्रमों का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : महावीर मंडल गोंदली अध्यक्ष ज्योतिष महतो के नेतृत्व में मंदिर प्रांगण में अस्त्र शस्त्र खेल प्रतियोगिता आयोजन किया गया इस जुलूस कार्यक्रम में चिलदाग गांव से डॉ अमर कुमार चौधरी के नेतृत्व हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जुलूस लेकर अखाड़ा पहुंचे। सालहन गांव बसंत चौधरी के नेतृत्व हेसल मासु मिलन चौक सूरज नारायण सकिचंद महतो गाबेसर महतो के नेतृत्व में हेसल रमेसवर महतो राम पोदो महतो कृष्ण भगत के नेतृत्व में तुरुप आदि गांवों से लोग जुलूस लेकर महावीर मंडल गोंदली पोखर पहुंचे सभी जुलूस में राम भक्तो ने राम के जय कारे लगते हुए अखाड़ा पहुंचे जहां सभी गांवों के लोग अपना अपना खेल प्रदर्शन किया वहीं वक्तावो ने कहा कि आज ही के दिन श्री राम का जन्म हुआ था और इसी अवसर पर पूरे भारत वर्ष में रामनवमी का पर्व को बहुत ही धूम धाम से लोग इस पर्व को मनाते आ रहे हैं यह त्यौहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाया जाता है जो अप्रैल-मई में आता है। हिंदू धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन मयार्दा-पुरूषोत्तम भगवान श्री राम जी का जन्म हुआ था। इस कार्य क्रम में मुख्य रूप से सचिव विक्की सोनी उपाध्याच रामेश्वर महतो बीरेंद्र सिंह डॉ रिझू नायक भोगता मनोज कुमार चौधरी रामकृष्ण चौधरी नीलकंठ चौधरी विक्की कुमार जगेसर महतो सचिन केशरी आतिश महतो जलनाथ चौधरी आदि शामिल थे।

राम भक्तों के लिए अंजुमन के लोगों ने चना पानी देकर आपसी सौहार्द का दिया परिचय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : प्रखंड अंतर्गत गोंदली पोखर में महावीर मंडल के नेतृत्व में भव्य कार्य क्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग दस गांवों से लोग रामनवमी का जुलूस लेकर अखाड़ा पहुंचे रहे थे सभी राम भक्तो का स्वागत सह पानी चना फ्रूटी का व्यवस्था किया था इस अवसर पर समाज सेवी मुस्तफा अंसारी ने कहा कि आज ही दिन श्री राम जन्म के हुआ था इस अवसर पर पूरे देश में रामनवमी का जुलूस निकाला गया और हम लोग सभी पर्व को शान्ति सद्भाव से मिल कर मनाते आ रहे है आगे कहा कि कई वर्षों अंजुमन के लोगो के सहयोग से स्टॉल लगाकर राम भक्तो का स्वागत करते हैं आपसी सौहार्द सद्भा भानवा का परिचय देते हैं मौके पर अब्दुल इमाम अंसारी एहसान अंसारी असफाक अंसारी हासिम अंसारी अमानत अंसारी अमीरूल अंसारी सकील अंसारी अजीज अंसारी सिकेंदर अंसारी अमान अंसारी आदि शामिल थे।

अपराधियों ने दंपति को मारी गोली, महिला की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू में अपराधियों ने शनिवार की रात घर में घुसकर पति और पत्नी को गोली मार दी। इस घटना में पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति का हॉस्पिटल में ईलाज चल रहा है। घटना पंडवा थाना क्षेत्र के कजरी गांव की है। गोली चलाने वाले एक अपराधी को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। कजरी के रहने वाले रामा सिंह (50) अपनी पत्नी बबीता देवी (45) के साथ रात में खाना खाने बैठे थे। तभी एक व्यक्ति आवाज देते हुए उनके घर में आया और गोली चला दी। गोली बबीता देवी को लगी। गोली मारने वाला भागने लगा तो रामा सिंह हल्ला करते हुए उसके पीछे दौड़े तो अपराधी ने रामा सिंह पर भी गोली चला दी। गोली रामा सिंह के कंधे के पास लगी। शोर सुनकर ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए और गोली चलाने वाले एक अपराधी को पकड़ लिया। अपराधी दो की संख्या में आए थे। मगर एक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। गोली लगे दंपति को ईलाज के लिए लोग एमआरएमसीएच लेकर आए, जहां महिला की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर ईलाज के लिए रेफर कर दिया गया था। मगर रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया। घटना का कारण गांव के ही पन्ना सिंह के साथ पुराना रंजिश बताया जा रहा है। गोली चलाने वाले अपराधी बिहार के रहने वाले हैं। हथियार के साथ पकड़ा गया। रोशन पासवान गया के सलेमपुर का रहने वाला है। फरार अपराधी सलेमपुर का ही राजा पासवान है। जख्मी हालत में रामा सिंह ने पुलिस को बताया कि दो वर्ष पहले उनका बेटा नंदन सिंह गांव के पन्ना सिंह के साथ लकड़ी का कारोबार करता था। इसी दौरान पन्ना सिंह ने गया के अपराधियों से ही बेटे को पिटवाकर कंडा घाटी में फेंक दिया था। कुछ दिन पहले भी पन्ना सिंह ने बेटे को मारना चाहा था। उसने धमकी दी थी कि पूरे परिवार को गोली मार देंगे। घटना की सूचना पर सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद एमआरएमसीएच पहुंचे और मामले की जांच की।

धूमधाम से मनाया गया रामनवमी का पर्व लाठी खेल का हुआ शानदार आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : रविवार को कुकडू प्रखंड क्षेत्र में रामनवमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। अहले सुबह श्रद्धालुओं का कारवां विभिन्न महावीर मंदिरों में जुटने लगा। मंदिरों में लोगों ने पूरी श्रद्धा के साथ महावीरी पताका फहराया और पूजा-अर्चना की। लोगों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर परिसर में ध्वजारोहण किया। रामनवमी के इस मौके पर पूरा कुकडू प्रखंड क्षेत्र भक्ति भाव में रंगा नजर आया। अधिकतर लोगों ने रामनवमी पर अपने घरों में महावीर झंडा फहराया। इधर तिरुलडीह में रामनवमी के अवसर पर महाबीर क्लब तिरुलडीह के द्वारा भव्य आखड़ा जुलुस निकाला गया। वही तिरुलडीह हनुमान मंदिर के समीप लाठी खेल का आयोजन हुआ। जहां महाबीर क्लब तिरुलडीह और कुदा गांव आखड़ा टीम ने लाठी खेल का प्रदर्शन किया। इस दौरान लाठी, भाला, तलवार से दोनों आखड़ा टीम ने हैरतअंगेज करतब दिखाया। इस दौरान हजारों की संख्या में आसपास के ग्रामीण उपस्थित थे। जुलुस के दौरान कुकडू अंचल के सीओ सत्येंद्र नारायण पासवान और तिरुलडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार में पुलिसबल के साथ मोर्चा संभाले हुए थे। वहीं पूरे कुकडू प्रखंड क्षेत्र में दंडाधिकारी भी प्रतिनियुक्त किए गए थे। महाबीर क्लब तिरुलडीह अखाड़ा के संरक्षक दधी प्रसाद कुईरी ने बताया कि तिरुलडीह में सन 1985 से बजरंगबली मंदिर में रामनवमी के अवसर पर लाठी खेला का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि पुरे गांव व आसपास के गांवों के सहयोग से बजरंगबली अखाड़ा के द्वारा भव्य झंडा जुलूस निकाला जाता है। वर्षों से रामनवमी पर्व के मौके पर झंडा जुलूस निकाला जाता है और पूजा अर्चना किया जाता है। शांतिपूर्ण रामनवमी का त्यौहार संपन्न होने पर उन्होंने प्रशासन और ग्रामीणों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि रामनवमी के अवसर पर पुलिस- प्रशासन का काफी सहयोग रहा। मौके पर पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव, मुखिया रामबालक सिंह मुंडा, समाजसेवी प्रकाश साव, पूर्व झामुमो प्रखंड अध्यक्ष इंद्रजीत महतो, समाजसेवी बिजय कुईरी, एई सुदर्शन राणा, जेई भोलानाथ महतो, चंदन कुईरी, रमेश कुईरी, सुफल प्रमाणिक, सुग्रीव महतो आदि उपस्थित थे।

'जय श्री राम' के नारे से गूंजा रामगढ़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ : रामनवमी का त्यौहार रामगढ़ में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। जय श्री राम के नारे से पूरा रामगढ़ जिला गूंज उठा। भगवाधारी पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के साथ सड़क पर निकले। भक्ति गानों पर कलाकारों ने भी युद्ध कौशल का जलवा दिखाया। इस त्यौहार को लेकर सभी मंदिरों में विशेष पूजा भी की गई। रामगढ़ शहर के वैष्णो देवी मंदिर, मां विध्नेश्वरी मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर, चैती दुर्गा मंदिर, राधा कृष्ण किला मंदिर, जलाराम मंदिर, काली मंदिर, खाटू श्याम मंदिर, हनुमंत लला मंदिर में विशेष पूजन का आयोजन किया गया था। राम भक्तों ने श्री राम के जन्मोत्सव पर पूजा के बाद अपने घरों में भगवा ध्वज भी लगाया। विभिन्न मंदिरों और घरों में नौ कन्याओं को भोजन भी कराया गया। विभिन्न स्थानों पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। रामनवमी जुलूस को लेकर जहां भगवाधारियों में उत्साह था, वही मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी जुलूस में शामिल होकर उत्साह को बढ़ाया। रामगढ़ शहर के सौदागर मोहल्ला और गोलपार में भगवाधारियों का स्वागत फूलों से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किया। अंजुमन कमेटी सौदागर मोहल्ला, नई सराय अंजुमन कमेटी और गोलपार अंजुमन कमेटी के द्वारा पुष्प वर्षा कर राम भक्तों का स्वागत किया गया। इस दौरान जुलूस में शामिल लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। वहीं, रामगढ़ शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर रामायण पर आधारित झांकी का भी आयोजन किया गया, जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। श्री बजरंग क्लब की ओर से समुद्र मंथन की झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। झंडा चौक में ताड़कासुर वध की लीला दिखाई गई। वीर शिवाजी युवा सेवा संघ लोहार टोला के जरिये आयोजित शिव तांडव इन लोगों का मन मोह लिया।

रामनवमी का त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली आसपास के क्षेत्रों में रविवार के दिन रामनवमी का त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया गया। यह त्यौहार हमें भगवान राम के आदर्शों-सत्य, धर्म, मयार्दा और त्याग की याद दिलाता है। श्रद्धालुओं और राम भक्तों ने अपने-अपने घरों में श्रद्धा पूर्वक पूजा पाठ कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। यह हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस अवसर पर छोटा मुरी पोस्ट ऑफिस मोहल्ला से युवाओं के द्वारा जुलूस निकाला गया जो छोटा मुरी बाजार होते हुए मुरी टुगरी पहाड़ पहुंचा जहां युवाओं ने लाठी खेल तथा और भी कई तरह के करतब दिखाए जिसका श्रद्धालुओं ने काफी सराहना की। रामनवमी में बड़ामुरी, कलवाडीह,सिल्ली समेत क्षेत्र के कई अखाड़ों में युवाओं ने लाठी खेल और करतब दिखाया। छोटा मुरी बाजार चौक पर युवाओं द्वारा चना, गुड़ और शरबत का व्यवस्था किया गया था जिसका श्रद्धालुओं ने आनंद उठाया। रामनवमी को लेकर सिल्ली और मुरी पुलिस की खासनजर थी ताकि जुलुस शांतिपूर्वक संपन्न हो सके साथ ही रेलवे क्षेत्र में राजकीय रेल पुलिस भी चुस्त दुरुस्त दिखी।

संक्षिप्त खबरें

रामनवमी पर लोहरदगा में उमड़ा आस्था का सैलाब, भव्य शोभायात्रा निकाली गई

लोहरदगा : रामनवमी को लेकर लोहरदगा जिले में उल्लास और भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है। शहर से लेकर गांव तक रामभक्ति के रंग में रंगे नजर आ रहे हैं। जगह-जगह महावीरी झंडे और पताकाएं लगाई गई हैं, वहीं अखाड़ों में डंका बजाकर रामभक्तों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है। युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जिले भर में केंद्रीय महावीर मंडल के द्वारा संपूर्ण व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है। मंडल के नेतृत्व में थाना चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।रामनवमी को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए हैं। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई है, दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है और ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जा रही है।

जेनेरिक फैमिली फाऊंडेशन रांची जोन के तरफ से स्टॉल लगाया गया

सिल्ली : रांची रविवार को जेनरिक फैमिली फाउंडेशन रांची जॉन के द्वारा रातु रोड रांची में रामनवमी के उपलक्ष्य में राम भक्तों के सेवा में एक स्टॉल लगाया गया जिसमें चना ,बुंदिया, शरबत और ओ आर एस का लिक्विड का सभी राम भक्तों के बीच वितरण किया गया साथ में फ्री मेडिकल कैंप, एम्बुलेंस का व्यवस्था भगवत गीता का वितरण भी किया गया । जिसमें मुख्य रूप से जेनरिक फैमिली फाउंडेशन के सेंट्रल कमिटी के मुख्य पेटर्न चंदन सिन्हा, पेटर्न मनीष कुमार वर्मा सचिव सत्येंद्र कुमार, सोशल एंड मीडिया के चेयरमैन अभय कुमार मांझी, कंपनी अफेयर्स के चेयरमैन उमेश कुमार, पूर्व पेटर्न विकाश जैन एवं रांची जोन के सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष अजय कुमार, राजू , पंकज, अमित, सुरेंद्र एवं श्यामसुंदर अग्रवाल, संजय, प्रतीक, ब्रजेश चौबे, विशेष रूप से संतोष एवं दिनेश के साथ साथ जी एफ एफ के सदस्यों के परिवारों ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया । एवं आगे भी जी एफ एफ इसी तरह का पूरा झारखंड में सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ के हिसा लेंगे।

स्वर्णकार संघ ने निकाला चांदी का झंडा जुलूस

चतरा : शहर की सड़कों पर रविवार को रामनवमी की जुलूस और झांकी के साथ आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा है। रामनवमी में जुलूस और भव्य झांकियां निकाली गई। रामनवमी पर्व को लेकर सुबह से ही लोगों का उत्साह और उमंग चरम पर था। शहर के सभी प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना के लिए भीड़ लगी रही। सबसे अधिक भीड़ हरलाल स्थित बजरंगबली मंदिर, काली मंदिर और केसरी चौक स्थित बजरंग बली मंदिर में देखने को मिली। इसी प्रकार दूसरे अन्य मंदिरों में भी पूजा अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। जैसे जैसे धूप तल्ख होने के साथ समय बढ़ते गया, वैसे-वैसे लोगों में जुलूस और झांकी को लेकर उत्साह चरम पर पहुंचने लगा। दोपहर में जिला स्वर्णकार संघ ने चांदी का झंडा जुलूस निकाला। जुलूस में संघ के जिलाध्यक्ष, सचिव एवं समाज के प्रबुद्धजन शामिल थे। उसके कुछ देर के बाद विभिन्न क्लबों के सदस्य गाजेबाजे के साथ केसरी चौक स्थित बजरंग बली मंदिर में अस्त्र शस्त्र की पूजा अर्चना की। इसके बाद जुलूस और झांकी निकालने की तैयारियों में जुट गए। शहर में कुल 27 क्लबों द्वारा जुलूस और झांकी निकाली गई है। झांकी की प्रस्तुति देखते ही बन रही है। झांकी को देखने के लिए शहर की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा है। पुराना पेट्रोल पंप से लेकर से लेकर अव्वल मोहल्ला काली मंदिर तक मुख्य सड़क पर भीड़ का रेला लगा रहा ।सड़क के अलावा मुख्य मार्ग के दोनों ओर घरों के छतों पर भीड़ उमड़ी है। डीजे आवाज और इस बीच लग रहे जय श्रीराम, जय हनुमान के घोष पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

माता वैष्णो देवी मंदिर में बासंती नवरात्रा भंडारा के साथ संपन्न

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर में बासंती नवरात्रा रविवार को भंडारा के साथ संपन्न हुआ। इस भंडारे में रामगढ़ सहित आस-पास क्षेत्रों के लगभग बारह हजार अधिक श्रद्धालुओं ने मां वैष्णों देवी का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर में बासंती नवरात्रा बीते 30 मार्च को कलश स्थापना से शुरू हुआ था, जो रविवार को माता के अटूट भंडारा के साथ संपन्न हुआ। भंडारा सुबह 8 बजे से शुरू हुआ, जो शाम तक चला। इस भंडारे में श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता का जयकारा लगाते हुए प्रसाद ग्रहण किया। इस भंडारे को सफल बनाने में पंजाबी हिन्दू बिरादरी व माता वैष्णों देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरत चन्द्र वासुदेव, महासचिव महेश मारवाह सहित बिरादरी के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

रोजाना बड़ी मात्रा में स्लो पॉइजन का सेवन

आज के आधुनिक युग में मनुष्य ने जितनी तरक्की की है, उतना ही स्वास्थ्य से खिलवाड़ भी हुआ है और वक्त के साथ यह लगातार बढ़ रहा है, जिसका कारण मनुष्य स्वयं हैं। हृदय रोग, मस्तिष्क आघात, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां तेजी से बढ़ रही है, साथ ही मधुमेह, रक्तचाप, मोटापा, कमजोरी, आहार में पोषक तत्वों की कमी की समस्या तो चरम पर है, इस वजह से असमय मौत का आंकड़ा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है, कुछ पल पहले एकदम स्वस्थ नजर आनेवाला व्यक्ति, बड़ों से लेकर छोटे-छोटे बच्चे भी खेलते या व्यायाम करते हुए या बैठे-बैठे भी गश खाकर गिरते है और पता चलता है कि मौत हो गयी। एक दशक पहले जो जानलेवा बीमारियां हमें केवल कभी-कभार ही सुनने मिलती थी, अब वो बीमारियां रिश्ते-नातेदारों, आस-पड़ोसियों और हमारे घर-परिवार के लोगों तक पहुंच चुकी हैं। मनुष्य का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहद कमजोर हुआ है, मौसम के करवट लेते ही बीमारियां तुरंत जकड़ लेती हैं। हमारे देश में औसत आयु दर पाश्चात्य देशों की तुलना में लगातार गिर रही हैं। विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 में 143 देशों में से भारत को 126वां स्थान दिया गया। भारत खुशी के मामले में पाकिस्तान, लीबिया, इराक, फिलिस्तीन और नाइजर जैसे देशों से भी पीछे हैं। कभी इस समस्या पर गंभीरता से विचार किया है कि बीमारियां तेजी से क्यों बढ़ रही है? क्या वजह हो सकती है? स्वस्थ जीवन जीने के लिए क्या हमें रोज शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ पानी और पोषक आहार पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है? प्रदूषण और अस्वच्छता हमारी सांसे छीन रही हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक 2024 आंकड़ों के अनुसार, विश्व के उच्चतम पांच सबसे ज्यादा प्रदूषित देशों में भारत देश हैं। भारत का लगभग 70 प्रतिशत जल प्रदूषित है, तथा देश की लगभग आधी नदियाँ पीने या सिंचाई के लिए असुरक्षित है, इस कारण 2024 के वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में से भारत 120वें स्थान पर हैं। 2023 में बीएमजे में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में हर साल 2.18 मिलियन मौतें बाहरी वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। लैंसेट 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में 500,000 से अधिक मौतें जल प्रदूषण के कारण हुईं। बड़े पैमाने पर देश में हजारों करोड़ रुपयों का नकली दवाइयों का कारोबार चलता है, बड़े-बड़े सरकारी अस्पतालों में तक नकली दवाइयाँ मरीजों को बांटी जाती हैं। एशिया के बड़े अस्पतालों में शामिल महाराष्ट्र राज्य के नागपुर में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में यह घटना हाल ही में उजागर हुई। अन्न उगाने से लेकर हमारे थाली में परोसने तक उसे अनेक हानिकारक रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजारा जाता हैं। देश में अशुद्ध खान-पान और अस्वच्छता की समस्या बहुत ही ज्यादा है, लोग स्वार्थ और लालच में इतने अंधे हो चुके है, कि अपने एक रुपये के फायदे के लिए भी लोगों को जहर खिलाने तैयार हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर से खबर आई कि शवों पर इस्तेमाल की गई बर्फ का उपयोग बाजार में मिलने वाले शीत पेय में किया जा रहा था। आश्चर्यजनक है, कि देश में उत्पादन से ज्यादा दूध और दुग्धजन्य खाद्यपदार्थ बेचे जाते है, देश के 68.7 प्रतिशत दूध और दूध उत्पादों में प्रदूषक पाए गए है। तेल, घी, शक़्कर, नमकीन, मैदेयुक्त खाद्यपदार्थों की मांग अत्याधिक होती है, जबकि यह सेहत पर बेहद बुरा असर करते हैं। शहद, मसाला, चाय पत्ती, तेल, दूध, मिठाइयां, घी, केसर जैसे खाद्यपदार्थों में मिलावट बहुत ज्यादा हैं। बाहरी खाद्य पदार्थों के रंग बहुत ज्यादा तेज और आकर्षित नजर आते है, अधिकांश खाद्य पदार्थों को रंगने के लिए प्राकृतिक रंगों के स्थान पर हानिकारक कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाला बाहरी बर्फ, पानी, चटनियां, सॉसेज, खाद्यतेल गुणवत्ता की कसौटी पर अधिकतम खरी नहीं उतरतीं। देश के अधिकतर स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सामग्रियों में बिना दस्तानों के सीधे हाथ लगाने की बहुत बुरी आदत नजर आती है, इसका खामियाजा ग्राहकों के स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता हैं। जो पशुओं के लिए भी ठीक नहीं, वह खाद्य अर्थात घातक कचरा मनुष्य स्वाद लेकर खा रहा हैं।

सूडोकु नवताल- 7393

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7392 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

अमेरिकन टैरिफ नीति में भारत को मिलता लाभ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए नए 'पारस्परिक टैरिफ' का दुनिया की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ना सुनिश्चित है। लेकिन इस टैरिफ के बारे में भारत को लेकर जितनी चिंता जताई जा रही है, वास्तव में उतनी चिंता कम से कम भारत के लिए तो नहीं है। इसे अब आप राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति झुकाव मान सकते हैं या अमेरिकन अर्थव्यवस्था को गति प्रदान कर रहे प्रवासी भारतीयों के प्रति अमेरिका की वर्तमान सरकार का सकारात्मक दृष्टिकोण, जो भी हो; इसमें कुल मिलाकर भारत का हित प्रभावित होता हुआ नहीं दिखता, बल्कि इसके उलट भारत के लिए अनेक क्षेत्रों में इस टैरिफ नीति ने नए अवसर अवश्य खोल दिए हैं।

देखा जाए तो अमेरिका के टैरिफ वार से 60 से अधिक देश प्रभावित हो रहे हैं। चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा काफी अधिक है। इसलिए चीन पर उसने सबसे अधिक टैरिफ लगाया है। अमेरिका में सभी चीनी आयातों पर 54 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। वस्तुतः ट्रंप की घोषणा से अमेरिका में चीन से आयातित सभी वस्तुओं पर मौजूदा 20 प्रतिशत टैरिफ में 34 प्रतिशत तथाकथित "रेसिप्रोकल टैरिफ" जुड़ गया है। अमेरिका ने कंबोडियाई वस्तुओं पर 49 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, इंडोनेशिया और ताईवान पर 32 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत से लेकर अन्य देशों पर न्यूनतम 10 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही कई उत्पाद ऐसे भी हैं, जिन्हें अमेरिका ने अपनी नई टैरिफ नीति से दूर रखा है और पूरा लाभ कमाने का अवसर कई देशों के लिए खुला छोड़ दिया है।

जिन वस्तुओं पर टैरिफ का असर पड़ भी रहा है, तो वह इसलिए कि उनकी मांग अमेरिका में ज्यादा है, जिसकी कि अधिकांश पूर्ति अभी चीन एवं अन्य देशों से होती है। अब इन्हीं क्षेत्रों में भारत के लिए कई नए अवसर खुल गए हैं। भारत के संदर्भ में थोड़ा पीछे जाकर अध्ययन करें तो भारत का चीन के साथ बड़ा व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) रहा है, जो 2018-19 में लगभग 52 अरब डॉलर था। जिसे कम करने का भारत सरकार पर बहुत दबाव रहा, ऐसे में देखा गया कि मोदी सरकार ने अपनी आयात निर्भरता को कम करने के लिए स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना शुरू किया। कई क्षेत्रों में एक साथ काम शुरू किया गया, जिसमें कि आत्मनिर्भर भारत अभियान, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल और मेडिकल उपकरणों जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहन, मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल और सौर पैनल में हुए प्रयासों को देखा जा सकता है। जिसका कि अब बड़े स्तर पर परिणाम भी दिखाई दे रहा है।

नए अवसरों में यदि देखें तो इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी में भारत अपनी विनिर्माण क्षमता को बढ़ाकर अमेरिकी डॉलर का एक बड़ा भंडार अपने यहां ला सकता है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातकों को फायदा इसलिए भी है, क्योंकि वियतनाम जैसे देशों पर उच्च टैरिफ लगाए जाने के बाद व्यापारियों की एक बड़ी उम्मीद भारत ही है। इसी तरह से चीन और थाईलैंड से आयात होने वाली मशीनरी, ऑटो पार्ट्स और खिलौनों पर पड़ने वाले असर का लाभ भारत की तरफ की ओर आता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिका में चीनी कपड़ों पर टैरिफ बढ़ने से भारतीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री को अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का एक नया अवसर मिल गया है। अमेरिका द्वारा चीन और बांग्लादेश से आयातित कपड़ों पर अधिक टैरिफ लगाए जाने से भारतीय कपड़े स्वभाविक तौर पर सस्ते हो जाएंगे, जिससे भारत के उत्पादों की मांग बढ़ेगी।

यह अच्छी बात है कि आईटी क्षेत्र पर टैरिफ का प्रत्यक्ष असर नहीं पड़ता दिख रहा। हालांकि यह तय है कि अमेरिकी बाजार में मंदी और महंगाई का असर इस पर होगा, किंतु यह असर बहुत अधिक नहीं दिखता, क्योंकि आईटी प्रोफेशनल जितने अधिक सस्ते भारत के हैं, उतने अन्य किसी देश के नहीं जोकि अपने आप में श्रेष्ठ गुणवत्ता भी रखते हैं, इसलिए आगे भी आईटी सेक्टर में अमेरिकन का भरोसा भारत के प्रति बना रहेगा।

इसके अलावा भारत के पास अमेरिका को सस्ते कृषि उत्पाद आयात करने का यह सुनहरा अवसर है और अपने कृषि निर्यात (जैसे चावल, मसाले, और चाय) को वह वर्तमान की तुलना में बहुत अधिक बढ़ा सकता है, क्योंकि चीन पर बढ़े हुए टैरिफ के चलते अमेरिकन कंपनियां यही चाहेंगी कि उन्हें सस्ता माल मिले, जिसकी कि आज के समय में पूर्ति करना भारत के लिए संभव है।

केमिकल और फार्मास्युटिकल्स में भारतीय फार्मा इंडस्ट्री पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। भारत से हर साल लगभग नौ अरब डॉलर की दवा अमेरिका को निर्यात होती है जो देश का सबसे बड़ा औद्योगिक निर्यात क्षेत्र है। ऐसे में अमेरिका की यह नई नीति उसे और अधिक वैश्विक होने का अवसर प्रदान कर रही है। इसके साथ ही जिन देशों पर अमेरिका ने अत्यधिक टैरिफ दर निर्धारित की है, वह भी बदले में अपने यहां अमेरिकन वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं, कुछ ने तो अपनी बढ़ी हुई टैरिफ नीति घोषित करना भी शुरू कर दिया है। स्वभाविक है, ऐसे में भारत के लिए इन देशों में भी अपनी वस्तुओं के लिए मुफीद बाजार बनाना आसान हो गया है। सबसे ज्यादा चीन के बाद युरोप के कई देश प्रभावित हैं। चीन तो खुले तौर पर अमेरिका के विरोध में उतर आया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने साफ कहा है कि चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़तापूर्वक जवाबी कदम उठाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका ने एकतरफा आकलन के आधार पर तथाकथित 'रेसिप्रोकल टैरिफ' तैयार किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय ट्रेड रूल के अनुरूप नहीं। उसने अमेरिका से इस नए टैरिफ को रद्द करने के लिए कहा है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका से वाहनों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। वह अन्य कई अमेरिकन वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने जा रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने देश की कंपनियों से अमेरिका में निवेश को स्थगित कर देने को बोला है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने कह ही दिया है कि उन्होंने अपने देश के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी उपाय करना शुरू कर दिए हैं। ऐसे में स्वभाविक है इन सभी देशों में और अन्य एशियाई देशों में भारत अपने माल की खपत बड़ा सकता है। हालांकि भारत को कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी होता दिख रहा है, जैसे कि ज्वैलरी, डेयरी, ऑटो पार्ट्स जैसे कुछ क्षेत्र। क्योंकि अमेरिका को भारत हर साल लगभग 11 अरब डॉलर की ज्वैलरी निर्यात करता है, जोकि 30 प्रतिशत है। नए टैरिफ में अमेरिका ने अतिरिक्त 18 से 20 प्रतिशत की ज्वैलरी पर शुल्क बढ़ाया है ।

ऑटो एंसिलियरी कंपनियों के माल पर पहले जो 2.4 प्रतिशत शुल्क लगता था, वह बढ़कर 25 प्रतिशत तक हो जाने की संभावना है। किंतु इसके बाद भी जो साफ दिखाई दे रहा है, वह यही है कि अमेरिका द्वारा शुरू किए गए इस टैरिफ वॉर ने भारत को कई क्षेत्रों में और कई देशों में आर्थिक स्तर पर नए अवसर प्रदान कर दिए हैं। वास्तव में अब हमें चाहिए कि जो नए अवसर मिले हैं, उनका भरपूर लाभ उठाएं।

बॉलीवुड के अनकहे किस्से : भारत कुमार उर्फ मनोज कुमार का जाना

अजय कुमार शर्मा

प्रख्यात अभिनेता और निमार्ता निर्देशक मनोज कुमार 4 अप्रैल 2025 को हमारे बीच नहीं रहे। अपनी देशभक्ति की फिल्मों और उनमें अपने नाम भारत के कारण उन्हें लोग भारत कुमार के नाम से ही बुलाने लगे थे। लेकिन मनोज कुमार को केवल भारत कुमार की दृष्टि से ही देखा जाना, उनकी अन्य दूसरी खासियतों को नजर अंदाज करना है। इसमें कोई दो राय नहीं कि वह देशभक्त थे, लेकिन उनकी देशभक्ति आजकल के प्रचलित देशभक्ति के पैमानों से अलग थी। उनकी देशभक्ति में भारत की वह उदार और परंपरागत छवि थी, जिसे उसके महापुरुषों ने लंबे त्याग और बलिदान से हासिल किया था। देशभक्ति का यही स्वरूप शायद आम जनता को भी पसंद है, तभी देशभक्ति की उनकी सभी फिल्मों को दर्शकों का भी भरपूर प्यार मिला।

उनकी देशभक्ति की सभी फिल्में चाहें उपकार हो, पूरब और पश्चिम हो या क्रांति हो, उसमें देश के लिए बलिदान देने के लिए हिंदू , मुस्लिम,सिख और ईसाई सभी शामिल हैं । इस देशभक्ति में किसी खास तबके या धर्म का एकाधिकार नहीं था। इन फिल्मों की पृष्ठभूमि में किसी खास देश का विरोध भी नहीं है, बल्कि वह इसके लिए भारतीय समाज के सांस्कृतिक पतन को ज़िम्मेदार ठहराते हैं। उनकी संतुलित देशभक्ति का एक कारण शायद यह भी है कि वह एटमाबाद में जन्मे थे और दिल्ली एक शरणार्थी के रूप में पहुंचकर दो साल रिफ्यूजी कैंप में ही रहे थे।

अब अगर उनकी अन्य प्रतिभाओं की बात करें तो देशभक्ति की सफल फिल्मों के निर्माण -निर्देशन से पहले उनका लंबा कैरियर एक सफल अभिनेता के रूप में भी है, जिसमें वह लगभग 40 फिल्में करते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने अपनी एक खास पहचान तब हासिल की, जब उस समय की प्रसिद्ध स्टार तिकड़ी दिलीप कुमार, राजकपूर और देवानंद लोगों के दिलों में राज करती थी, लेकिन उन्होंने खुद संघर्ष करके अपनी एक अलग छवि और पहचान बनवाई। फिल्मों में उनका कोई नहीं था न ही वह किसी समृद्ध घराने के थे, हां उनके चाचा-चाची जरूर बंबई में रहते थे और निमार्ता लेखराज भाखरी, मुल्कराज भाखरी उनके दूर के रिश्तेदार थे, लेकिन सिनेमा और दर्शकों के मन की गहरी समझ के सहारे उन्होंने अपने समय में कुछ ऐसी फिल्में चुनीं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। कांच की गुड़िया और हरियाली और रास्ता के बाद वह अपनी राह खुद बनाते चले गए।

नायक के रूप में उनका व्यक्तित्व दिलीप कुमार और राज कपूर का मिलता-जुलता स्वरूप था, यानी सीधा-साधा नायक जो प्यार में धोखा खाता है या फिर उसे पा नहीं पाता है। राज घोसला ने उन्हें अपनी जासूसी फिल्म, वो कौन थी से एक नई छवि दी, जिसे गुमनाम और अनीता में भी दोहराया गया। अपने अभिनय के सर्वोच्च समय में वे नायक के रूप में ऐसी ही फिल्में करते हैं, जिनमें वह अपनी सभ्यता या संस्कृति से कोई समझौता करते नजर नहीं आते हैं, बल्कि इसके लिए अपने प्यार को भी छोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। पहचान, यादगार, दो बदन, नीलकमल, आदमी, बनारस का ठग, डॉ विद्या अनेक ऐसी फिल्में हैं। एक समय में उन्होंने बाजार की जरूरत को देखते हुए बेईमान, दस नंबरी और संन्यासी जैसी सफल फि ल्में कीं, लेकिन यहां पर भी वे देश या समाज में फैले भ्रष्टाचार और आडंबरों से लड़ते हुए नजर आते हैं। एक सजग और सफल निर्देशक के रूप में उनकी पारी वैसे तो 1965 में प्रदर्शित हुई फिल्म शहीद से ही शुरू हो जाती है।

शहीद भगत सिंह के जीवन पर बनी इस फिल्म के लिए उन्होंने सारा शोध करके पटकथा तो लिखी ही, बल्कि इसके निर्माण में अपने मित्र केवल कश्यप का पूरा साथ दिया। वह इस फिल्म के लिए हर उस व्यक्ति से मिले जो उस समय जिंदा था और किसी भी रूप में भगत सिंह के संपर्क में आया था। उनकी मां और भाई से भी वे मिले। इस फिल्म को उन्होंने पूरी शिद्दत से बनाया और भगत सिंह पर पहले आई असफल फिल्मों के बावजूद यह फिल्म बेहद सफल रही। इसका एक-एक गीत अमर हो गया। हालांकि, इसमें निर्देशक के रूप में एस. शर्मा का नाम गया था, लेकिन सब जानते हैं कि यह फिल्म उनके द्वारा ही निर्देशित थी।

इसी फिल्म को देखकर लालबहादुर शास्त्री ने अपने नारे ₹जय जवान, जय किसान₹ को लेकर फिल्म बनाने को कहा। तब हमारे सामने उपकार जैसी बेहद सफल फिल्म सामने आई और मनोज कुमार भारत कुमार के रूप में पहचाने जाने लगे, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसके बाद 1971 में वे शोर जैसी मार्मिक फिल्म बनाते हैं जो पिता पुत्र के प्यार की अनोखी कहानी है। अपने गूंगे बच्चे को आवाज देने के लिए एक पिता इतना संघर्ष करता है कि जिस दिन उसके बच्चे की आवाज वापस आती है, वह अपनी श्रवण शक्ति ही खो बैठता है। इस फिल्म का गीत, संगीत, कास्टिंग सब अद्भुत है। उनके संघर्ष में सब अड़ोसी-पड़ोसी यानी हर धर्म और तबके के लोग शामिल हैं।

रोटी कपड़ा और मकान में भी उस समय की महंगाई, भ्रष्टाचार, मिलावट, बेरोजगारी,राजनीति पर तीखे तंज हैं। क्रांति जैसी सफल फिल्म के बाद वे कलयुग और रामायण में रामायण को आदर्श मानने वाले लोगों के कलयुग में किए जाने वाले छद्म आदर्शों पर तीखा कटाक्ष करते हैं। इस कारण उनका विरोध भी हुआ था। उनकी फिल्म क्लर्क भी अलग तरह की फिल्म हैं और तत्कालीन भारतीय राजनीतिक और सरकारी दफ्तरों में फैले भ्रष्टाचार पर तीखी टिप्पणी करती है। क्लर्क में वह पहली बार पाकिस्तानी कलाकारों मोहम्मद अली और जेबा को लेते हैं जो बाद में एक ट्रेंड बनता है।

वह अपनी फिल्मों के गीतों द्वारा भी आम जनता तक अपने संदेश व्यापक तरीके से पहुंचाने में सिद्धहस्त थे। उनके गीत देशभक्ति के अलावा महंगाई और राजनीति के वर्तमान स्वरूप पर साफ-साफ बात करते हैं। गीत-संगीत की गहरी समझ उन्हें कई बार राजकपूर से ऊपर खड़ा करती है। एक बात और कि वह राज कपूर की तरह अपनी विचारधारा में कोई समझौता नहीं करते और न ही देवानंद की तरह अपने आप को लगातार दोहराते हैं। वह जब समझ जाते हैं कि अब उनकी बात लोगों तक नहीं पहुंच रही है, तो वह अपने को समेट लेते हैं। अतः हमें उन्हें भारत कुमार के साथ ही ऐसे श्रेष्ठ अभिनेता और निमार्ता निर्देशक के रूप में याद रखना चाहिए जिन्होंने आम जनता को स्वस्थ मनोरंजन के साथ ही सामाजिक संदेशों से भी रूबरू कराया।

चलते-चलते मनोज कुमार एक अच्छे अभिनेता, निर्देशक के साथ ही लेखक, संपादक तो थे ही कैमरे से भी अनेक प्रयोग करते रहे। शोर में कई जगह उन्होंने फ्रीज शॉट्स का अदभुत प्रयोग किया है। अपने गीतों में शीशे से लेकर बैकग्राउंड तक के अनेक प्रयोगों की व्यापक चर्चा हुई। अपने सहयोगियों के काम आने के मामले में भी वे बहुत लोकप्रिय रहे।

उन्होंने अपने बचपन के मित्र केवल कश्यप का जीवन भर सहयोग किया और बाद में अपने सचिव के रूप में भी उनकी सेवाएं लीं। उस जमाने के अपने सभी निमार्ता निर्देशको की आर्थिक सहायता की। अपने भाई के लिए पेंटर बाबू और अपने बेटे के लिए कलाकार फिल्म बनाई। उन्होंने प्राण और प्रेम चोपड़ा को नई छवियां प्रदान कीं। अपने आसपास के आम लोगों का इलाज वे होम्योपैथी के सहारे करते रहे, जिसकी उन्हें गहरी समझ थी।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष : स्वस्थ समाज की ओर पहला कदम है जागरूकता

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य' विषय के साथ 75वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2024 का विषय था 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 यह दिवस 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में नर्सों और दाईयों का समर्थन करें तथा 2019 में सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं, लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई। तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

दैनिक पंचांग

7 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.11 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	07.51 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.49 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.03 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.19 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.31 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.42 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.56 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.12 बजे से
		मकर	01.17 बजे से
		कुंभ	03.04 बजे से
		मीन	04.37 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2025 वर्ष का 97 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु बसंत।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास चैत्र पक्ष शुक्ल
तिथि दशमी 20.01 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 06.25 बजे को समाप्त।
योग धृति 18.19 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 07.37 बजे तदनन्तर गर 20.01 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 51'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872307
जूलियन दिन 2460772.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 08

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

ई-रिक्शा पलटने से एक व्यक्ति का पैर टूटा

साहिबगंज/कोटालपोखर : पाकुड़ बरहरवा मुख्य पथ पर रविवार को मयूरकोला गांव के पास बरहरवा से कोटालपोखर जा रहे ई-रिक्शा सड़क पर गिरे पत्थर पर चढ़ जाने से पलट गया। घटना में कोटालपोखर थाना क्षेत्र के चौरा गांव का यात्री पवन तुरी 50 वर्षीय ई रिक्शा के नीचे दबने से उनका बाया पैर टूट गया। ग्रामीणों के मदद से घायल को पाकुड़ चिकित्सक के पास ले जाया गया। ज्ञात हो कि कोटालपोखर डाटापाड़ा सड़क होकर रात भर बगैर माइनिंग चालान के सैकड़ो ट्रैक्टर, ट्रक, ओवरलोड चलते हैं। जिससे रोड पर स्टोन चिप्स व स्टोन डस्ट गिरता रहता है। रोड में पत्थर व डस्ट गिरने के कारण हादसा आए दिन होते रहता हैं।

माता रानी के नौवे स्वरूप सिद्धिदात्री की गई पूजा-अर्चना, जयकारे से गूंजा क्षेत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर में कॉलेज रोड चैती दुर्गा, रसूलपुर दहला, चौक बाजार, जिरवाबाड़ी तुरी टोला में रविवार को चैती नवरात्र के नवे सिद्धिदात्री की वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ की गयी। पुरोहितों ने सुबह से प्रतिमा पूजन करायी। इसमें चैती दुर्गा मंदिरों में 108 कन्याओं का पूजन, हवन किया गया। जबकि हलवा, पूरी, खीर, चना का सब्जी अन्य भोग लगाया गया। मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा भक्त धूमधाम से की। मां सिद्धिदात्री की पूजा को लेकर शहर के रसूलपुर दहला चैती दुर्गा मंदिर, सकरूगढ़ चैती दुर्गा मंदिर, जिरवाबाड़ी तुरी टोला,

चैती दुर्गा मंदिर, चौक बाजार दुर्गा मंदिर में भक्तों की भीड़ देर शाम तक जुटी थी। भक्तों ने मां दुर्गा को डाला, वस्त्र, चुनरी चढ़ाया। सोमवार को मां दुर्गा की पूजा शहर के सभी चैती दुर्गा मंदिरों व भक्त अपने घरों में करेंगे, इसके बाद मां दुर्गा को खीर-पूरी का भोग लगाया जायेगा। सोमवार को भी दुर्गा मंदिरों में अहले सुबह से ही भक्त पूजन के लिए उमड़ेंगे।

संक्षिप्त खबरें

सज गये बजरंगबली के मंदिर, धूमधाम से मनी रामनवमी

साहिबगंज : रामनवमी रविवार को शहर समेत कई क्षेत्रों में धूमधाम से मनायी गई। शहर के गुल्ली भट्ठा, यदू मोड़, पचमोड़वा में बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित करके पूजा की गई। कृष्णानगर, बड़तल्ला स्ट्रीट, पोखरिया, सकरूगढ़, सब्जी मंडी, रसूलपुर दहला, तालबन्ना, शोभनपुर भट्ठा, पुरानी साहिबगंज, झरना कॉलोनी, साउथ कॉलोनी, चौक बाजार समेत अन्य मोहल्ला में बजरंगबली का पूजन कर श्रद्धालु ध्वज चढ़ाए। इससे पूर्व बजरंगबली मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। रंग-रोगन किया गया है। बाजार में पताका व बांस की बिक्री जमकर हुई। चौक बाजार, बाटा रोड, स्टेशन रोड, कॉलेज रोड, जिरवाबाड़ी व हाट में बांस व पताके की बिक्री हुई। रविवार सुबह में भी पूजन करने वालों ने भी बांस 100 रुपये से 300 रुपए प्रति पीस व पताका 25 से 1000 रुपये तक खरीदारी की।

विवाहित महिला का फंदे से लटका शव पुलिस ने किया बरामद

साहिबगंज/राजमहल : थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचकठिया, सरकंडा गांव में बीते शनिवार की देर शाम एक 19 वर्षीय विवाहित महिला का शव पुलिस ने बरामद किया। मिली जानकारी के अनुसार राजू यादव के 19 वर्षीय पत्नी रूबी यादव शनिवार को लगभग शाम के 6:00 बजे बच्चों को लेकर अपने कमरे में चली गई। कुछ घंटे के बाद जब वह कमरे से नहीं निकली तो पति राजू यादव, सास, ससुर के द्वारा कमरे में जाकर देखा तो उक्त महिला घर के कमरे के अंदर फंदे से लटक रही है। तभी उन लोगों के द्वारा गांव वालों एवं पुलिस को इसकी सूचना दिया गया। सूचना मिलते ही गांव के लोग और पुलिस मौके पर पहुंचकर फंदे से शव को उतार कर कब्जे में लेते हुए अनुमंडल अस्पताल राजमहल भेज दिया गया। जहां रविवार को शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। इधर मृतका रूबी यादव के पिता प्रदीप यादव, मामी संतोषी यादव, मां, भाई एवं अन्य रिश्तेदार में आरोप लगाते हुए कहा कि उसके पति राजू यादव एवं सास, ससुर के द्वारा रूबी यादव को मार कर लटका दिया गया है। आत्महत्या नहीं है हत्या किया गया है। परिजनों ने बताया कि कल शाम के 7:00 बजे के लगभग राजू यादव ने फोन कर बताया कि उनकी पुत्री फंदा से लटक कर आत्महत्या कर ली है। इतना कहते ही फोन काट दिया बाद में फोन करने पर ना फोन उठाया ना कोई संपर्क करने की कोशिश किया। यह भी बताया कि मरने के 1 दिन पूर्व भी मारपीट एवं झगड़ा किया गया था। घटना के बाद से फिलहाल सास, ससुर एवं पति राजू यादव घर से नदारत है। मृतक के पिता बिहार राज्य के कटिहार जिला अंतर्गत रामचंद्रपुर थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर गांव की निवासी प्रदीप यादव के द्वारा मृतिका के पति एवं उनके परिजनों के विरुद्ध आवेदन देने की प्रक्रिया की जा रही थी। मृतिका रूबी देवी की विवाह 2023 में हुआ था और एक चार महीने का पुत्र भी है।

श्री महावीर मंडल रांची ने निकाली शोभायात्रा सभी धर्म के लोगों का आभार व्यक्त किया

रांची : मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर रविवार को रांची में भक्ति और उल्लास का माहौल दिनभर बना रहा। श्री महावीर मंडल रांची के पूर्व अध्यक्ष श्री राजीव रंजन मिश्रा के नेतृत्व में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए तपोवन मंदिर पहुंची, जहां प्रभु श्रीराम के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालु भगवा परिधान में जय श्रीराम के उद्घोष के साथ शामिल हुए। इस आयोजन में शहर के प्रमुख धार्मिक और सामाजिक कार्यकताओं की भागीदारी ने इसे और भी आकर्षक बना दिया। मौके पर राजकिशोर प्रसाद, कैलाश केसरी, अमरदीप साहू, प्रकाश साहू, डॉ. जीवधान प्रसाद, श्रीराम बानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह, चैती दुर्गापूजा महासमिति के महामंत्री श्री गोपाल पारीक, और सरना समाज के रंजीत उरांव समेत अन्य रामभक्त भी उपस्थित थे। राजीव रंजन मिश्रा ने शोभायात्रा की अपार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रांची में उमड़े राम भक्तों के जनसैलाब के लिए सभी धार्मिक और सामाजिक संगठनों का आभार प्रकट किया। उन्होंने शोभायात्रा को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने में सहयोग देने वाले नेतृत्वकताओं, अखाड़ा धारियों और प्रशासन की सराहना की।

रामनवमी पर शुभ मुहूर्त में हुई पूजा

रांची : चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मयार्दा पुरुषोतम श्रीराम का जन्म हुआ था। तब से इस दिन को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। इस बार राम नवमी का त्योहार 6 अप्रैल, रविवार को मनाया गया। यह त्योहार भगवान राम को समर्पित है और इस दिन मां दुर्गा के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा भी की जाती है। इस बार नवमी तिथि 6 अप्रैल सुबह 11 बजकर 8 मिनट से दोपहर 1 बजकर 39 मिनट तक थी। वहीं, राम नवमी का मध्याह्न मुहूर्त सुबह 11 बजकर 7 मिनट से लेकर से दोपहर 12 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। इस दौरान आप पूजा-पाठ कर सकते हैं। पृथ्वी पर दुष्टों का संहार करने के लिए श्री राम ने लिया था जन्म पौराणिक कथाओं के अनुसार, अयोध्या के राजा दशरथ की तीन पत्नियां थी। सबसे बड़ी रानी कौशल्या ने भगवान राम को जन्म दिया था। वहीं कैकयी ने भरत को और सुमित्रा ने दो जुड़वा बच्चे लक्ष्मण और शत्रुघ्न को जन्म दिया था। भगवान राम विष्णुणजी के सातवें अवतार थे। त्रेता युग में धरती पर आसुरी शक्तियों का प्रकोप और अत्याथचार बढ़ गया। तो श्री हरि ने राजा दशरथ और माता कौशल्यार की संतान के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन दांव पर लगा दिया था। यही वजह है कि भगवान राम के जन्मदिन के रूप में रामनवमी का पर्व मनाया जाता है।

रामनवमी पर भाईचारे की मिसाल, सेंट्रल मोहर्रम कमेटी ने किया अखाड़ों का स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी एक बार फिर अपने गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बन गई, जब रामनवमी के मौके पर सेंट्रल मोहर्रम कमेटी ने मेन रोड स्थित मधुबन मार्केट के सामने शोभायात्रा में शामिल राम भक्तों का भव्य स्वागत किया। कमेटी की ओर से लगाए गए स्वागत शिविर में श्रद्धालुओं को फूल-माला, मोमेंटो, पारंपरिक पगड़ी, फल, चना, पेयजल और कोल्ड ड्रिंक वितरित कर उनका अभिनंदन किया गया। इस आयोजन ने न केवल आपसी सौहार्द का संदेश दिया, बल्कि रांची वाकई हिंदू-मुस्लिम एकता की जीती-जागती मिसाल बन गई। इस अवसर पर सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के सरपरस्त मो. सईद, महासचिव अकीलुर्रहमान, प्रवक्ता मोहम्मद इस्लाम, सचिव मो. तौहीद और उपाध्यक्ष आफताब आलम सहित सभी पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से इस भाईचारे की मिसाल को एक नया आयाम दिया।

झील पक्षी आश्रयाणी पहुंचे वेटलैंड इकोलॉजी के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ गोल्डिन क्वाड्रस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : प्रसिद्ध वेटलैंड इकोलॉजिस्ट एवं सीनियर साइंटिस्ट डॉ. गोल्डिन क्वाड्रस ने शनिवार को झारखंड के एकमात्र रामसर साइट-उधवा झील पक्षी आश्रयाणी का भ्रमण किया। यह आश्रयाणी अंतरराष्ट्रीय महत्व के आर्द्रभूमियों में गिनी जाती है जो प्रवासी पक्षियों की प्रमुख आश्रय स्थली है। इस अवसर पर डॉ. क्वाड्रस ने आश्रयणी क्षेत्र का निरीक्षण किया और जैव विविधता, जल गुणवत्ता, एवं प्रवासी पक्षियों की उपस्थिति की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने कहा कि उधवा झील जैसी आर्द्रभूमियाँ पारिस्थितिक संतुलन और जलवायु नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, और इसका संरक्षण सामूहिक ज़िम्मेदारी है। उधवा बर्ड

सैंक्चुअरी के संरक्षण एवं विकास को लेकर एक विशेष बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, रेंजर पंचम दुबे, एवं वन रक्षकों की उपस्थिति रही। बैठक में उधवा पक्षी आश्रयणी के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने, स्थानीय समुदाय की सहभागिता, तथा अवैध गतिविधियों की रोकथाम जैसे अहम मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। डॉ. क्वाड्रस ने सुझाव दिया कि झील क्षेत्र की नियमित मॉनिटरिंग, पक्षी गणना, और जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रणाली को और अधिक वैज्ञानिक आधार पर किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने झील के चारों ओर अवस्थित गाँवों के लोगों को जागरूक कर उनके साथ मिलकर संरक्षण कार्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उपायुक्त ने सिदो- कान्हू स्टेडियम में ड्राय रन का निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने चौकीदार नियुक्ति प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की आगामी शारीरिक जांच एवं दौड़ की तैयारी को लेकर स्थल निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने जानकारी दी कि चयन प्रक्रिया का अगला चरण 07 अप्रैल 2025 से 12 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 06:00 बजे से सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, स्थानीय स्तर पर संपन्न होगा। शारीरिक दक्षता परीक्षण में शामिल सभी अभ्यर्थियों को समय पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। चौकीदार भर्ती परीक्षा- 2024 विज्ञापन संख्या -01/24, जिसकी लिखित परीक्षा- 19.01.2025 को ली गई थी। लिखित परीक्षा में कुल 946 अभ्यर्थी सफल हुए थे। लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का शारीरिक जांच एवं दौड़ परीक्षण सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज में कल दिनांक 07अप्रैल, 2025 से 12 अप्रैल,

2025 तक प्रातः 6:00 बजे से 10:00 बजे तक कराया जाएगा। शारीरिक दक्षता परीक्षा जांच समिति में अपर समाहर्ता, साहिबगंज, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल, जिला नियोजन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक साहिबगंज एवं श्रम अधीक्षक साहिबगंज है।प्रवेश पत्र तैयार कर एनआईसी के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है, अभ्यर्थी एनआईसी के पोर्टल पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी कार्य सीसी कैमरा की निगरानी में कराया जाएगा। साथ ही वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि रौल नंबर के अनुसार एक बार में 30-30 अभ्यर्थियों को दौड़ाया जाएगा। दौड़ 1600 मीटर का कराया जाएगा। यदि 30-30 के बैच में कोई अभ्यार्थी छूट जाता है, तो उसे अंतिम बैच में दौड़ाया जाएगा। जो अभ्यर्थी 1600 मीटर का दौड़ 5 मिनट में पूरा करेंगे उसे 20 अंक दिया जाएगा। जो अभ्यर्थी 6 मिनट में 1600 मीटर के दौड पूरा करेंगे उसे 10 अंक दिया जाएगा एवं जो अभ्यर्थी 6 मिनट के बाद दौड़ पूरा करेंगे उसे डिसक्वालिफाइड किया जाएगा। अभ्यर्थियों का रौल नंबर और दौड़ नंबर लगाने के लिए ओपन जिम स्थान में 6 टेबल लगाए गए हैं। अभ्यर्थी अपने-अपने रौल नंबर के अनुसार अंकित टेबल में ही जाकर उपस्थिति दर्ज एवं आवश्यक दस्तावेज का सत्यापन कराएगें। ओपन जिम से सत्यापन करने के उपरांत ही दौड़ के लिए अंदर स्टेडियम में अभ्यर्थियों को प्रवेश कराया जाएगा। प्रतिनियुक्त पदाधिकारी अगले राउंड के दौड़ के लिए 30-30 का बैच बनाकर तैयार रखेंगे। उन्होंने बताया कि मीडिया कर्मियों को अंदर जाने के लिए रोक रहेगी। मीडिया कर्मियों को जिला सूचना जनसंपर्क कार्यालय के कर्मियों के द्वारा 5-5 की में संख्या में चंद मिनट के लिए अंदर ले जाया जाएगा। निश्चित स्थान से मीडिया कर्मियों को वीडियोग्राफी/ फोटोग्राफी करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मीडिया ब्रीफिंग सुबह 8:30 बजे और दौड़ परीक्षण के समाप्ति के उपरांत किया जाएगा। ग्राउंड में एक राउंड 400 मीटर का होगा, अभ्यर्थियों को चार राउंड दौड़ पूरा करना होगा। दौड़ में जिसको आगे निकलना है, उसे दाएं तरफ से दौड़कर आगे बढ़ेंगे।

राजमहल में रामनवमी शोभायात्रा का हुआ आयोजन, भक्तों का उत्साह चरम पर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में रविवार को राजमहल में रामनवमी के पावन अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा मंडाई से प्रारंभ होकर सूर्यदेव घाट तक पहुँची, जहाँ भक्तों ने भगवान राम की आराधना की। शोभायात्रा में युवाओं का जोश देखने लायक था। जय भवानी के उद्घोष के साथ युवाओं ने पूरे मार्ग में धार्मिक उत्साह का परिचय दिया। युवाओं ने शोभायात्रा में लाठी एवं विभिन्न हथियार से कलाबाजी दिखाते हुए शक्ति प्रदर्शन भी किया मार्ग में आने वाले लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया और श्रद्धालुओं को शीतल जल व पेय पदार्थों से सेवा की। स्थानीय पुलिस ने भी शोभायात्रा को सुचारु रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सक्रियता और सहयोग की सभी ने सराहना की। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष पंकज राय ने बताया कि इस शोभायात्रा की सफलता में कालीचरण मंडल, कुमुद राय, इंद्रदेव राय, संत घोष, शिवा राय, ध्रुव साहा सहित अनेक युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

'जय श्री राम' के नारों से गूंजा अमड़ापाड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत अमड़ापाड़ा बाजार में राम नवमी के शुभ अवसर पर भव्य जुलूस निकाला गया। इस दौरान आस पास का पूरा क्षेत्र जय श्री राम के नारों से गूंजता रहा। इस जुलूस में बच्चे बुढ़े और सैकड़ो की तादात में युवा भी

शामिल हुए। श्री राम नाम के जयकारे से पूरा वातावरण गुंज उठा। अमड़ापाड़ा में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर बज रहे रामजी की निकली सवारी पर जुलूस में शामिल युवा थिरकते नजर आए। भगवाधारी युवाओं की टोली में शामिल भगवा झंडा लिए युवाओं ने बताया कि सनातन धर्म की भी रक्षा करनी है, और राष्ट्र सेवा में किसी तरह की कमी न रह जाय, इसका भी ध्यान रखना है। जुलूस में शामिल सभी युवाओं के पास भगवा रंग का गमछा, और हाथों में झंडा-पताका था। जुलूस में शामिल सभी लोग जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। जिसे सुन कर पूरा माहौल भगवामय हो गया। एक ही नारा एक ही नाम, जय श्री राम, जय श्री राम, भारत माता की जय आदि नारों की गूंज से पूरा परिदृश्य ही बदल गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार राम नवमी का जुलूस स्थानीय बाजार बजरंगबली मंदिर से शाम के 5 बजे निकाला गया। जुलूस पोखरिया चॉक-पोखरिया रोड- पोखरिया चॉक से दुर्गा मंदिर से होते हुए लखी मंदिर के रास्ते वापस बजरंगबली मंदिर पर समापन किया गया। रामनवमी जुलूस के साथ महेशपुर एसडीपीओ, बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी के अलावा पुलिस के जवान राम भक्तों के साथ सुरक्षा व्यवस्था में लगें रहे। थाने की गश्ती वाहन के अलावे एक एम्बुलेंस भी जुलूस के पीछे चलती रही।

टेस्ला के आने से बढ़ेगा भारत में ईवी बाजार, प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंतित नहीं: बीएमडब्ल्यू

कंपनी के अ धिकरी ने कहा, भारत में दो ब्रांड बीएमडब्ल्यू और मिनी के तहत कुल 1,249 इलेक्ट्रिक कार बेच चुके हैं

नई दिल्ली।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा है कि वह भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में टेस्ला के आने की संभावना को लेकर चिंतित नहीं है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का मानना है कि टेस्ला के आने से इस खंड को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा के समूह भारत में दो ब्रांड बीएमडब्ल्यू और मिनी के तहत कुल 1,249 इलेक्ट्रिक कार बेच चुका है। 2025 की पहली तिमाही में कंपनी पहले ही 646 इकाइयां बेच चुकी है। उन्होंने कहा कि हमने भारत में अपनी कुल बिक्री में से 15 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन के जरिये हासिल करने का अनुमान लगाया है। मुझे लगता है कि बाजार बढ़ना चाहिए। जब भी अधिक प्रतिस्पर्धा होती है, तो हमने देखा है कि बाजार बढ़ता है। उनसे पूछा गया था कि टेस्ला के भारत में प्रवेश करने के साथ ईवी बाजार कैसे आकार लेगा और इसपर बीएमडब्ल्यू का क्या रुख रहेगा। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता से प्रतिस्पर्धा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी बाजारों में, हम साथ-साथ मौजूद हैं। आप पिछले साल दुनियाभर के आंकड़े देख सकते हैं, हम ही हैं जो आगे बढ़ रहे थे। वैश्विक स्तर पर हमारी ईवी की बिक्री बढ़ी है। उन्होंने कहा कि बहुत अधिक विनिर्माता इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में वृद्धि के बारे में बात नहीं कर सकते हैं। वर्ष 2024 में बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने कुल 4,26,594 पूर्ण-इलेक्ट्रिक वाहन बेचे और ईवी की बिक्री में उसने 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। बीएमडब्ल्यू और मिनी दोनों ब्रांड ने क्रमशः 3,68,523 इकाइयों (11.6 प्रतिशत) और 56,181 इकाइयों (24.3 प्रतिशत) के साथ इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री में दो अंकीय वृद्धि दर्ज की।

स्टैंड-अप इंडिया योजना में स्वीकृत की गई लोन राशि बढ़कर 61,020.41 करोड़ रुपये हुई

नई दिल्ली।

स्टैंड-अप इंडिया योजना ने बीते कुछ वर्षों में शानदार वृद्धि दर्ज की है, इसके तहत स्वीकृत की गई कुल लोन राशि 31 मार्च, 2019 को 16,085.07 करोड़ रुपये से बढ़कर 17 मार्च, 2025 तक 61,020.41 करोड़ रुपये हो गई है। इसकी जानकारी केंद्र की ओर से दी गई। इस अवधि में एससी खाते 9,399 से बढ़कर 46,248 हो गए, जबकि लोन राशि 1,826.21 करोड़ से बढ़कर 9,747.11 करोड़ रुपये हो गई। एसटी खाते 2,841 से बढ़कर 15,228 हो गए, जबकि स्वीकृत किए गए लोन 574.65 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,244.07 करोड़ रुपये हो गए। वित्त मंत्रालय ने कहा, 2018 से 2024 तक महिला उद्यमियों के खाते 55,644 से बढ़कर 1,90,844 हो गए, जबकि स्वीकृत की गई राशि 12,452.37 करोड़ रुपये से बढ़कर 43,984.10 करोड़ रुपये हो गई।

स्टैंड-अप इंडिया योजना परिवर्तनकारी पहल रही है, जो एससी, एसटी और महिला उद्यमियों को उनके व्यावसायिक विचारों को वास्तविकता में बदलने का मौका देती है।

मंत्रालय ने बताया, लोन स्वीकृति और वितरण में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ योजना समावेशी विकास को बढ़ावा देना जारी रखती है। योजना केवल लोन को लेकर नहीं है, बल्कि यह अवसर पैदा करने, बदलाव लाने और आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने को लेकर भी है। 5 अप्रैल, 2016 को अपनी शुरुआत के बाद से, स्टैंड-अप इंडिया योजना एससी, एसटी और महिला उद्यमियों को सशक्त बना रही है। योजना का मकसद नए व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंक लोन प्रदान कर बाधाओं को दूर करना है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, बीते 7 वर्षों में, योजना ने न केवल व्यवसायों को फंड उपलब्ध करवाया बल्कि लाखों लोगों के सपनों को भी पूरा किया। इसके साथ ही आजीविका का सृजन करते हुए पूरे भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा दिया है। स्टैंड-अप इंडिया योजना ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए प्रत्येक बैंक शाखा कम से कम एक अनुसूचित जाति (एससी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) उधारकर्ता और कम से कम एक महिला उधारकर्ता को 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच बैंक लोन की सुविधा प्रदान करती है।

यूएसबी-सी चार्जिंग वाली नोवा और नोवा प्रो बाइक्स पेश

नई दिल्ली।

ई-बाइक निर्माता एम्पलेर ने यूएसबी-सी चार्जिंग वाली नोवा और नोवा प्रो बाइक्स पेश की हैं। इन बाइक्स में यूएसबी-सी पोर्ट को फ्रेम में इंटीग्रेट किया गया है, जिससे इन्हें किसी भी लैपटॉप चार्जर या अन्य यूएसबी-सी चार्जिंग डिवाइस से चार्ज किया जा सकता है। इस पोर्ट के जरिए गैजेट्स को भी चार्ज किया जा सकता है, हालांकि यह सुविधा अभी केवल यूरोप के लिए उपलब्ध है। एम्पलेर की नोवा सीरीज की बाइक्स में 48वी 336 डब्ल्यूएच की इंटीग्रेटेड बैटरी दी गई है, जिसे यूएसबी-सी पीडी 3.1 चार्जर की मदद से महज तीन घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है। आमतौर पर इतनी क्षमता की बैटरी को चार्ज होने में पांच घंटे या उससे ज्यादा का समय लग जाता है, लेकिन नई तकनीक के जरिए यह प्रक्रिया तेज हो गई है। 240 वॉट यूएसबी-सी चार्जर आने से चार्जिंग और भी तेज हो सकती है। कंपनी ने इन बाइक्स को आईकेईए और मेकबुक चार्जर के साथ भी टेस्ट किया है। यदि ग्राहक के पास संगत चार्जर नहीं है, तो एम्पलेर 80 में 140 वॉट यूएसबी-सी पीडी 3.1 चार्जर उपलब्ध कराएगा। नोवा और नोवा प्रो बाइक्स यूके, ईयू और स्विट्जरलैंड में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध हैं और इनकी शिपिंग जून 2025 से शुरू होगी। कंपनी ने जर्मनी में सर्विस सेंटर्स और यूरोप में एम्पलेर फ्रेंडली वर्कशॉप्स का एक नेटवर्क तैयार किया है। हर बाइक के साथ दो साल की वारंटी और 14 दिनों की रिटर्न पॉलिसी दी जा रही है। बता दें कि दुनियाभर में इलेक्ट्रिक बाइक्स की मांग तेजी से बढ़ रही है और अब लोग ग्रीन मोबिलिटी की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ चार्जिंग की समस्या बनी हुई है, जिससे पेट्रोल वाहनों की तुलना में इनकी बिक्री अब भी कम है।

राजस्थान में रीको 533 औद्योगिक भूखंडों का करेगा आवंटन

7 अप्रैल से शुरू होगी प्रक्रिया

जयपुर।

राजस्थान में औद्योगिक विकास के लिए राजस्थान इंडस्ट्रियल विकास एवं निवेश कॉर्पोरेशन लिमिटेड (रीको) ने राजस्थान में पूंजी निवेश करने वाले उद्योगपतियों, औद्योगिक समूहों और निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। राजस्थान सरकार के तहत रीको इस माह 533 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन करेगा। इन भूखंडों का आवंटन करने की प्रक्रिया 7 अप्रैल से शुरू होगी और ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल, 2025 तक रखी गई है। रीको ने एक बड़े पूल के माध्यम से 103 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया था, जिससे उसे 353 करोड़ रुपए की आय हुई थी। अब, आवंटन हो रहे इन भूखंडों की बिक्री से रीको को करोड़ों रुपए की राजस्व आय होने की संभावना है। इन भूखंडों का आवंटन किया जाने वाला है वे काफी प्रीमियम प्रॉपर्टीज हैं, जो राजस्थान के औद्योगिक विकास को एक नई ऊँचाई देंगे।

आवंटन की गई इन 533 औद्योगिक भूखंडों में आबूरोड, अजमेर, अलवर, भिवाड़ी, बोरानाड़ा, दौसा, बिलौठ, जयपुर, जोधपुर, किशनगढ़, मंडोर, और नीमराना शहरों में समाहित है। इसके अलावा, बालोतरा, झालावाड़, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू, नागौर, पाली, जालोर, राजसमंद, झुंझुनूं, कोटा, सीकर, श्रीगंगानगर, उदयपुर और सवाई माधोपुर क्षेत्रों में औद्योगिक प्लॉट्स भी उपलब्ध हैं। रिको की टर्म लोन स्कीम के तहत, निवेशक भूमि की लागत का 75 फीसदी राशि का ऋण ले सकेंगे, जिसके लिए उन्हें 8.5 फीसदी ब्याज दर के साथ भुगतान करना होगा। कुल राशि का 25 फीसदपी जमा करने के बाद, उन्हें शेष राशि का भुगतान 11 किस्तों में किया जा सकेगा। इसके साथ ही, रीको नॉन इंडस्ट्रियल प्लॉट की आवंटन प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू होने की संभावना है।

रीको द्वारा उठाए गए कदम से राजस्थान में युवाओं के लिए नोकरी के अवसरों में भी वृद्धि होने की संभावना है, जो राजस्थान के औद्योगिक विकास को पुनर्जीवित कर सकती है।

आरबीआई की समीक्षा बैठक के फैसले पर रहेगी बाजार की नजर

भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और गहराने की संभावना

मुंबई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ में ज्यादा बढ़ोतरी किये जाने से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध गहराने एवं आर्थिक मंदी की आशंका में बीते सप्ताह ढाई प्रतिशत से अधिक की गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निर्णय पर नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार नए वित्तीय वर्ष 2025-26 की शुरुआत धीमी रही है, जिसका प्रमुख कारण अमेरिका द्वारा अपेक्षा से अधिक टैरिफ लगाया जाना है। इससे आईटी और धातु जैसे क्षेत्रों ने व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं और संभावित जवाबी व्यापार कदमों की आशंका को दर्शाता है। निवेशक अब वैश्विक व्यापार साझेदारों की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई पर करीबी नजर बनाए हुए हैं, जिससे भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता और गहराने की संभावना है। इस सतर्क रुख का असर सोने और बॉन्ड जैसी निवेश के लिए सुरक्षित गंतव्य मानी जाने वाली परिसंपत्तियों की ओर बढ़ते झुकाव में भी देखा जा रहा है, जहां कीमतों में निरंतर तेजी बनी हुई है। वहीं भारत पर लगाए गए टैरिफ की दर अन्य एशियाई देशों की तुलना में कम रही है, जो बाजार के लिए कुछ राहत की बात है। साथ ही निवेशकों की निगाहें आरबीआई की चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की बैठक पर भी टिकी हैं। यदि फैसला अनुकूल रहता है, तो ब्याज दर के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों को इसका लाभ मिल सकता है। इसके अलावा, भारत की महंगाई के आंकड़े और अमेरिका में बेरोजगारी के दावे जैसे प्रमुख मैक्रोइकोनॉमिक संकेतकों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी क्योंकि ये आंकड़े दोनों देशों की आर्थिक स्थिति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी बीच निवेशकों का फोकस धीरे-धीरे 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनियों के तिमाही परिणाम की ओर बढ़ रहा है। शुरुआती संकेतों से यह स्पष्ट है कि आय में वृद्धि की गति सुस्त रह सकती है क्योंकि मांग में कमजोरी और लागत दबाव के चलते कंपनियों के मार्जिन प्रभावित हो सकते हैं। विशेष रूप से आईटी क्षेत्र की आय कमजोर रहने की आशंका जताई जा रही है।

सिक्किम: भारत का एकमात्र राज्य जिसे नहीं देना होता कोई टैक्स

नई दिल्ली। भारत में इनकम टैक्स का मोर्चा हमेशा चर्चा का विषय रहता है। लेकिन सिक्किम एक ऐसा राज्य है जहां नागरिकों को कोई टैक्स नहीं देना होता है। यह इसलिए है क्योंकि इस राज्य में लागू किए गए खास कानूनों के तहत कोई भी व्यक्ति को भारत सरकार को आयकर नहीं देना होता है। सिक्किम को 1975 में भारत में विलय किया गया था और वादा किया था कि इस राज्य के पुराने कानून और विशेष दर्जे बरकरार रहेंगे। जिसे 1948 का सिक्किम आयकर मैनुअल सुनिश्चित करता है। इस नियम के अनुसार, सिक्किम के रहने वाले सभी नागरिकों को टैक्स मुक्ति प्राप्त है। वर्ष 2008 में सिक्किम के लिए केन्द्रीय बजट में एक विशेष अनुमान शामिल किया गया जिसने राज्य के 94 फीसदी से अधिक लोगों को आयकर से छूट दी। इसके अलावा, सिक्किम के व्यक्तियों को शेयरों पर डिविडेंड और अर्जित आय पर भी छूट प्राप्त होती है। सिक्किम का यह विशेष दर्जा यहां के नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत है। आम व्यक्ति इस सिक्किमी निवासी सुविधा का अच्छे से अच्छे विकल्पों के साथ लाभ उठा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2008 में सिक्किम के कर कानून निरस्त कर दिए गए। उस वर्ष केंद्रीय बजट में धारा 10 डालकर राज्य के निवासियों को टैक्स से छूट दी गई।

हुंडई ने घरेलू बाजार में की 5,98,666 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा को पीछे छोड़ते हुए वित्त वर्ष 2024-25 में हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी स्थिति बनाए रखी है। हुंडई मोटर कंपनी ने घरेलू बाजार में 5,98,666 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जबकि टाटा मोटर्स की बिक्री 5,53,585 यूनिट्स और महिंद्रा की बिक्री 5,51,487 यूनिट्स रही। हुंडई की इस सफलता में एसयूवी सेगमेंट का बड़ा योगदान रहा, जो कंपनी की कुल घरेलू बिक्री का 68.5प्रतिशत हिस्सा रहा। हुंडई की एसयूवी रेंज में एक्सटेर, वेन्यू, क्रेटा, अल्काजार और टूकसन जैसी लोकप्रिय गाड़ियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी ने एफवाय25 में 1,63,386 यूनिट्स का निर्यात किया, जिससे भारत हुंडई मोटर कंपनी का एक प्रमुख ग्लोबल एक्सपोर्ट हब बन गया है। हुंडई मोटर इंडिया के व्होल टाइम डायरेक्टर और सीओओ तरुण गर्ग ने इस उपलब्धि को ग्राहकों के विश्वास और कंपनी की रणनीतिक योजनाओं का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि इस साल हयूदै क्रेटा इलेक्ट्रिक और नई अल्काजार जैसे मॉडल्स के साथ एसयूवी पोर्टफोलियो और मजबूत हुआ है। गर्ग ने यह भी जानकारी दी कि कंपनी अब तक भारत में 25 लाख एसयूवी और 15 लाख क्रेटा गाड़ियों की बिक्री का रिकॉर्ड पार कर चुकी है। एफवाय24 में कंपनी ने 6,14,721 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 1,63,155 यूनिट्स के निर्यात का आंकड़ा छुआ था।

अमेरिकी राष्ट्रपति के शुल्क लगाने से एफपीआई पर पड़ा भारी दबाव

एफपीआई ने चार कारोबारी सत्रों में शेयरों से निकाले 10,355 करोड़

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुल्क लगाए जाने से दुनिया भर के निवेशकों को परेशानी में डाल दिया है। ट्रंप की शुल्क नीति ने भारतीय शेयर बाजार में उथल-पुथल मचा दी है, जिसका सीधा प्रभाव विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) पर पड़ रहा है। एफपीआई ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजार से लगभग 10,355 करोड़ रुपये निकाले हैं, जिससे मार्च महीने में उनकी कुल निकासी 3,973 करोड़ रुपये रही है। इससे पहले, वे फरवरी में भारत से 34,574 करोड़ रुपये निकाल चुके थे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक और बीडीओ इंडिया के भागीदार भारतीय शेयरों से पैसे निकाले जाने पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। इन घटनाक्रमों के प्रभाव से अमेरिकी बाजारों में भी भारी गिरावट आई है, और वैश्विक व्यापार और आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ सकता है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए डॉलर की मजबूती के लिए भी चिंता है, जो पूंजी प्रवाह को सकारात्मक रूप में प्रदान कर सकता है। एफपीआई की कुल निकासी अब 1.27 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है, जबकि वे बॉन्ड और ऋण बाजार से 556 करोड़ रुपये और प्रतिधारण मार्ग से 4,038 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। विदेशी शुल्कों के बढ़ने से भारत और अन्य देशों पर महंगाई बढ़ने की संभावना है, जिससे वैश्विक व्यापार और आर्थिक वृद्धि पर असर देखने की संभावना है। मामूली गिरावट से अभी तक प्रभावित होने वाले विदेशी निवेशक और बाजारों को अब अज्ञात भविष्य का मुकाबला करना होगा।

सेंसेक्स की शीर्ष नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.94 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही

मुंबई।

पिछले सप्ताह कम कारोबारी सत्रों के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,94,170.16 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। भारती एयरटेल एकमात्र कंपनी रही, जिसकी बाजार हैसियत बढ़ी है। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 1,10,351.67 करोड़ रुपये घटकर 11,93,769.89 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 95,132.58 करोड़ रुपये घटकर 16,30,244.96 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 49,050.04 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 6,03,178.45 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 14,127.07 करोड़ रुपये घटकर 5,40,588.05 करोड़ रुपये रही। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 9,503.66 करोड़ रुपये घटकर 9,43,264.95 करोड़ रुपये पर आ गया। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 8,800.05 करोड़ रुपये घटकर 13,90,408.68 करोड़ रुपये पर

और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 3,500.89 करोड़ रुपये घटकर 5,27,354.01 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,391.35 करोड़ रुपये घटकर 6,85,232.33 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 312.85 करोड़ रुपये घटकर 5,12,515.78 करोड़ रुपये पर आ गई। इस रुख के विपरीत भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 7,013.59 करोड़ रुपये बढ़कर 9,94,019.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

संसदीय समिति की आलोचना- जिला खनिज फाउंडेशन कोष के स्थानांतरण पर चिंता

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने अपनी रिपोर्ट में दर्ज किया है कि देश के कई राज्यों में जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) कोष को खनन प्रभावित क्षेत्रों के कल्याण के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए स्थानांतरित करने पर चिंता जताई है। समिति ने बताया कि कुछ राज्यों में डीएमएफ कोष का अन्यत्र इस्तेमाल हो रहा है, जो उसके मूल उद्देश्य से भिन्न है। डीएमएफ कोष का मूल उद्देश्य है खनन से प्रभावित प्रत्येक भारतीय जिले के लिए एक गैर-लाभकारी सांविधिक कोष होना। संसद की रिपोर्ट में कहा गया है कि कई राज्यों में डीएमएफ कोष को निर्धारित उद्देश्यों के अलावा अन्यत्र इस्तेमाल होने के साथ-साथ इसका हस्तांतरण राज्य के खजाने या राज्यस्तरीय कोष में किया जा रहा है, जो खनन अधिनियम की मूल भावना का उल्लंघन करता है। कमेटी ने इसे विफलता और कानूनी अनियमितियों के रूप में देखा है।

अमेरिका ने 10 फीसदी टैरिफ की वसूली शुरू की

यह शुल्क अमेरिकी बंदरगाहों, हवाई अड्डों और कस्टम गोदामों पर हुआ लागू

नई दिल्ली।

अमेरिका ने शनिवार से डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित 10 फीसदी टैरिफ (शुल्क) की वसूली शुरू कर दी है। ये शुल्क उन देशों से आने वाले सभी आयात पर लागू हो गया है जिनसे अमेरिका का व्यापार है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह शुल्क अमेरिकी बंदरगाहों, हवाई अड्डों और कस्टम गोदामों पर शनिवार सुबह 12:01 बजे (ईटी समयानुसार) से लागू हो गया। इसके साथ ही ट्रंप प्रशासन ने दूसरे चरण में 57 बड़े व्यापारिक साझेदार देशों पर और ज्यादा शुल्क लगाने का ऐलान किया है, जो अगले बुधवार से प्रभावी होंगे। पूर्व व्हाइट हाउस ट्रेड सलाहकार केली एन शॉ ने इसे हमारे जीवन का सबसे बड़ा व्यापारिक फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला भविष्य में बदलेगा, जब देश अमेरिका से बातचीत करके टैरिफ कम कराने की कोशिश करेंगे। ट्रंप के इस फैसले का असर ग्लोबल मार्केट पर साफ दिखा। बुधवार को ऐलान के बाद सिर्फ दो दिनों में एसएंडपी 500 इंडेक्स की कंपनियों में 5 ट्रिलियन डॉलर की गिरावट दर्ज हुई। तेल और अन्य कमोडिटीज के दाम गिरे और निवेशकों ने सरकारी बॉन्ड्स को सुरक्षित विकल्प मानकर खरीदना शुरू कर दिया। ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, ब्राजील, कोलंबिया, अर्जेंटीना और सऊदी अरब जैसे देशों पर यह 10 फीसदी टैरिफ पहले ही लागू हो गया है, जबकि इनका पिछले साल अमेरिका के साथ व्यापार घाटा नहीं था। व्हाइट हाउस का कहना है कि अगर इन देशों की नीतियां निष्पक्ष होतीं, तो व्यापार घाटा और बड़ा होता। अमेरिकी कस्टम एजेंसी ने बताया कि जिन मालवाहक जहाजों ने टैरिफ लागू होने से पहले लोडिंग या ट्रांजिट शुरू कर दिया है, उन्हें 51 दिन की छूट मिलेगी। यानी अगर वे 27 मई तक अमेरिका पहुंचते हैं तो उन्हें 10 फीसदी शुल्क नहीं देना होगा। बुधवार से ट्रंप की

रिसिप्रोकल टैरिफ नीति के तहत 11 से 50 फीसदी तक का शुल्क शुरू होगा। यूरोपियन यूनियन पर 20 फीसदी, चीन पर 34 फीसदी और वियतनाम पर 46 फीसदी टैरिफ लगेगा। इससे चीन पर कुल शुल्क 54 फीसदी तक पहुंच जाएगा। चीन ने ट्रंप के फैसले को लेकर कहा कि बाजार ने जवाब दे दिया है चीन ने भी अमेरिका के सामानों पर 34 फीसदी का टैरिफ लगाया है और कुछ दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर रोक लगाई है। इधर ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह एक आर्थिक क्रांति है और हम जीतेंगे।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद

कंपनी बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और नए मॉडल पेश करने की बना रही योजना

नई दिल्ली।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने चालू वित्त वर्ष में भी अपनी बिक्री में वृद्धि की रफ्तार कायम रखने की उम्मीद जताई है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की योजना है चालू वित्त वर्ष में अपने बिक्री नेटवर्क का विस्तार करने और नए मॉडलों की पेशकश करने की। वाधवा ने बताया कि कंपनी अपने एसयूवी और एमपीवी वाहनों की मांग मजबूत रखने की उम्मीद रख रही है। उन्होंने इस बारे में कहा कि कंपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और कार्बन निरपेक्षता के मामले में अपनी प्रतिबद्धता के तहत विद्युतीकरण की संभावना देख रही है। उन्होंने यह भी जताया कि कंपनी स्थिति मजबूत करने और वाहन बाजार में अधिक भूमिका निभाने के लिए बढ़े हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी देश के ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में अपनी उपस्थिति का विस्तार भी करना चाहती है। अे धिकारी ने बताया कि कंपनी द्वारा निर्यात में भी अच्छी वृद्धि देखी जा रही है और उनकी योजना है कि वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात को और भी बढ़ावा दें। टीकेएम ने जारी किया यह बड़ा लक्ष्य और उनकी योजनाओं में तेजी और भरोसा देखा जा रहा है।

एक लीटर पेट्रोल में 73 किमी का माइलेज देती है हीरो बाइक

नई दिल्ली। अगर आप ऑफिस आने-जाने के लिए फ्यूल एफिशिएंट बाइक की तलाश में हैं, तो हीरो स्प्लेंडर प्लस एक्सटेक 2.0 आपके लिए एक बेहतरीन चॉइस हो सकती है। हीरो मोटोकॉर्प की इस बाइक की दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 83,571 रुपए है। आरटीओ, इंश्योरेंस और अन्य चार्ज जोड़ने पर इसकी ऑन-रोड कीमत राज्य अनुसार अलग-अलग हो सकती है, लेकिन यह फिर भी 84,000 रुपए से कम में आ सकती है। हीरो स्प्लेंडर प्लस एक्सटेक 2.0 में 9.8 लीटर का फ्यूल टैंक है और कंपनी का दावा है कि यह बाइक अराई सर्टिफिकेशन के अनुसार एक लीटर पेट्रोल में 73 किलोमीटर का माइलेज देती है। यानी फुल टैंक पर यह बाइक लगभग 715 किलोमीटर तक चल सकती है। हालांकि, असली माइलेज सड़क की स्थिति और राइडिंग स्टाइल पर निर्भर करता है। इस बाइक में 97.2 सीसी का 4-स्ट्रोक, एयर-कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है जो पावरफुल परफॉर्मेंस के साथ अच्छी ईंधन दक्षता भी देता है। ब्रेकिंग के लिए फ्रंट और रियर दोनों में ड्रम ब्रेक्स दिए गए हैं। बाइक के फीचर्स भी काफी आधुनिक हैं। इसमें फुल डिजिटल मीटर, रियल टाइम माइलेज इंडिकेटर, इको इंडिकेटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ कॉल और एसएमएस अलर्ट, और हजार्ड लाइट जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

राम जन्मोत्सव पर पटना महावीर मंदिर में फूलों की बारिश

पटना। रामनवमी पर पटना समेत बिहार के मंदिरों में भक्तों की भीड़ है। शनिवार की रात 2 बजे पटना महावीर मंदिर के पट खुले। पट खुलते ही 'जय सियाराम' और 'जय हनुमान' के जयकारे से मंदिर गूंज उठा। ढोल-नगाड़े के साथ भगवान राम और हनुमान जी की आरती हुई। इसके बाद हनुमान जी के दोनों विग्रहों की विधि-विधान से पूजा हुई। दोपहर 12 बजे भगवान राम के जन्मोत्सव पर फूलों की बारिश की गई। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान महावीर मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की। दर्शन के लिए भक्तों की 4 KM लंबी लाइन लगी है। करीब 10 हजार लोग लाइन में खड़े हैं। अभी तक करीब 50 हजार भक्त दर्शन कर चुके हैं। रात 12 बजे तक 5 लाख श्रद्धालुओं के दर्शन करने की उम्मीद है। भक्तों की भीड़ शनिवार शाम से ही जुटने लगी थी। रात 10 बजे तक जीपीओ गोलंबर तक और 12 बजे तक वीर कुंवर सिंह पार्क तक कतार पहुंच गई थी। मंदिर के बाहर नैवेद्यम लड्डू के 13 काउंटर खोले गए हैं। 25 हजार किलो नैवेद्यम तैयार किया गया है। रविवार को 12 बजे दिन में रामनवमी पूजा के बाद सभी ध्वज बदले जाएंगे और दिन के डेढ़ बजे जन्म आरती होगी। आरती में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान समेत कई गणमान्य शामिल होंगे। रामनवमी पर पटना में 2200 पुलिस फोर्स तैनात किया गया है।

पटना सिटी के प्राचीन जल्ला हनुमान मंदिर में रामनवमी के अवसर पर पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमर पड़ी। रविवार की अहले सुबह लगभग 3 बजे मंदिर का पट आम लोगों के दर्शन और पूजा के लिए खोल दिया गया था। सुबह से ही भक्तों की लंबी लाइन लगी है। मंदिर परिसर के आसपास लगभग 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं। वहीं पटना के दरोगा राय पथ स्थित श्री प्रेम निधि रूप कला स्मारक पंच मंदिर में रामनवमी को लेकर भव्य आयोजन किया गया है। 30 मार्च से ही वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा मंदिर में रामचरित मानस का नवाह पाठ किया जा रहा है। रामनवमी के बाद कल यानी रविवार 7 अप्रैल से 10 अप्रैल तक भगवान राम का भजन और सोहर गाने की तैयारी है. इसके बाद 11 तारीख को रात्रि 9 बजे रामलला की भव्य छट्ठी मनाई जाएगी। रामनवमी पर गया शहर के लखीबाग मोड़ स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में सुबह 4 बजे भक्तों भीड़ उमड़ी पड़ी है। मंदिर का पट सुबह 4 बजे खुला। रात तक पूजन-दर्शन होंगे। सड़कों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी है। वहीं बेगूसराय के पटेल चौक के पास कल रात से ही पट खुलने के बाद से लोगों की भीड़ उमड़ी हुई है। सुबह 3 बजे से यहां अनुमानित 25 हजार से अधिक लोग दर्शन कर चुके हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर पंकज दराद के मुताबिक,'गया, नालंदा, दरभंगा, समस्तीपुर, नवादा, मुंगेर, खगड़िया, रोहतास और सीवान विशेष रूप से संवेदनशील हैं।'रामनवमी को लेकर पटना जिले में 388 स्थानों पर 503 से अधिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। हर रामनवमी जुलूस को पुलिस एस्कॉर्ट करेगी। इसके साथ ही RAF और SSB की एक-एक कंपनी तैनात की गई है। पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर, पीरबहोर, फुलवारी शरीफ और पटना सिटी सब डिवीजन के इलाके संवेदनशील बताए गए हैं। राजधानी में 53 शोभायात्राएं निकलेंगी पटना में शाम को 53 शोभायात्राएं निकलेंगी, जो पटना के अलग-अलग चौक-चौराहे और सड़कों से होते हुए डाकबंगला चौराहा और फिर हनुमान मंदिर पहुंचेगी। पहली शोभायात्रा कंकड़बाग स्थित साई मंदिर से निकलेगी, जो डाकबंगला स्थित श्रीराम चौक पहुंचेगी, जहां पारंपरिक आरती के साथ उसका स्वागत किया जाएगा। इस साल डाकबंगला स्थित श्रीराम चौक पर भव्य तरीके से मंच सजाया गया है। यहां राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, गिरिराज सिंह समेत कई सांसद, विधायक और मंत्री मौजूद रहेंगे। फ्री बस व्यवस्थाः भक्तों के लिए डाकबंगला से वीर कुंवर सिंह पार्क जाने के लिए फ्री बस की व्यवस्था की गई है। पंडालों में व्यवस्थाः गर्मी से बचाव के लिए बैरिकेडिंग के पास पंडाल की व्यवस्था की गई है। इसमें पंखे और लाइट लगे है। पानी, शरबत और मोबाइल टॉयलेट की भी व्यवस्था की गई है। 14 बड़े एलईडी स्क्रीन लगाई गई है।

पशु तस्करी का भंडाफोड़, 7 मवेशी बरामद

किशनगंज। में पुलिस ने मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बहादुरगंज थाना पुलिस ने अररिया-गलगलिया मुख्य मार्ग (एनएच 327ई) पर गूंजरमारी चौक के पास एक पिकअप वाहन को पकड़ा है। वाहन से कुल 7 मवेशियों को बरामद किया गया है। दो तस्कर गिरफ्तार, पिकअप वैन जब्त थानाध्यक्ष निशाकांत कुमार के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने वैन नंबर WB 73 H 0979 से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में समस्तीपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के धौगामा टोला अरैला निवासी धनराज कुमार (23) और प्रवीण कुमार (19) शामिल हैं। घटना में इस्तेमाल पिकअप वैन को जब्त किया गया है। गलगलिया ले जाते समय धराए तस्कर पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सभी मवेशियों को पिकअप वाहन में भरकर कल्याणपुर हाट से गलगलिया ले जा रहे थे।

दिल्ली में शादी की, समस्तीपुर आकर रेप-अपहरण का लगाया आरोप

समस्तीपुर। हमदोनों एक-दूसरे से प्यार करते थे। शादी भी की। 3 महीने साथ रहे, अब फैमिली के प्रेशर में आकर वो झूठे बयान दे रही है। मेरी पत्नी 2 महीने की प्रेग्नेंट भी है। लेकिन मां-पापा की बातों में आकर अब मेरे साथ नहीं रहना चाहती है।'ये कहना है समस्तीपुर के गुड्डू कुमार (23) का, जिस पर नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ जबरन फिजिकल रिलेशन बनाने का आरोप लगा है।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया

है। घटना जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र की है।गुड्डू कुमार ने बताया कि गांव की नाबालिग से उसका काफी दिनों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। नवंबर 2024 में दोनों घर से फरार हो गए। फिर दिल्ली जाकर दोनों ने शादी रचा ली। दोनों वहां पति-पत्नी की तरह रहने लगे। इस बीच लड़की को उसके परिवार वालों ने बहाने से वापस बुला लिया। आरोपी ने कहा- 'दिल्ली से समस्तीपुर आते ही उसने बयान बदल दिया। मां-पिता की बातों में आकर वह अपना बयान बदल रही है। वो मेरे साथ नहीं रखना चाहती है।'दोनों के गांव से भगाने के बाद लड़की के परिवार वालों ने युवक पर अपहरण का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। इधर दोनों दिल्ली में कपल की तरह रह रहे थे। युवक का दावा है कि नाबालिग डो-ढाई महीने की गर्भवती है। ये सब जानते हुए भी परिवारवालों ने झूठा आरोप लगाकर फंसा दिया।गुड्डू ने बताया कि '10 दिन पहले लड़की के परिजनों ने घर में मांगलिक कार्य का बहाना कर मेरी पत्नी को दिल्ली से रोसड़ा बुला लिया। यहां आकर उसने मेरे खिलाफ बयान दिया।'शुक्रवार को लड़की और परिजन रोसड़ा थाने पहुंचकर बयान दर्ज करवाया कि 'वो अपनी मर्जी से नहीं गई थी, उसका अपहरण हुआ था। 'दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं।

24 घंटे में सिकटा अपहरण कांड का खुलासा

बेतिया। पश्चिम चंपारण में अपहरण की एक बड़ी वारदात को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। बलथर थाना क्षेत्र के भवरी गांव निवासी दुकानदार फरहान आलम का अपहरण गुरुवार को इंडो-नेपाल बॉर्डर स्थित सिकटा बाजार से किया गया था। अपहरणकताओं ने उसके परिजनों से 1.5 लाख रुपये फिरौती की मांग की थी। फरहान के भाई इरफान आलम ने बलथर थाना में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद नरकटियागंज एसडीपीओ जय प्रकाश सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। मैनाटाड़ पुलिस निरीक्षक सरफराज अहमद और थानाध्यक्ष राजरौशन की अगुवाई में तकनीकी निगरानी और सटीक कार्रवाई से पुलिस ने अपहरण की गुत्थी सुलझा ली। बेहरी घाट से सकुशल बरामद, तीन अपहरणकर्ता गिरफ्तार पुलिस ने बॉर्डर क्षेत्र के छपैनिया सरेह के बेहरी घाट से फरहान को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही कुर्सीबरवा गांव के तीन युवकों – अफसर (19), सैनुल्लाह (22) और तैमुल्लाह (20) – को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल और तीन बाइक भी जब्त की हैं। एसडीपीओ जय प्रकाश सिंह ने जानकारी दी कि 3 मई को फरहान अपनी दुकान से घर लौटने के लिए निकला था, लेकिन रात तक नहीं लौटा। अगले दिन दोपहर 12:47 बजे इरफान के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें फिरौती की मांग की गई। पहले इस्तेखार, फिर आसिफ नामक व्यक्ति ने डेढ़ लाख रुपये की फिरौती की मांग की। पुलिस के मुताबिक, मुख्य साजिशकर्ता इस्तेखार अभी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस्तेखार पर पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।पुलिस की तत्परता से परिजनों ने ली राहत की सांस घटना के सफल निष्पादन के बाद इलाके में पुलिस की कार्रवाई की सराहना हो रही है। फरहान के परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस को धन्यवाद दिया और अपराधियों के जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

झारखंड में पिलाया शराब फिर सिर कुचलकर मार डाला

भागलपुर। के रसलपुर थाना क्षेत्र के भोलसर गांव निवासी रॉबिन सिंह की लाश रेलवे ट्रैक के पास मिली थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने एक्शन लेते हुए घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, शनिवार को कहलगांव थाने में मृतक रॉबिन की मां किरण देवी ने एक नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने पहले नामजद आरोपी सुनील कुमार को धर दबोचा। पूछताछ में सुनील कुमार ने कबूल किया कि उसी ने रॉबिन को फोन कर बुलाया था। इसके बाद दो बाइक पर छह लोग उसे झारखंड के सीमावर्ती गांव ले गए। वहां शराब पिलाई और फिर कैरिया पंचायत के सौर गांव के पास रेलवे ट्रैक पर पत्थर से सिर कुचलकर बेरहमी से हत्या कर

दी। हत्या के बाद शव को रेलवे पुल के नीचे फेंक दिया गया, ताकि हादसा दिखाया जा सके। पुलिस ने सुनील की निशानदेही पर जयकरण कुमार, कारू कुमार और अंकित कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में चारों ने जुर्म कबूल कर लिया। रउढड-1 कल्याण आनंद ने पुष्टि की है कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। आरोपी युवकों को रॉबिन की एक लड़की से नजदीकी रास नहीं आई और साजिश रच दी गई। इस हत्याकांड में शामिल दो अन्य युवकों की पहचान भी हो चुकी है।

छपरा-सीवान रेलखंड में चलती ट्रेन में लूट

छपरा। सीवान रेलखंड पर शनिवार देर शाम थावे-टाटानगर एक्सप्रेस में एक बड़ी लूट की वारदात सामने आई है। दाउदपुर और कोपा स्टेशन के बीच बनवार ढाला के पास तीन हथियारबंद बदमाशों ने चलती ट्रेन में यात्रा कर रहे एक युवक से बैग लूट लिया और कूदकर फरार हो गए। हालांकि, स्थानीय ग्रामीणों की मदद से एक बदमाश को पकड़ लिया गया था, लेकिन वह भी बाद में भाग निकला। पीड़ित की पहचान सिवान जिले के पचरुखी थाना क्षेत्र अंतर्गत महम्मदपुर गांव निवासी गुलाम रशीद के रूप में हुई है। रशीद वालीबॉल मैच खेलने टाटा नगर जा रहा था और ट्रेन की बोगी संख्या एस-12 की सीट नंबर 22 पर बैठा था।क्रॉसिंग पर धीमी हुई ट्रेन, मौके का फायदा उठा कर भागे लुटेरे घटना उस समय हुई जब ट्रेन दाउदपुर स्टेशन से आगे बढ़ने के करीब 10 मिनट बाद बनवार ढाला के पास क्रॉसिंग पर धीमी हुई।इसी दौरान तीन बदमाशों ने रशीद से उसका बैग छीना और चलती ट्रेन से कूद गए। यात्रियों ने तत्परता दिखाते हुए चेन पुलिंग कर ट्रेन रोक दी। रशीद भी बिना देर किए ट्रेन से उतरा और बदमाशों का पीछा करने लगा।

बेगूसराय में भाजपा नेता की बेटी पर एसिड अटैक

बेगूसराय। में घर में सोई एक युवती पल्लवी राठौर (24) पर देर रात एसिड अटैक किया गया है। घायल युवती को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बखरी थाना क्षेत्र के बखरी बाजार की है। परिजनों ने फिलहाल किसी से विवाद की बात से इंकार किया है। घायल युवती भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष संजय सिंह की बेटी है। पल्लवी, रात में अपने कमरे में सोई हुई थी। इसी दौरान खिड़की से उस पर एसिड फेंका गया। घटना के तुरंत बाद उसने इसकी जानकारी परिजनों को दी। इस मामले में बेगूसराय रह मनीष ने बताया कि बखरी वार्ड नंबर-23 में युवती पर सोए अवस्था में एसिड फेंका गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने अस्पताल पहुंच कर पूछताछ की। दाहिने साइड चेहरा और बाएं हाथ पर एसिड पड़ा है। घटना को गंभीरता से लेते हुए बखरी ऊढ के नेतृत्व में पुलिस टीम सभी पहलुओं पर छानबीन और आवश्यक कार्रवाई कर रही है। इसके बाद इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घायल युवती के पिता संजय सिंह ने बताया कि रात में हम लोग सोए हुए थे। करीब 2:00 बजे रात में पल्लवी काफी जोर से चिल्लाई। हम लोग दौड़कर पहुंचे तो उसने चेहरे पर जलन बताया। चेहरे पर पानी मारा, उसके कपड़ा पर चिपचिपा पदार्थ लगा हुआ था। उसके बाद हम लोग देखे तो लगा कि एसिड है।

'राहुल गांधी को गया में मिलेगा राजनीतिक मोक्ष

बिहार दौरे पर दिलीप जायसवाल ने कसा तंज, बोले- जहां जाते हैं, वहां कांग्रेस की लुटिया डूबो देते हैं

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे पर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। जहां जाते हैं, वहीं कांग्रेस की लुटिया डूबो देते हैं। छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली हर जगह इनकी हार हुई है। गया मोक्ष की भूमि है। अब अंतिम में बिहार आ रहे हैं। गया होते हुए ही दिल्ली लौटेंगे। उन्हें गया में ही लालू के नाम पर तेजस्वी राजनीति कर रहे वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर कहा, 'दोहरा चरित्र नहीं चलेगा। 2010 में उनके पिताजी ने वक्फ संशोधन बिल की बात की थी। तेजस्वी को चाहिए कि वह अपने पिताजी के विचारों और विरासत को देखें। लोग तेजस्वी को नहीं, लालू प्रसाद यादव को जानते हैं। तेजस्वी उन्हीं के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि तेजस्वी को अपने पूज्य पिताजी से पूछना चाहिए। लोकसभा में उन्होंने इस बिल पर क्या और क्यों कहा था। हमने मिलकर मुस्लिम भाइयों के पक्ष में बात रखी। उसी के तहत यह बिल लाया गया। राष्ट्रपति ने इसे कानून का रूप दिया है। मुस्लिम भाइयों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हमारी फिक्र सिर्फ इतनी है कि वक्फ की संपत्ति पर कोई और कब्जा न कर सके।

संक्षिप्त डायरी

बंशी चाचा की शहादत को याद करेगा बिहार

पटना। मिलर हाई स्कूल मैदान में आगामी 13 अप्रैल को बंसी चाचा का शहादत दिवस मनाया जाएगा। इस आयोजन की तैयारी को लेकर पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने वैशाली के लालगंज स्थित बरका मंदिर परिसर में बैठक की। बैठक में समाज के लोगों, जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकताओं ने भाग लिया।कानू-हलवाई समाज से मंत्री की अपील मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कानू-हलवाई समाज से इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने अपील किया है। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना में इस समाज की जनसंख्या 3.08 प्रतिशत है, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत बहुत कम है, जिससे समाज में असंतोष है।बैठक के दौरान मंत्री गुप्ता ने बताया कि बंसी चाचा की वीरता की गाथा सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं, बल्कि नेपाल तक प्रसिद्ध है। उन्होंने बागमती नदी पर पुल निर्माण के लिए बड़ा सामाजिक आंदोलन चलाया था। राजनीतिक असहमति के बावजूद उन्होंने जनहित में संघर्ष किया और 20 नवंबर 1997 को 75 वर्ष की उम्र में आत्मदाह कर लिया। उनकी शहादत के बाद एनडीए सरकार ने पुल निर्माण का कार्य शुरू किया। मंत्री ने बताया कि उस समय राबड़ी देवी सरकार ने पुल निर्माण की अनुमति नहीं दी थीबैठक में लालगंज विधायक संजय सिंह, भाजपा नेता व अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। मंत्री ने सभी से आग्रह किया कि वे 13 अप्रैल को पटना पहुंचें और शहादत दिवस कार्यक्रम को सफल बनाएं। इसके साथ ही समाज की एकजुटता का परिचय दें।

जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सदस्य संग 26 लोगों का इस्तीफा

पटना। वक्फ संशोधन बिल को लेकर जदयू नेताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। दरभंगा के हायाघाट प्रखंड क्षेत्र के चंदनपट्टी पंचायत अध्यक्ष और जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सदस्य मुर्शिद आलम ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि जेडीयू पार्टी ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन कर मुसलमानों के साथ विश्वासघात किया है। मुर्शीद आलम ने कहा कि जदयू अब भाजपा की सहयोगी नहीं, बल्कि गुलाम बन चुकी है। दोनों की विचारधारा में अब कोई फर्क नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि यह बिल मुसलमानों को सताने, उनके हक छीनने और उन पर जुल्म करने के लिए लाया गया है। जदयू ने इसका समर्थन कर मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। मुर्शिद आलम ने कहा कि जदयू ने भले ही अपने वोट से बिल पास करवा लिया हो, लेकिन मुसलमान अपने वोट से पार्टी को सत्ता से बाहर करेंगे। मुर्शिद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए एक गीत गा रहे हैं और अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे 2005 से जदयू में सक्रिय हैं। समता पार्टी के समय से पार्टी से जुड़े रहे हैं। उमा बाबू के जमाने से पार्टी के साथ काम कर रहे थे। सभी ने अपने पदों से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जदयू को राजनीतिक रूप से खत्म करने के लिए यह काला कानून लाया है।

रामनवमी शोभायात्रा में डीजे बजाने से रोका, भड़के लोग

वैशाली। बिहार के वैशाली में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान डीजे बजाने की अनुमति रद्द होने से स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए हाजीपुर-महनार मार्ग पर सड़क जाम कर दिया। इस वजह से सादुल्लापुर पेट्रोल पंप के पास वाहनों की लम्बी कतार लग गई। हिंदू एकता बल ने किया प्रदर्शनकटरा मोहल्ला हिंदू एकता बल के सदस्यों ने रामनवमी शोभायात्रा के लिए डीजे की व्यवस्था की थी। इस दौरान मौके पहुंची बिदुपुर थाने की पुलिस ने डीजे को हटवा दिया। इससे नाराज होकर कार्यकताओं ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।सड़क जाम, राहगीर परेशानप्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। गर्मी में यात्री परेशान हो रहे हैं। जाम की सूचना मिलते ही गंगा ब्रिज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है। गंगा ब्रिज थाना अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि जिला प्रशासन ने रामनवमी शोभायात्रा में तेज आवाज में डीजे बजाने की अनुमति नहीं दी थी। इसी कारण पुलिस ने कार्रवाई की। हालांकि, इससे नाराज लोगों ने विरोध में सड़क जाम कर दिया है।

झाझा में दो पक्षों के बीच चाकूबाजी, 3 लोग घायल

जमुई । के झाझा स्थित बजरंग चौक पर शनिवार रात एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई चाकूबाजी में एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को झाझा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चाकूबाजी में दोनों पक्षों के लोग घायलपहले पक्ष से किशन कुमार और दूसरे पक्ष से मुकेश कुमार वर्णवाल उन,की मां शारदा देवी घायल हुई हैं। डॉक्टर सदाब अहमद घायलों का इलाज कर रहे हैं। किशन के परिजनों के अनुसार उसके पेट और कमर के नीचे चाकू से हमला किया गया। वहीं, मुकेश के परिजनों ने भी धारदार हथियार से हमले का आरोप लगाया है।घायल किशन के चचेरे भाई मनीष कुमार ने घटना का कारण बताया कि मुकेश ने उनके दादा को धक्का दिया था। विरोध करने पर विवाद शुरू हो गया। किशन जब झगड़ा शांत कराने पहुंचा तो मुकेश ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। दूसरी तरफ, मुकेश के भाई मनोज कुमार वर्णवाल का कहना है कि मामूली विवाद में झगड़ा हुआ। बीच-बचाव करने आई उनकी मां शारदा देवी भी इस दौरान घायल हो गईं। झाझा थाना अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि अभी तक कोई आवेदन नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंच गई और छानबीन में जुट गई है।

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अदभुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता है कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अत- प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतिबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

आईपीएल में मुम्बई और आरसीबी में आज होगा मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से मुकाबला करेगी। मुम्बई का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही लीग में वापसी करना रहेगा। उसे अभी तक चार में से तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टीम को स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा और तिलक वर्मा के खराब प्रदर्शन का खामियाजा भी भुगतना पड़ा है। मुंबई की बल्लेबाजी अभी तक सूर्यकुमार पर टिक है केलव सूर्या ने चार मैच में 177 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने लखनऊ के खिलाफ अर्धशतक लगाया था पर इसके बाद भी टीम जीत नहीं पायी क्योंकि अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ कप्तान हार्दिक पांड्या को छोड़कर उसके अन्य गेंदबाज विफल रहे थे। पांड्या ने ही केवल पांच विकेट लिए थे। मुंबई इंडियंस के लिए राहत की बात ये है कि उसके प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम से जुड़ गए हैं हांलांकि वह खेल पाते हैं या नहीं ये अभी तय नहीं है। ऐसे में मुंबई की टीम को अगर जीत हासिल करनी है तो उसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दूसरी ओर रजत पाटीदारी की कप्तानी में आरसीबी का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिसका उसे लाभ मिलेगा। टीम को स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीदें रहेंगी। उसकी बल्लेबाजी विराट के अलावा फिल साल्ट और देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदारी जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी। टिम डेविड से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। टीम के पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जैसे तेज गेंदबाज हैं पर उसकी कमजोर कड़ी अच्छे स्पिनर का नहीं होना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉप्ले, वीएस पेनमेट्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लियाम लिविंगस्टोन, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह, मोहित राठी, यश दयाल।

रोहित और मैं एक दूसरे पर काफी भरोसा करते हैं : विराट

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट ने कहा है कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा से उनका काफी अच्छा रिश्ता रहा है। दोनो ही एकदूसरे पर काफी भरोसा करते हैं और अब तक के करियर में उनका लक्ष्य टीम की जीत के लिए योगदार देना रहा है। रहा है क्योंकि उन्होंने टीम के लिए मैच जीतने के काम को करने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा किया है। विराट ने आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले कहा, , जब आप इतने लंबे समय तक किसी के साथ खेलते हैं और आप खेल के बारे में विचार साझा करते हैं तो दोस्ती होना स्वाभाविक बात है। शुरुआत में, आप एक-दूसरे से सीख रहे होते है, आप शायद एक ही समय में अपने करियर में आगे बढ़ रहे होते हैं, और आप सभी तरह के सवाल साझा करते हैं। हमने टीम के नेतृत्व के मामले में बहुत करीब से काम किया है। इसलिए हमेशा विचारों पर बात होती थी और हम उस विशेष स्थिति या उस विशेष खेल की मांग को लेकर ही खेलते थे।

इस दोनो ने ही भरतीय टीम के लिए कई मैच जीते हैं और 2013 और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने मिलकर काम किया। इसके अलावा 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के साथ ही टी20 प्रारुप से संन्यास लिया। उन्होंने कहा, एक विश्वास कारक है जो टीम के लिए काम करने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा करने को लेकर बनता है। हमने भारत के लिए इतने लंबे समय तक एक साथ खेलने का आनंद लिया है। हम अपने करियर को इतना लंबा बनाने में सक्षम थे क्योंकि जब हम युवा थे, जैसा कि मैंने कहा, यह पक्का नहीं था कि हम भारत के लिए 15 साल तक खेलने जा रहे हैं। कोहली ने अंत में कहा, यह यात्रा बहुत लंबी और लगातार जारी रही। इसलिए, मैं उन सभी यादों और पलों के लिए बहुत-बहुत आभारी और बहुत खुश हूं, जिन्हें हमने साझा किया है। विराट के इस बयान से उनक बातों पर भी विराम लग गया जिसमें कहा जाता रहा है कि दोनो के बीच मतभेद रहे हैं।

मुम्बई इंडियंस ने आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले बुमराह को शामिल किया

मुंबई (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल खेलने के लिए तैयार हैं। बुमराह को मुंबई इंडियंस ने सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले शामिल किया है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गये थे। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। अब आईपीएल के जरिये बुमराह की वापसी हो रही है। बुमराह पिछले पांच सप्ताह से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब के दौर से गुजर रहे थे। इस तेज गेंदबाज ने मुम्बई के साथ आने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट में साझा की है। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अभ्यास मैच खेलने और उसके बाद मेडिकल टीम से अनुमति मिलने के बाद ही अपनी टीम के शिविर में शामिल हुए है पर अभी भी वह आरसीबी के खिलाफ अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे या नहीं कहा नहीं जा सकता। माना जा रहा है कि आरसीबी के खिलाफ मैच में खेलने का फैसला वह मुख् कोच महेला जयवर्धने से बातचीत के बाद करेंगे। साल 2013 में आईपीएल में पदार्पण करने के बाद से ही बुमराह मुम्बई के मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने टीम की ओर से 133 मैचों में 165 विकेट लिए हैं।

आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर है दिल्ली शीर्ष , सनराइजर्स अंतिम स्थान पर

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 6 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में पहले स्थान पर है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम लगातार तीन मैच हारी है और वह अंकतालिका में 9वें नंबर पर खिसक गई है। वहीं पंजाब किंग्स की लगातार दो जीत के बाद पहली हार मिली है। इस हार से पंजाब की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर फिसल गई है। वहीं राजस्थान रॉयल्स सातवें नंबर पर बनी हुई है। आईपीएल अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स पहले और सनराइजर्स हैदराबाद अंतिम 10वें नंबर पर है। वहीं दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू है। मुंबई इंडियंस 8वें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस की टीम टूर्नामेंट में 3 मैच हारी है। मुंबई के अलावा चेन्नई सुपरकिंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें भी 3-3 मैच हारी हैं। आईपीएल 2025 की ऑरेंज और पर्पल कैप की दौड़ में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे अधिक 201 रन बनाकर पहले नंबर हैं। वहीं भारत के साई सुदर्शन 186 रन व ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श 184 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। इसके अलावा पर्पल कैप की बात करें तो अफगानिस्तान के नूर अहमद 10 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट रेस में सबसे आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 9 व भारत के हार्दिक पंड्या 8 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं।

पंजाब के खिलाफ अपने प्रदर्शन से खुश हैं आर्चर

मोहाली । आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर अपने प्रदर्शन से खुश हैं। आर्चर शुरुआती मैचों में असफल रहे थे पर पंजाब के खिलाफ तीन विकेट लेकर अन्होंने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। आर्चर ने कहा कि दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर विकेट मिलने का उन्हें भरोसा नहीं था। वहीं इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैचों में आर्चर ने काफी रन दिये थे। इसके बाद उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स पर राजस्थान की जीत के दौरान एक विकेट लेकर लय हासिल की। वहीं पंजाब के खिलफ मैच में आर्चर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर को पहले ओवर में आउट कर दिया। पंजाब के खिलाफ 25 रन देकर तीन विकेट लिए। आर्चर ने कहा, मैंने शुरुआत में सोचा कि अगर मैं खिलाड़ियों को अच्छी शुरुआत दे सकता हूं, तो विरोधी टीम पर दबाव बना रहेगा। मुझे लगता है कि गेंद को थोड़ा और स्विंग करना चाहिए था। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह इतना स्विंग नहीं करेगी, लेकिन मैं खुश हूं कि मैं पहली गेंद पर विकेट लेने में सफल रहा और लय में बना रहा।।

सीएसके का ये युवा गेंदबाज धोनी को मानता है क्रिकेटिंग फादर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को टीम के ही एक खिलाड़ी ने अपना क्रिकेटिंग फादर बताया है। ये खिलाड़ी कोई और नहीं, पेसर मथीशा पथिराना हैं। पथिराना ने आईपीएल 2022 में डेब्यू किया था। वे एडम मिल्ने के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम से जुड़े थे और इसके बाद से लगातार सीएसके के लिए गेंदबाजी कर रहे हैं। मथीशा उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन किया था। सीएसके द्वारा जारी डॉक्यूमेंट्री में, पथिराना की मां ने आईपीएल की शुरुआत के बाद से सीएसके के दिग्गज धोनी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, धोनी के बारे में कोई शब्द नहीं हैं। वास्तव में वे भगवान की तरह। मथीशा, जिस तरह से पिता का सम्मान करता है, उसी तरह से वह धोनी का भी सम्मान करता है। पथिराना परिवार के लिए धोनी पिता की तरह हैं। 2022 में जब वे सीएसके का हिस्सा बने तब उन्हें अपने देश में भी ज्यादा लोग नहीं जानते थे। अब वे बड़ा नाम और पैसा कमा चुके हैं। पथिराना कहते हैं, धोनी मेरे पिता की तरह है, क्योंकि जब मैं सीएसकू में होता हूं तब वे मुझे बहुत समर्थन, मार्गदर्शन और सलाह देते हैं।

राजस्थान रॉयल्स की सलामी जोड़ी अद्भुत : माइकल क्लार्क

मुबंई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और टीवी कमेंटेटर माइकल क्लार्क ने टाटा आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी अदभुद है और यह किसी भी मैच में पासा पलटने की कुव्वत रखती है। कुहल फैन्स मैच सेंटर लाइव ऑन जियोहॉटस्टार पर क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल ने आज शानदार प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि वह पहले के मैचों की तुलना में शुरुआत में थोड़ा ज्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स ने उसे आत्मविश्वास दिया और वहीं से गति पकड़ी। अगर आप उसके वैगन व्हील को देखें, तो वह पार्क के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ओर शॉट मारना और उसका कवर ड्राइव उसके पास सभी शॉट हैं। अगर वह खुद को बस कुछ गेंदें दे, यहां तक कि पहले ओवर में ज़मीन पर हिट करने की कोशिश करे, तो वह बहुत विनाशकारी हो सकता है।' उन्होने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स एक अलग टीम है जब उनका ओपनिंग कॉम्बिनेशन आग उगलता है। वे बहुत शक्तिशाली हैं। रियान पराग के बारे में संजय मांजरेकर ने कहा, 'मुझे वाकई लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के लिए रियान पराग की पारी और भी महत्वपूर्ण थी। हां, जायसवाल ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी, लेकिन वह 14वें ओवर में आउट हो गए। उसके बाद, पराग ने अपना समय लिया और मुझे थोड़ी चिंता हुई कि शायद वह बहुत धीमी गति से खेल रहे हैं, लेकिन फिर उन्होंने धमाका कर दिया। अब वह जानते हैं और भरोसा करते हैं कि वह धीमी शुरुआत की भरपाई कर सकते हैं। पहली 13 गेंदों में उनका स्ट्राइक रेट 100 से थोड़ा ज्यादा था। अगली 13-14 गेंदों में यह 200 के करीब था। उस पारी ने राजस्थान रॉयल्स को एक बेहतरीन स्थिति में पहुंचा दिया।'

भारत ने विश्व मुक्केबाजी कप में एक गोल्ड सहित जीते कुल छह पदक

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने ब्राजील के फोज डू इगुआकू में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में अपने अभियान का अंत छह पदक के साथ किया जिसमें हितेश का स्वर्ण पदक भी शामिल है। भारत विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित किसी शीर्ष स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा ले रहा था।

हितेश विश्व मुक्केबाजी कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के ओडेल कामारा चोटिल हो गए थे और शनिवार को 70 किग्रा वर्ग के फाइनल के लिए रिंग में नहीं उतर सके। भारतीय मुक्केबाज अभिनाश जामवाल ने भी 65 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई लेकिन स्थानीय दावेदार यूरी रेइस को कड़ी टक्कर देने के बावजूद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारत के जादुमणि सिंह मंदेंगबाम (50 किग्रा), मनीष राठौड़ (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा) और विशाल (90 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। हितेश ने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय टूर्नामेंट से पहले ब्राजील में आयोजित 10 दिवसीय तैयारी शिविर को दिया जिससे उन्हें और टीम को बहुत मदद मिली।

हितेश ने कहा, 'शिविर ने मुझे कुछ रणनीतिक बारीकियां सीखने में मदद की जिससे मुझे प्रतियोगिता में बहुत मदद मिली। इस टूर्नामेंट ने हमें उच्चतम स्तर का अनुभव प्रदान किया और मुझे खुशी है कि मैं स्वर्ण पदक जीत सका।'

भारत ने विश्व मुक्केबाजी कप में 10 सदस्यीय दल उतारा था जो पेरिस ओलंपिक के बाद टीम का पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था। इस मजबूत प्रदर्शन से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा क्योंकि वे 2028 लॉस एंजिलिस खेलों से पहले ओलंपिक चक्र की तैयारी भी शुरू करेंगे।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम शतरंज चैम्पियनशिप में अब मिलेगी अधिक इनामी राशि

लंदन । डूयूसेल्डॉर्फ 2023 और अस्ताना 2024 के बाद अब फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम शतरंज चैम्पियनशिप का अगला संस्करण लंदन में 10 जून से 16 जून तक आयोजित किया जाएगा। इस बार का इनामी राशि भी बढ़ाकर 5 लाख यूरो (करीब 4.5 करोड़) कर दी गयी है। रैपिड के लिए 3,10,000 यूरो और ब्लिट्ज के लिए 1,90,000 यूरो की राशि रखी गई है। वहीं इस बार ब्लिट्ज़ के लिए एक नया नॉकआउट स्तर भी जोड़ा गया है नये नॉकआउट स्तर में पहले दिन राउंड रॉबिन आधार पर पूल के आधार पर मुक़ाबले होंगे प्रणाली , उसके बाद 16 टीम प्ले ऑफ में प्रवेश करेंगी। इस बार भी टीम में कम से कम 6 और अधिकतम 9 खिलाड़ी हो सकते है। इसके साथ ही एक महिला खिलाड़ी और एक 2000 से कम रेटिंग के खिलाड़ी को भी टीम में शामिल करना होगा। इसमें विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैगनस कार्लसन की टीम डबल्यूआर और भारत के अर्जुन एरिगासी की एमजीडी1 में इस बार कड़ी टक्कर हो सकती है। इस स्पर्धा को लेकर उत्साहित होते हुए फिडे के सीईओ एमिल सुतोव्स्की ने कहा, अपने कैलेंडर के सबसे रोमांचक आयोजनों में से एक को लंदन में लाने पर हमें खुशी है। हम उम्मीद करते हैं कि इसमें विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। इसमें कई उभरते खिलाड़ियों को बड़े खिलाड़ियों से सीखने को मिलेगा।

मोदी से मुलाकात को 1996 की विश्व विजेता श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों ने सुखद बताया

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने श्रीलंका दौरे में 1996 की विश्व विजेता श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की है। इन खिलाड़ियों ने इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में साझा की है। इसमें नजर आ रहा है कि प्रधानमंत्री से मिलकर श्रीलंकाई खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं। इन खिलाड़ियों ने इसे अपने जीवन का यादगार पल बताया। मोदी से मुलाकात के बाद पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर मार्वन अटापट्टू ने कहा, यह एक असाधारण मुलाकात थी। हम भाग्यशाली हैं। हमने अपने करियर में दुनिया भर की यात्रा की है और कई क्रिकेटरों से मुलाकात की है पर भारत को आगे ले जाने वाले एक राष्ट्राध्यक्ष से मिलना अलग ही बाता है। ये किसी सपने केसच होने जैसा था।

वहीं एक अन्य पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर रोमेश कालूविथाराना भी मोदी से मुलाकात के बाद उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा, जब से मोदी शासन में आए हैं, बहुत सी चीजें बेहतर हुई हैं। इससे श्रीलंका को भी बहुत लाभ हुआ है। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर चमिंडा वास ने कहा, 1996 विश्व कप विजेता टीम के रूप में उनसे मुलाकात होना और व्यक्तिगत रूप से मिलना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात थी। हमने 1996 विश्व कप जीतने के समय ही उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को कैसे हराया, इस बारे में भी उन्हें बताया। हमने श्रीलंकाई क्रिकेट के भविष्य पर भी चर्चा की कुल मिलाकर ये बातचीत वाकई अच्छी रही। टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सनथ जयसूर्या ने कहा, 1996 की क्रिकेट टीम के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करना एक सुखद अनुभवी था। हमने कुछ चीजों पर बात की और हमने अपने क्रिकेट के बारे में बात की। यह हमारे लिए एक शानदार बैठक थी और हमारे लिए एक बेहतरीन अनुभव भी था, क्योंकि कुछ चीजें जो हमने सुनी थीं, उनके बारे में पीएम मोदी ने सब कुछ विस्तार से बताया कि उन्होंने भारत के लिए क्या किया। मोदी चौथी बार श्रीलंका यात्रा पर गये है। राष्ट्रपति दिसानायके के पद संभालने के बाद ये उनका पहला दौरा है। पिछले साल दिसंबर में अपने पहले आधिकारिक भारत दौरे पर श्रीलंका के राष्ट्रपति ने उन्हें इस यात्रा का निमंत्रण दिया था।

पीएसजी ने बिना किसी हार के 13वीं बार फांसीसी लीग का खिताब जीता

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए शनियार को यहां एंजर्स को 1-0 से हराकर छह मैच शेष रहते हुए ही फ्रांसीसी फुटबॉल लीग (लीग 1) का खिताब अपने नाम पर सुरक्षित किया। पीएसजी का यह लीग 1 में 13वां खिताब है और इस तरह से उसने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। उसकी यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने चैंपियन बनने की राह तक एक भी मैच नहीं गंवाया। ट्रॉफी अपने नाम पर सुरक्षित करने के लिए उसको एंजर्स के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी लेकिन युवा स्ट्राइकर डेसिरे डौए के गोल की मदद से उसने जीत के साथ जश्न मनाया। मैच समाप्त होने के बाद पीएसजी के खिलाड़ियों ने कोच लुई एनरिक को कंधों पर उठा दिया। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2-1 से हराया। पीएसजी ने अपने अभियान में अभी तक 80 गोल किए हैं जबकि उसने केवल 26 गोल खाए हैं।

धोनी के संन्यास पर कोच फ्लेमिंग ने तोड़ी चुप्पी, धोनी के फैंस हो जाएंगे खुश

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करना अच्छा नहीं था लेकिन तब वह परिस्थितियों के अनुसार आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे थे और इसलिए यह रणनीतिक फैसला किया गया। जयवर्धने ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। और उसे बाहर करना अच्छा नहीं था लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ा। यह उस समय एक रणनीतिक निर्णय था।'

तिलक ने भारत की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो शतक लगाए हैं। वह जब 23 गेंद पर 25 रन बना कर खेल रहे थे तब मुंबई की टीम ने उन्हें रिटायर्ड आउट करवा दिया और उनकी जगह मिशेल सेंटनर को भेजा गया जिनका स्ट्राइक रेट 106 है। मुंबई की यह रणनीति हालांकि कारगर साबित नहीं हुई और उसे 12 रन से हार का सामना करना पड़ा। जयवर्धने ने कहा, 'मुझे लगता है कि तिलक शुरू में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था। हमें उम्मीद थी कि वह तेज गति से रन बनाएगा लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाया।'

उन्होंने कहा, 'मैंने आखिरी कुछ ओवरों तक इस उम्मीद में इंतजार किया कि तिलक तेजी से रन बनाएगा क्योंकि उसने क्रीज पर कुछ समय बिताया था। लेकिन वह रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था और तब मुझे लगा कि किसी नए खिलाड़ी को उतारना सही होगा।'

दूसरी तरफ लखनऊ के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने मुंबई के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए अपने गेंदबाजों की प्रशंसा की। मुंबई ने 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय तीन विकेट पर 143 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद आवेश खान, शार्दुल ठाकुर, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई ने शानदार गेंदबाजी की।

लैंगर ने कहा, 'मुझे लगता है कि शार्दुल ठाकुर का वह ओवर (जिसमें उन्होंने सिर्फ सात रन दिए) शानदार था। इसने वास्तव में हमें मैच में बनाए रखा। इसके बाद निश्चित तौर पर आवेश खान ने मुश्किल परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन किया।' उन्होंने कहा, 'दिग्वेश राठी ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। रवि बिश्नोई ने लय हासिल करना शुरू कर दिया है जो हमारे लिए वास्तव में बेहद महत्वपूर्ण है।'

बिहार में 3000 से अधिक वक्फ संपत्ति, लाखों मामले विवादित

पटना (एजेंसी)। देशभर में 39 लाख से अधिक वक्फ बोर्ड की परिसंपत्तियां हैं जिनमें से लाखों मामले विवादित है। इसी तरह बिहार में भी वक्फ की हजारों संपत्तियां हैं और सैकड़ों पर विवाद हैं। अब जब नया वक्फ कानून बन गया है तो ऐसे में इस बात को जानने के लोगों को उत्सुकता हो गई है कि बिहार में आखिर वक्फ की कितनी संपत्ति है और इनमें कितनों पर विवाद है। जानकारी के अनुसार, बिहार में 3000 से अधिक वक्फ संपत्ति है जिनमें सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास ही 2900 से अधिक परिसंपत्तियां तो शिया वक्फ बोर्ड के पास पटना में 117 संपत्ति समेत 327 परिसंपत्तियां हैं। सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास साढ़े सात हजार बीघा जमीन भी बताई जाती है। खास बात यह है कि इनमें सैकड़ों विवादित जमीन और संपत्ति है। सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष मोहम्मद इरशादुल्लाह के अनुसार, सुन्नी वक्फ बोर्ड की 250 से 300 संपत्तियों का मामला ट्रिब्यूनल और हाईकोर्ट में लंबित भी है। सुन्नी वक्फ बोर्ड के 25 प्रतिशत जमीन पर कब्जा भी है। सर्वे नहीं होने के कारण कहां कितनी जमीन है उसका सही आकलन नहीं हुआ है जबकि, शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अफजाल अब्बास के मुताबिक, शिया वक्फ बोर्ड की जमीन पर अवैध कब्जा भी है। इनमें से करीब 138 मामले वक्फ ट्रिब्यूनल और 37 मामले हाईकोर्ट में लंबित हैं। वक्फ बोर्ड के अनुसार, बिहार की राजधानी पटना में भी वक्फ बोर्ड के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है। शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके मोहम्मद इरशाद ने बताया है कि पटना में डाक बंगला चौराहा सहित कई जगहों पर भू माफियाओं ने करीब 17 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है डाक बंगला चौराहे पर लगभग 17 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा है। हालांकि, जानकारी के अनुसार, 146 कब्जाधारी कानूनी लड़ाई भी हार चुके हैं।

सौरभ हत्याकांड : जेल में बंद मुस्कान की तबीयब बिगड़ी, प्रेग्नेंसी जैसे लक्षण दिखे

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में सौरभ हत्याकांड की आरोपी मुस्कान की शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनमें प्रेग्नेंसी जैसे लक्षण नजर आए। इसके बाद जेल प्रशासन ने मुस्कान के मेडिकल चेकअप के लिए महिला जिला अस्पताल को पत्र लिखकर डॉक्टर को बुलाया है। लेडी डॉक्टर अब जेल में आकर मुस्कान का टेस्ट करेगी। दोबारा उसकी प्रेग्नेंसी जांच की जाएगी। इसके बाद ही क्लियर होगा कि मुस्कान गर्भवती है या नहीं। दरअसल, 19 मार्च से मुस्कान और साहिल मेरठ जेल में बंद है। मुस्कान ने साहिल के साथ मिलकर पति सौरभ की हत्या की थी। जेल आने के बाद मुस्कान का प्राइमरी मेडिकल टेस्ट किया गया था। तब वो पूरी तरह स्वस्थ थी, लेकिन अब प्रेग्नेंसी के लक्षण देखे गए हैं। जिला अस्पताल से लेडी डॉक्टर जेल में हर महीने की 15 तारीख को रूटीन विजिट पर जाती है। विशेष परिस्थितियों में डॉक्टर को बुलवाया जाता है। अब जेल प्रशासन ने जिला महिला अस्पताल को पत्र लिखकर जेल में डॉक्टर को भेजने की मांग की है। लेडी डॉक्टर 10 अप्रैल से पहले जेल आकर मुस्कान की प्रेग्नेंसी जांच करेंगी।

मणिपुर में एक किशोर समेत चार उग्रवादी गिरफ्तार

बिष्णुपुर (एजेंसी)। मणिपुर के बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में सुरक्षा बलों ने दो प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े एक किशोर समेत चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित कांगलीपक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को शनिवार को बिष्णुपुर के मोइरांग ओवशोंगबंग से गिरफ्तार किया था, जबकि केसीपी के सक्रिय सदस्य एक किशोर को नाम्बोल बाजार से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित केसीपी का एक सक्रिय कार्यकर्ता बिष्णुपुर के निंगथौखोंग से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि काकचिंग जिले के हियांगलाम में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान में यूपीपीके के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। इस बीच शनिवार को जिरीबाम जिले में तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने कई आग्नेयास्त्र बरामद किए हैं।

मुंबई में पूर्व बीजेपी सांसद ने मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों के खिलाफ की शिकायत

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने मुंबई के गोवंडी इलाके में 72 मस्जिदों पर अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकरों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सोमैया ने कहा कि इन लाउडस्पीकरों को बिना किसी वैधानिक अनुमति के लगाया गया है, जो नियमों का उल्लंघन है। सोमैया ने शिवाजी नगर-गोवंडी क्षेत्र का दौरा करने के बाद यह कदम उठाया। उन्होंने कहा कि मैंने शिकायत दर्ज कराई है। गोवंडी में 72 मस्जिदों पर अनाधिकृत लाउडस्पीकर लगे हैं, जो बिना पुलिस की मंजूरी के हैं। मैंने इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यह समस्या केवल गोवंडी तक सीमित नहीं है, बल्कि मुंबई के कई इलाकों में भी ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। सोमैया ने इससे पहले भी कई बार इस तरह की शिकायतें दर्ज कराई हैं। उनका तर्क है कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे आसपास के निवासियों को भी परेशानी होती है। जानकारी के मुताबिक शिकायत मिलने के बाद इस मामले में जांच शुरू की जा सकती है। हाल ही में उन्होंने मीडिया के सामने घुसपैठियों के फर्जी आधार कार्ड, नकली दस्तावेज और झूठे शपथ पत्रों का इस्तेमाल कर भारत में जन्म प्रमाणपत्र हासिल करने का खुलासा किया था।

मस्जिद विस्फोट मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों पर बढ़ाई यूएपीए की धारा

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक मस्जिद में हुए विस्फोट के बाद गिरफ्तार किए गए दो लोगों के खिलाफ दर्ज मामले में पुलिस ने इस आतंकी कृत्य के लिए यूएपीए और बीएनएस की धारा लगाई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि 30 मार्च को गेवराई तहसील के अर्ध मसला गांव की एक मस्जिद में विस्फोट हो गया था।

शाह करेंगे तमिलनाडु का दौरा, बीजेपी और एआईएडीएमके करेंगे गठबंधन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और एआईएडीएमके के बीच फिर से गठबंधन की अटकलें तेज हो रही हैं। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस माह के आखिर में तमिलनाडु का दौरा करेंगे। शाह का यह दौरा आगामी बिहार चुनावों और पश्चिम बंगाल के 2026 में होने वाले चुनावों से पहले की रणनीति के तहत तय किया गया है। ऐसी संभावना है कि गृह मंत्री एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। मार्च में एआईएडीएमके नेता एदप्पादी के पलानीस्वामी ने दिल्ली में शाह से मुलाकात की थी, इसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि दोनों पुराने सहयोगी विधानसभा चुनावों से पहले फिर गठबंधन कर सकते हैं और द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बना सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट में एक सूत्र ने बताया कि उनकी मुलाकात संघ विचारक एस गुरुमूर्ति और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से भी हुई, लेकिन क्या एआईएडीएमके नेताओं से बातचीत हो रही है, इस पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव राज्य के कुछ नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव डाला है कि वह एआईएडीएमके के साथ फिर से गठबंधन करें, जिससे पार्टी को राज्य में अपनी पकड़ बढ़ाने और एंटी-डीएमके भावना का लाभ उठाने का मौका मिलेगा।

एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा कि दोनों दलों के नेताओं के बीच गठबंधन की संभावना को लेकर कई बार बातचीत हो चुकी है। उम्मीद है कि राज्य में संगठनात्मक फेरबदल के बाद जल्द ही कोई घोषणा हो सकती है। नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव पर नजरें प्रदेश अध्यक्ष के पद से अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद सबकी नजरें इस बात पर हैं कि पार्टी किसे उनका उत्तराधिकारी चुनेगी क्योंकि गठबंधन इस पर निर्भर करेगा कि प्रदेश के नेता आपस में कैसे तालमेल बैठाते हैं। अन्नामलाई और एआईएडीएमके के बीच विरोधाभासी रुख गठबंधन टूटने का एक प्रमुख कारण था। जल्द ही नए राज्य अध्यक्ष की घोषणा की जा सकती है।

गठबंधन की संभावनाएं बीजेपी और एआईएडीएमके के कई नेताओं का कहना है कि दोनों दलों का गठबंधन राज्य में डीएमके को सत्ता से बाहर करने में ज्यादा सफल हो सकता है। एआईएडीएमके ने 2023 में एनडीए से बाहर निकलने का एलान किया था, क्योंकि अन्नामलाई द्वारा की गई टिप्पणियों पर दोनों गठबंधन सहयोगियों के बीच मतभेद हो गए थे।

2021 के चुनावों में डीएमके ने 234 में से 133 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि एआईएडीएमके की 136 से घटकर 66 सीटें रह गई थी। बीजेपी ने चार सीटें और पीएमके ने पांच सीटें जीती थीं। शाह का बिहार और पश्चिम बंगाल दौरा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आगामी यात्रा में बिहार का होने वाला है। प्रदेश के एक नेता ने बताया कि मार्च में अपनी पिछली यात्रा के दौरान शाह ने राज्य के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पार्टी की स्थिति के बारे में जानकारी ली थी। दो दिवसीय यात्रा के दौरान मंत्री चुनावी रणनीति के लिए दिशा-निर्देश देंगे।

पश्चिम बंगाल का दौरा भी जल्द घोषित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को

सशक्त करना और आगामी चुनावी अभियान की रणनीति तय करना है। शाह का जम्मू और कश्मीर दौरा 6 अप्रैल से शुरु हो रहा है वह तीन दिन यहां रहेंगे, जहां वह सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह जम्मू में पार्टी के विधायकों से मुलाकात करेंगे और पार्टी के संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अमित शाह का यह दौरा बीजेपी की रणनीतिक तैयारियों का हिस्सा है, जो आने वाले चुनावों के लिए पार्टी की दिशा तय करेगा।

महंगे हुए बाबा भोलेनाथ के दर्शन, हेलीकॉप्टर सेवा के किराए में बढ़ोतरी

देहरादून। महंगाई की मार चौतरफा है। बाबा भोलेनाथ के दर्शन करना भी अब महंगा हो गया है। यहां हेलीकॉप्टर की सेवाएं लेने वालों को अब ज्यादा किराया चुकाना पड़ेगा। चारधाम यात्रा के शुरू होने से पहले देश-विदेश से आने वाले भक्तजनों को करारा झटका लगा है। उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा के लिए हेली सेवा का किराया जारी कर दिया गया है। केदारनाथ हेली सेवा के किराये में 5 फीसदी वृद्धि की गई है। सिरसी से केदारनाथ धाम के लिए 6060 रुपये और फाटा से केदारनाथ के लिए 6062 रुपये किराया तय किया गया है। गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिए 8532 रुपये चुकाने होंगे। तय किराया आने-जाने का होगा। केदारनाथ हेली सेवा की बुकिंग अप्रैल से होगी शुरू केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की ऑनलाइन बुकिंग आठ अप्रैल से शुरू हो जाएगी। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। तीर्थ यात्रियों से अपील की गई है कि वह सरकारी अधिकृत वेबसाइट से ही हेली सेवा के लिए बुकिंग कराएं।अधिकृत वेबसाइट से ही कराएं बुकिंग केदारनाथ हेली सेवा के लिए अधिकृत वेबसाइट से ही बुकिंग कराएं। केदारनाथ में इन कंपनियों के उड़ान भरेंगे हेलीकॉप्टर यूकाडा की सीईओ सोनिका ने बताया कि केदारनाथ हेली सेवा का संचालन पवन हंस, आर्यन एविएशन, हिमालयन हेली, ट्रांस भारत, ग्लोबल विक्ट्रा, थंबी एविएशन, केस्ट्रल एविएशन और एयरो एयरक्राफ्ट के माध्यम से किया जाएगा। हेली कंपनियों के साथ हुए तीन साल के अनुबंध के अनुसार इस बार किराये में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। 2024 में तीर्थ यात्रियों का बना था नया रिकॉर्ड उत्तराखंड चारधाम आने वाले तीर्थ यात्रियों का पिछले साल नया रिकॉर्ड बना था।

तीन समन के बाद कामरा ने पुलिस से किया ऑनलाइन बयान दर्ज कराने का अनुरोध

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी करने के बाद विवादों में घिरे कॉमेडियन कुणाल कामरा ने मुंबई पुलिस को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि उनका बयान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए दर्ज किया जाए। कामरा ने यह अनुरोध तब किया जब खार पुलिस ने उन्हें तीन समन जारी किए हैं। कामरा ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वह जांच में सहयोग करेंगे, लेकिन वह मुंबई में नहीं हैं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने पुलिस से कहा है कि वह अपनी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगेंगे।

बता दें कुणाल कामरा ने अपने एक कार्यक्रम में एक पैरोडी गाना गाया था। उसमें शिवसेना में विभाजन के लिए शिंदे पर कटाक्ष किया था। इसके बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने 23 मार्च को स्टूडियो और उस होटल में तोड़फोड़ की थी जहां यह यह कार्यक्रम का स्टूडियो स्थित था।

खार पुलिस का एक दल सप्ताह की शुरुआत में दूसरे समन पर कामरा के पेश नहीं होने पर माहिम स्थित उनके आवास पहुंचा था। मद्रास हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी है। वह तमिलनाडु के रहने वाले हैं। वहीं, ऑनलाइन प्लैटफॉर्म वुक माई शो ने अपनी आधिकारिक साइट से कमीडियन के कंटेंट हटाने के साथ ही आर्टिस्ट्स लिस्ट से भी उनका नाम हटा दिया है। शिवसेना नेता राहुल कनाल ने 3 अप्रैल को कार्यक्रमों के लिए टिकट बुक कराने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म वुक माई शो को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि वे कुणाल कामरा को उनके आगे के शो के लिए टिकटिंग प्लैटफॉर्म उपलब्ध न कराएं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा का बचाव किया था। राउत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर जोर दिया। राउत ने कहा कि इस मामले में उन्होंने कामरा से बात की है।

वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण नहीं चाहती सरकार, कानून के अनुसार कामकाज सुनिश्चित होना चाहिए: नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड को नियंत्रित नहीं करना चाहती, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वे कानून के दायरे में काम करें, ताकि उनकी संपत्ति का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार को बढ़ावा देने में किया जा सके।

पार्टी के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि तुर्किये और कई अन्य मुस्लिम देशों की सरकारों ने वक्फ संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है।

उन्होंने कहा, ''हम (वक्फ बोर्ड का) संचालन कर रहे लोगों से बस यह कह रहे हैं कि आप नियमों के अनुसार काम करें। आपको यह काम नियमानुसार करना होगा।÷ नड्डा ने कहा, ''हम वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण नहीं चाहते। हमारा

लक्ष्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि इसका प्रबंधन करने वाले लोग कानून के दायरे में काम करें और स्थापित नियमों का पालन करें। वक्फ बोर्ड की संपत्ति और धन मुस्लिम समुदाय के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित होंगे।''

नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करने से पहले भाजपा प्रमुख ने मुख्यालय में पार्टी का झंडा फहराया। वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ से शुरू हुई भाजपा की राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए नड्डा ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है और आज कई राज्यों में सत्ता में है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी अपनी मूल विचारधारा से हटी नहीं है, जबकि कांग्रेस वर्षों से अपनी वैचारिक कमजोरी के कारण पतन का सामना कर रही है। नड्डा ने कहा, 'आज, लोकसभा में भाजपा के 240, राज्यसभा में 98 से अधिक सदस्य और देश भर में 1,600 से अधिक विधायक हैं। हमने अभी-अभी अपना सदस्यता अभियान समाप्त किया है और भाजपा सदस्यों की संख्या 13.5 करोड़ को पार कर गई है। देश भर में हमारे 10 लाख से अधिक सक्रिय पार्टी कार्यकर्ता हैं।

वक्फ विधेयक को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने से कुछ हासिल नहीं होगा : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने संसद में पारित वक्फ संशोधन अधिनियम को कुछ पार्टियों द्वारा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दिए जाने की तैयारी की खबरों के बीच रविवार को कहा कि विधेयक को अदालत में चुनौती देने से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक गरीब और हाशिए पर खड़े मुसलमानों के हित में लाया गया है। वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए वक्फ संशोधन विधेयक को सही ठहराया और कहा कि इसे संसद में भारी समर्थन मिला है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ताकत को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'वक्फ संशोधन विधेयक को भारी बहुमत से पारित किया गया है। कुछ लोग इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय जा सकते हैं, लेकिन इससे कुछ नहीं होने वाला है।' वर्मा ने जोर देकर कहा कि विधेयक का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के कमजोर वर्गों खासकर गरीब और पसमांदा मुसलमानों को फायदा पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'यह कानून वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करेगा और वंचित मुसलमानों के हित में काम करेगा।' वर्मा की यह टिप्पणी कुछ मुस्लिम संगठनों और विपक्षी नेताओं द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक के प्रावधानों को अदालत में चुनौती देने की योजना बनाने की खबरों के बीच आई है। वक्फ (संशोधन) विधेयक को पिछले दिनों संसद के दोनों सदनों में पारित कर दिया गया था।

कांग्रेस के सबसे मजबूत गढ़ में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर घमासान

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के पास तीन राज्य हैं कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश। इसके अलावा वह झारखंड में इंडिया अलायंस की सरकार में साझेदार है। लेकिन, पार्टी के इस स्तर पर सिकुड़ जाने के बावजूद उसके भीतर का सिरफुटव्वल थमने का नाम नहीं ले रहा है। मौजूदा वक्त में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के पास यह पद है। वह प्रदेशाध्यक्ष का पद छोड़ना नहीं चाहते हैं। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान से दो दिन की मुलाकात के बाद बेंगलुरु लौटे शिवकुमार ने साफ कहा कि वे यह पद तभी छोड़ेंगे, जब उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी मिले। सूत्रों के मुताबिक, हाईकमान ने अभी के लिए शिवकुमार का समर्थन किया है, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके करीबी मंत्रियों को यह बात पसंद नहीं आई है।

इस वक्त कांग्रेस एक मात्र बड़े राज्य कर्नाटक में सबसे मजबूत स्थिति में है। लेकिन, वहां सीएम की कुर्सी को लेकर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और सीएम सिद्दारमैया के बीच तकरार किसी से छिपी नहीं है। ताजा विवाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद को लेकर है। रिपोर्ट के अनुसार सिद्धारमैया के समर्थक मंत्री शिवकुमार को अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहे थे। लेकिन हाईकमान ने साफ कर दिया कि इस साल

के अंत में होने वाले जिला और तालुक पंचायत चुनावों से पहले पार्टी में कोई बदलाव नहीं होगा। जानकारों का मानना है कि शिवकुमार अध्यक्ष पद छोड़ना नहीं चाहते, क्योंकि इससे उनकी मुख्यमंत्री बनने की राह कमजोर हो सकती है।

सिद्धारमैया के करीबी मंत्रियों का एक गुट शिवकुमार को हटाने की मुहिम चला रहा था। उनका तर्क था कि कांग्रेस का नियम है- एक व्यक्ति, एक पद। लेकिन हाल ही में एक हनीट्रैप विवाद ने इस मुहिम को झटका दिया। राजन्ना ने खुद खुलासा किया कि वे उन 48 नेताओं में शामिल थे, जिन्हें इस कथित साजिश का निशाना बनाया गया। इसके बाद यह अभियान ठंडा पड़ गया। शिवकुमार ने अपने विरोधियों को जवाब देते हुए कहा कि केपीसीसी का पद दुकान में नहीं मिलता, न ही मीडिया में बयान देकर हासिल किया जा सकता है। वे मानते हैं कि नेतृत्व का पद मेहनत से कमाया जाता है। दूसरी ओर, लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली भी अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 लोकसभा चुनावों के बाद अध्यक्ष बदलने का लिखित प्रस्ताव एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के पास है। उनका मानना है कि 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए एक पूर्णकालिक अध्यक्ष जरूरी है।

ओडिशा में खुदाई में मिले ताम्र-पाषाण युग के अवशेष

- 7000 साल पुराने रहस्य से उठेगा पर्दा

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के खुर्दा जिले के नारा हुआ में पुरातात्विक खुदाई में ताम्र-पाषाण युग के अवशेष मिले हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम 2021 से इस स्थान पर खुदाई कर रही है और हाल ही में टीम को मिट्टी के गोलाकार ढांचे, तांबे और पत्थर के औजार, मिट्टी के बर्तन, आभूषण और कई प्राचीन वस्तुएं मिली हैं। खुदाई में प्राप्त गोल झोपड़ियों के अवशेष यह दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में यहां लोग स्थायी रूप से बसने लगे थे। झोपड़ियों की दीवारें मिट्टी की थीं और खंभे लगाने के लिए गड्ढे बनाए गए थे। आसपास की जमीन लाल रंग की मिट्टी से ढकी थी।

पुरातत्ववेत्ता के मुताबिक खुदाई में तांबे और हड्डियों से बनी वस्तुएं, कांच की चूड़ियों के टुकड़े, मिट्टी की मूर्तियां, पत्थर को चमकाने के औजार, खिलौने और हथौड़े भी मिले हैं। ताम्र-पाषाण युग नवपाषाण युग के बाद आया था, जिसमें मनुष्यों ने पत्थर के बजाय तांबे के औजारों का इस्तेमाल करना शुरू किया। यह काल करीब 4000 ईसा पूर्व

से 2000 ईसा पूर्व तक फैला था। इस युग में लोग मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन पर निर्भर थे। भारत में इस काल के कई प्रमुख स्थल हैं, जैसे राजस्थान में गिलुंड और अहार, महाराष्ट्र में इनामगांव और दैमाबाद, और मध्य प्रदेश में नवदाटोली और एरण है।

खुदाई में यहां से तीन अलग-अलग ऐतिहासिक काल के प्रमाण मिले हैं ताम्र-पाषाण युग (2000 ईसा पूर्वङ्क1000 ईसा पूर्व), लौह युग (1000 ईसा पूर्वङ्क400 ईसा पूर्व) और प्रारंभिक ऐतिहासिक काल (400 ईसा पूर्वङ्क200 ईसा पूर्व)। यहां से मिले मिट्टी के बर्तन लाल, भूरे, चॉकलेट और काले-लाल रंग के हैं, जिनमें से कुछ वर्क्सिबल के रूप में पहचाने गए हैं।

इस खोज से यह साफ हो गया है कि इस क्षेत्र में हड़प्पा सभ्यता से पहले भी विकसित मानव बस्तियां थीं। इससे पहले, नारा हुआ के पास अन्नालाजोडी गांव में नियो-चालकोलिथिक युग की वस्तुएं मिली थीं, जो इस क्षेत्र के मानव सभ्यता के प्राचीन होने का प्रमाण देती हैं। पुरातत्व टीम अभी भी इस स्थल की जांच कर रही है ताकि 7000 साल पुराने इस रहस्य से पर्दा उठाया जा सके।

पीएम मोदी का यूएई और श्रीलंका दौरा: भारत की रणनीति से सकते में आया चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश के दौरे पर हैं। यूएई और श्रीलंका के दौरे से चीन सकते में आ गया है। इसे चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। इस यात्रा में भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता हुआ है, जिसके तहत श्रीलंका के त्रिंकोमाली जिले को ऊर्जा हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

यह जिला श्रीलंका के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है। एक तमिल बहुल इलाका है। इस प्रोजेक्ट में एक मल्टी-प्रोडक्ट पाइपलाइन भी शामिल होगी, जिससे श्रीलंका के सभी लोगों को फायदा पहुंचेगा। इससे पहले पीएम मोदी ने 2019 में श्रीलंका का दौरा किया था। त्रिंकोमाली का महत्व भारत के लिए बहुत ज्यादा है। यहां का नेचुरल बंदरगाह और ऊर्जा सुविधाएं इसे रणनीतिक रूप से अहम बनाती है। भारत का मानना है कि यहां उसकी मजबूत मौजूदगी से वह उत्तर-पूर्वी हिंद महासागर में अपनी ताकत बढ़ा सकता है। यह कदम इसलिए भी जरूरी हो गया था क्योंकि हाल ही में श्रीलंका ने चीन की तेल कंपनी सिनोपेक से 3.7 अरब डॉलर का निवेश हासिल किया है। यह निवेश श्रीलंका के दक्षिणी हिस्से में हंबनटोटा में तेल रिफाइनरी के लिए है और यह देश में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश है। यह कदम न सिर्फ श्रीलंका के लिए फायदेमंद है, बल्कि भारत के लिए भी एक बड़ी रणनीतिक जीत है। चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत लगातार अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते मजबूत कर रहा है। त्रिंकोमाली प्रोजेक्ट से भारत न केवल श्रीलंका में अपनी स्थिति मजबूत करेगा, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भी अपनी पकड़ को और सशक्त बनाएगा। पीएम मोदी का यह मास्टर स्ट्रोक न सिर्फ श्रीलंका, बल्कि पूरे क्षेत्र में भारत की ताकत को दिखाता है।

इस प्रोजेक्ट में यूएई को शामिल करना भी भारत की स्मार्ट रणनीति का हिस्सा है। यूएई भारत का एक बड़ा रणनीतिक और ऊर्जा साझेदार है। दोनों देशों ने 2018 में तीसरे देशों में संयुक्त विकास परियोजनाओं पर काम करने का फैसला किया था और यह प्रोजेक्ट उसी दिशा में एक कदम है। हालांकि, यूएई की इस प्रोजेक्ट में सटीक भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है। विदेश सचिव मिस्री ने कहा कि यूएई की भागीदारी के बारे में विस्तार से जानकारी तब सामने आएगी, जब इस समझौते के तहत बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) चर्चाएं शुरू होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि अगला कदम होगा इस प्रोजेक्ट के लिए खास एजेंसियों और संस्थाओं को चुनना। ये सरकारी संस्थाएं हो सकती हैं, निजी क्षेत्र की कंपनियां हो

सकती हैं या फिर सरकार से जुड़े हुए संगठन हो सकते हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी**, **प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह***, **प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**